अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

जबलपुर गुरुवार 17 सितंबर 2026 > शक संवत 1948, भाद्रपद शुक्ल पक्ष, षष्ठी

वर्ष 32 अंक 80 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 33.5°C
न्यूनतम तापमान 23.9°C
सूर्योदय - 5.58 | सूर्यास्त - 6.12

कैट ने यूपीआई भुगतान पर कमीशन को लेकर ... ⏩ 4

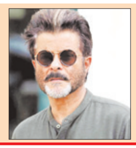
दो बेटियां होना मेरे लिए डबल बोनस है : अनिल ... ⏩ 7

पीएम के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर आज... ⏩ 9

छत्तीसगढ़ की एनआईए कोर्ट का बड़ा फैसला

2013 का झीरम घाटी नरसंहार फांसी पर लटकेंगे 10 गुनहगार

रायपुर

छत्तीसगढ़ की एनआईए कोर्ट ने 2013 के झीरम घाटी माओवादी हमले के मामले में सभी 10 दोषियों को मौत की सज़ा सुनाई है। इस हमले में 29 लोग मारे गए थे। जगदलपुर की एनआईए कोर्ट ने शनिवार को हमले के गिरफ़्तार सभी 10 लोगों को दोषी ठहराया था। बता दें कि इस हमले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विद्या चरण शुक्ल और महेंद्र कर्मा समेत 29 लोग मारे गए थे। बस्तर की झीरम घाटी में 25 मई, 2013 को हुए हमले ने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के लगभग पूरे शीर्ष नेतृत्व को खत्म कर दिया था। इस मामले में करीब 13 साल तक चली न्यायिक प्रक्रिया के बाद अदालत ने 10 आरोपियों को दोषी माना था। दोषियों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। इस

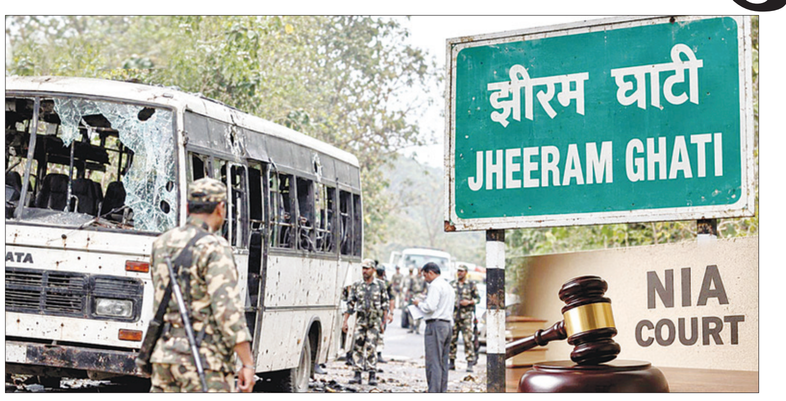

मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 101 गवाहों के बयान दर्ज कराए गए थे। इससे पहले, 5 सितंबर 2026 को ट्रायल कोर्ट ने 10 अभियुक्तों को दोषी ठहराया था और उन्हें यूए (पी) एक्ट, आईपीसी, आर्म्स एक्ट और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी माना था, लेकिन सज़ा की मात्रा तय करने का फ़ैसला सुरक्षित रख लिया था। यह मामला 25 मई 2013 को छत्तीसगढ़ के बस्तर ज़िले के दरभा में झीरम घाटी में एनएच-221 पर कांग्रेस पार्टी की परिवर्तन यात्रा के काफ़िले पर प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) के हथियारबंद कैडरों द्वारा किए गए सुनियोजित हमले से जुड़ा है। एनआईए की जांच से पता चला कि प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सीपीआई (माओवादी) के हथियारबंद कैडर, स्थानीय कमेटियों, डिविजनों की मिलीभगत से, अपने 'टैक्टिकल काउंटर ऑफेंसिव कैंपेन' के तहत परिवर्तन यात्रा के काफिले में शामिल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और सुरक्षाकर्मियों पर हमला करने और उनकी हत्या करने की आपराधिक साजिश का हिस्सा थे।

क्या था झीरम घाटी केस

यह मामला आईईडी विस्फोट, अंधाधुंध गोलीबारी और ग्रेनेड विस्फोट से जुड़ा है, जिसमें 24 निर्दोष नागरिकों और पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई थी और 35 से ज़्यादा नागरिक और पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए थे; घायलों में से 3 की बाद में मौत हो गई। सीपीआई (माओवादी) के कैडरों ने मृतकों और पीड़ितों से हथियार और गोला-बारूद, वॉकी-टॉकी सेट, मोबाइल फ़ोन और अन्य सामान भी लूट लिया था।

एनआईए की जांच में खुलासा

एनआईए ने कुल 39 अभियुक्तों के खिलाफ क्रमशः 25 सितंबर 2014 और 28 सितंबर 2015 को चार्जशीट (9 अभियुक्त) और सप्लीमेंट्री चार्जशीट (30 अभियुक्त) दाखिल की थी। चार्जशीट में नामजद 10 आरोपियों के खिलाफ शुरुआती ट्रायल, अभियोजन पक्ष के 101 गवाहों के बयान दर्ज होने के साथ पूरा हुआ। गिरफ्तार और चार्जशीटेड आरोपियों में से एक की न्यायिक हिरासत में मौत हो गई।

इन 10 आरोपियों को फांसी की सजा

प्रमिला मोडियाम, सुमित्रा पुनेम, कोसा कवासी, मुक्का मांडवी,मड़कामी देवा, आयत मरकाम, बजामी सेना, चैतू लेकाम, जोगा मड़कामी, महादेव नागा, सभी दोषी अभी केंद्रीय जेल में बंद हैं। अदालत ने कुल 11 आरोपियों के खिलाफ सुनवाई की थी। मुकदमे के दौरान एक आरोपी की मौत हो गई थी, जिसके बाद अदालत ने शेष 10 आरोपियों के खिलाफ सुनवाई जारी रखी।

इन धाराओं में सुनाया फैसला

कोर्ट ने सभी आरोपियों को आईपीसी की धाराओं 147, 148, 149, 121, 121(ए), 122, 341, 302, 307, 396, 397, 427 और 120(बी); आर्म्स एक्ट की धाराओं 25 और 27; विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धाराओं 3, 4 और 5; और यूए(पी) एक्ट की धाराओं 16, 18, 20, 38, 39 और 40 के तहत दोषी पाया।

अब 25 हजार रुपये तक वेतन पाने वाले भी ईपीएफ के दायरे में होंगे

नई दिल्ली (वार्ता)। सरकार ने निजी क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) में अनिवार्य दायरे के लिए वेतन सीमा 15 हजार रुपये के बढ़ाकर 25 हजार रुपये कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में यहां बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। यह 17 सितंबर 2026 को विश्वकर्मा जयंती के दिन से लागू होगा। बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया कि इस फैसले से 51 लाख से अधिक ऐसे कर्मचारी ईपीएफ के अनिवार्य दायरे में आ जाएंगे जिनका वेतन 15 हजार रुपये से 25 हजार रुपये के बीच है। उन्होंने कहा कि इससे औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ेगा। ईपीएफ के लिए 15 हजार रुपये की सीमा सितंबर 2014 में तय की गई थी। श्री वैष्णव ने कहा कि उस समय से अबतक औसत वेतन करीब ढाई गुणा बढ़कर 23 हजार रुपये मासिक हो गया है। कई राज्यों में अकुशल कामगारों का वेतन भी 15 हजार रुपये से अधिक है। ऐसे में पुरानी सीमा को बनाए रखने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने बताया कि इस मंजूरी से भविष्य निधि की बचत, कर्मचारी पेंशन योजना और कर्मचारी जमा आधारित बीमा योजना में बीमा सुरक्षा का दायरा बढ़ेगा। साथ ही नियोक्ताओं के लिए कर्मचारियों को अपने साथ बनाए रखने में भी यह फैसला मददगार होगा। वर्तमान में 15 हजार रुपये प्रति माह से अधिक वेतन पाने वाले लोग अनिवार्य रूप से कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) योजना का हिस्सा नहीं हैं। अब 25 हजार रुपये तक मासिक वेतन वाले कर्माचारी अनिवार्यतः इसका हिस्सा बन जाएंगे। ईपीएफ में हर पंजीकृत कर्मचारी के खाते में अंशदान का एक हिस्सा सरकार भी देती है जो पेंशन फंड में जाता है। वेतन सीमा बढ़ाने से इस मद में सरकार का सालाना अंशदान करीब 11,339 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

नीति आयोग के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इंडेक्स में दिल्ली अव्वल

नई दिल्ली (वार्ता)

दिल्ली ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए नीति आयोग के इंडिया इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इंडेक्स (आईईएमआई) 2025 में देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि नीति आयोग के इंडेक्स में दिल्ली का शीर्ष स्थान पाना पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ परिवहन नीतियों की राष्ट्रीय स्वीकृति है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को जन-आंदोलन का स्वरूप देने और आधुनिक ईवी इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में कार्य कर रही है। सरकार का प्रयास केवल इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की

जरूरतों के अनुरूप स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था तैयार करना है। दिल्ली सरकार के अनुसार, इस उपलब्धि में ईवी पॉलिसी 2026 की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। नीति के तहत इलेक्ट्रिक वाहन खरीदारों को वित्तीय प्रोत्साहन देने और चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार पर जोर दिया गया है। सार्वजनिक परिवहन को स्वच्छ बनाने के लिए सरकार वित्त वर्ष 2028-29 तक राजधानी की सड़कों पर 14,000 इलेक्ट्रिक बसें उतारने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती संख्या के अनुरूप चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़े स्तर पर विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। नीति आयोग के डेटा आधारित मूल्यांकन में दिल्ली को 84 अंक मिले हैं। महाराष्ट्र 78 अंकों के साथ दूसरे, कर्नाटक 73 अंकों के साथ तीसरे, चंडीगढ़ 71 अंकों के साथ चौथे और गोवा 65 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहा। यह सूचकांक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में परिवहन विद्युतीकरण, इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तथा रिसर्च एवं इनोवेशन जैसे प्रमुख मानकों पर प्रदर्शन का आकलन करता है। इसका उद्देश्य ई-मोबिलिटी की प्रगति, चुनौतियों और अवसरों को सामने लाना तथा बेहतर नीतियों और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा करने को प्रोत्साहित करना है।

मेडिकल उपकरणों के कीमतों की राष्ट्रीय स्तर पर हो समीक्षा: कांग्रेस

नई दिल्ली (वार्ता)

कांग्रेस ने कहा है कि भाजपा सरकार में जन सामान्य के लिए इलाज लगातार महंगा होता जा रहा है इसलिए मेडिकल उपकरणों की कीमत तथा अस्पतालों द्वारा मरीजों से वसूली की व्यवस्था की राष्ट्रीय स्तर पर समीक्षा की जानी चाहिए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि आम लोगों के लिए चिकित्सा संकट नहीं बनें इसलिए सरकार को लोगों को कम दाम पर प्रभावी चिकित्सा उपलब्ध कराने के वास्ते राष्ट्रीय स्तर पर मेडिकल में वसूली की व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पूरे तंत्र में पारदर्शी एवं प्रभावी नियमन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की जांच में 11.05 रुपये का आईवी सेट 325 रुपये में और 29.41 रुपये का कैथेटर मरीज को 310 रुपये में दिए जाने का मामला सामने आया है। उनका कहना था कि इन कीमतों में क्रमशः 2,841 प्रतिशत और करीब 954 प्रतिशत का अंतर है। श्री रमेश ने कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीज के पास न तो कीमत तय करने की ताकत होती है और न ही तत्काल विकल्प चुनने की सुविधा इसलिए जरूरी मेडिकल उपकरणों की कीमत में इतना बड़ा अंतर केवल बाजार का मामला नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और नियमन का सवाल है। उन्होंने केंद्र सरकार से मेडिकल उपकरणों की कीमत, व्यापार मार्जिन और अस्पतालों द्वारा मरीजों से की जाने वाली वसूली की राष्ट्रीय स्तर पर तत्काल समीक्षा कर पारदर्शी एवं प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

नयी पीढ़ी पुरानी पीढ़ी से अधिक ईमानदार है उनमें प्राकृतिक रूप से अधिक साहस है: भागवत

नई दिल्ली (वार्ता)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा है कि नयी पीढ़ी पुरानी पीढ़ी से अधिक ईमानदार है और उनमें प्राकृतिक रूप से अधिक साहस है। श्री भागवत ने यह बात यहां बुधवार को आईआईएलएम विश्वविद्यालय एवं बेनयान ट्री विद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित संवाद कार्यक्रम में कक्षा 10 से स्नातकोत्तर तक के विद्यार्थियों से संवाद के दौरान कही। उन्होंने कहा कि उनका व्यक्तिगत अनुभव है कि नयी पीढ़ी पुरानी पीढ़ी से अधिक ईमानदार है, उनमें प्राकृतिक रूप से अधिक साहस है। प्रतिभा पलायन के मुद्दे पर उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि विदेशों में आपको सब-कुछ मिल जाएगा, लेकिन आपकी पहचान आपके देश से है। आपको अपने देश से बहुत कुछ मिला है। उन्होंने कहा, भारत के अन्न जल से हमें अपनी देह मिली है। जितना देह के लिए आवश्यक है, उतना अपने लिए रखें और शेष समाज के लिए, देश के लिए अर्पित करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल करियर निर्माण नहीं है, मनुष्यका निर्माण करना है। शिक्षा ही मनुष्य को पशु से अलग करती है। मनुष्य निर्माण से ही राष्ट्र निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि अभी जो फिल्म हनुमान अंश आई है, उसमें नीब करोली बाबा हैं। अमेरिकी कंपनी ऐपल के संस्थापक स्टीव जॉब्स भी उनसे मिलने आये थे।

ब्रिक्स देश अमेरिका के दबदबे को कम करने के लिए वैकल्पिक पेमेंट प्रणाली चाहते हैं: पाई

बेंगलुरु (वार्ता)। ब्रिक्स देश और एशिया की अन्य अर्थव्यवस्थाएं वैकल्पिक वैश्विक भुगतान प्रणाली और व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के अधिक इस्तेमाल की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इंफोसिस के पूर्व निदेशक टीवी मोहनदास पाई ने बुधवार को कहा कि इस बदलाव से इन देशों की अमेरिका के प्रभुत्व वाली वित्तीय व्यवस्था पर निर्भरता कम हो सकती है। ब्रिक्स और एशियाई देशों के बीच सीमा पार भुगतान के वैकल्पिक तरीकों को लेकर हो रही चर्चा महत्वपूर्ण है। उनके अनुसार, इससे देशों को मौजूदा व्यवस्था के बाहर एक विकल्प मिल सकता है। उनका कहना है कि मौजूदा व्यवस्था के कारण वैश्विक व्यापार और भुगतान पर अमेरिका का काफी प्रभाव है। श्री पाई ने यहां आयोजित आईटीआरए सम्मेलन से इतर पत्रकारों से कहा, सबसे बड़ी बात जो सामने आई, वह भुगतान के लिए भुगतान प्रणाली है। मौजूदा समय में सोसाइटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशन (स्विफ्ट) का नियंत्रण आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) और अमेरिका के पास है। उन्होंने कहा कि किसी देश को वैश्विक वित्तीय व्यवस्था से बाहर करने की क्षमता अमेरिका की ताकत के एक साधन के रूप में उभरी है। उनके अनुसार, संप्रभु देशों के पास अंतरराष्ट्रीय लेनदेन के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं होनी चाहिए।

भारतीय क्षेत्र को लेकर कोई समझौता स्वीकार नहीं

नई दिल्ली (वार्ता)। भारत ने पाकिस्तान-चीन के तथाकथित सीमा संयुक्त आयोग को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा है कि इसका कोई कानूनी आधार नहीं है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान और चीन के बीच कोई सीमा नहीं है और इस तथाकथित संयुक्त आयोग का कोई कानूनी आधार नहीं है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्र शासित प्रदेश भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। प्रवक्ता के मुताबिक, पाकिस्तान को भारत के अवैध और जबरन कब्जे वाले क्षेत्रों को लेकर किसी तरह की व्यवस्था करने का अधिकार नहीं है। भारत ने 1963 के तथाकथित चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते को भी कभी मान्यता नहीं दी है। भारत का कहना है कि यह समझौता अवैध और अमान्य है। भारत ने कहा कि वह इन कब्जे वाले क्षेत्रों की स्थिति बदलने या अवैध कब्जे को सही ठहराने की किसी भी कोशिश का विरोध करता है। भारत के मुताबिक, भारतीय क्षेत्रों को लेकर चीन और पाकिस्तान के बीच किसी भी तरह का तथाकथित सीमा सहयोग स्वीकार्य नहीं है और इससे इन क्षेत्रों पर भारत की संप्रभुता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भारत ने पाकिस्तान से कहा है कि वह ऐसे दिखावे के बजाय भारत के अवैध और जबरन कब्जे वाले क्षेत्रों को तुरंत खाली करे।

भारत ने पाकिस्तान-चीन सीमा आयोग को बताया अवैध

पटना हाई कोर्ट ने दिया सख्त आदेश

सड़क ऊंची कर घरों को नीचे नहीं धकेल सकते

पटना

शहरों में सड़क की ऊंचाई बढ़ाकर जलजमाव की समस्या दूर करने के तरीके पर पटना हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सड़क निर्माण के दौरान उसका स्तर मनमाने तरीके से बढ़ाने से आसपास के घर, दुकान और गलियां नीचे हो जाती हैं और बारिश का पानी घरों में घुसने की समस्या बढ़ सकती है। इससे पहले 28 जुलाई 2026 के आदेश में तत्कालीन कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश सुधीर सिंह और न्यायाधीश राजेश कुमार वर्मा की खंडपीठ ने पटना जिले में सड़क निर्माण के दौरान मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का कड़ाई से पालन कराने का निर्देश दिया था। मामला पटना के ईस्ट पटेल

नगर स्थित रोड नंबर-3 से जुड़ा था। राजीव रंजन कुमार की लोकहित याचिका में आरोप लगाया गया था कि सड़क निर्माण और मरम्मत के दौरान उसका स्तर आसपास की जमीन से छह से 12 इंच तक बढ़ा दिया गया। इससे सड़क किनारे के घर और परिसर नीचे हो गए और जलजमाव की समस्या बढ़ गई। याचिका में सड़क को पुराने स्तर पर लाने और निर्माण में हुई अनियमितता की जांच की मांग की गई थी।

सड़क बनाने से पहले होगा पूरा सर्वे

सुनवाई के दौरान सड़क निर्माण विभाग की ओर से तैयार एसओपी कोर्ट के सामने पेश की गई। इसमें निर्माण से पहले सड़क की मौजूदा ऊंचाई, आसपास के भवनों, गलियों और जल निकासी व्यवस्था का सर्वे करने का प्रावधान है। सड़क का स्तर तय करते समय यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वह आसपास के घरों और परिसरों से अनावश्यक रूप से ऊंची न हो।

पुरानी सड़क पर सीधे नई परत नहीं

नई सड़क की परत बिछाने से पहले पुरानी सड़क की ऊपरी परत को आवश्यक मोटाई तक हटाने का भी प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य सड़क की अंतिम ऊंचाई को लगातार बढ़ने से रोकना है, ताकि हर बार मरम्मत के नाम पर सड़क ऊंची होती न जाए और आसपास के घर निचले स्तर पर न चले जाएं। एसओपी में सड़क को केवल ऊंचा करने के बजाय जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान तलाशने पर जोर दिया गया है। यानी निर्माण एजेंसियों को सड़क की ऊंचाई बढ़ाने से पहले आसपास के क्षेत्र में पानी की निकासी और मौजूदा स्तर का आकलन करना होगा।

अनंत नाग को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार

नई दिल्ली (वार्ता)। जाने माने अभिनेता अनंत नाग को भारतीय सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान तथा कन्नड़ सिनेमा में कालजयी विरासत के लिए दादासाहेब फाल्के पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया जायेगा। केंद्र सरकार ने बुधवार को इसकी घोषणा की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि श्री अनंत नाग को यह पुरस्कार दादासाहेब फाल्के पुरस्कार चयन समिति की सिफारिश पर दिया जा रहा है। अनंत नाग को गुजरात के केवड़िया में 22 सितंबर को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में इससे सम्मानित किया जायेगा।

जर्जर इमारत ढहने से चार महिलाओं की मौत

इंदौर। इंदौर जिले के सांवेर थाना क्षेत्र में बुधवार को जर्जर इमारत तोड़ने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। टेंशन चौराहा स्थित पुरानी इमारत की दीवार अचानक महिला श्रमिकों पर जा गिरी, जिससे आठ श्रमिक मलबे के नीचे दब गए। हादसे में चार महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हुई हैं। एक महिला के संबंध में स्थिति की पुष्टि की जा रही है। घटना सांवेर नगर के बीचों-बीच होने के कारण मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और नगर परिषद का अमला मौके पर पहुंचा और राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

शहजाद भट्टी नेटवर्क आतंकी संगठन घोषित

नई दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले शहजाद भट्टी नेटवर्क को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आतंकवादी संगठन घोषित किया है। गृह मंत्रालय ने बुधवार को एक अधिसूचना जारी कर कहा कि शहजाद भट्टी नेटवर्क को आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि यह नेटवर्क सीमा पार हथियार, विस्फोटक और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल है।

मझगवां खदान में मिला 27.29 कैरेट का हीरा

पन्ना। पन्ना के मझगवां स्थित एनएमडीसी की डायमंड माइनिंग परियोजना में 27.29 कैरेट का जेम क्वालिटी प्राकृतिक हीरा मिला है। मार्च 2024 में खनन दोबारा शुरू होने के बाद यह परियोजना में मिला सबसे बड़ा जेम क्वालिटी हीरा है। इससे दो महीने पहले मिले 13.16 कैरेट के हीरे का रिकॉर्ड टूट गया है। जुलाई में इसी परियोजना में 13.16 कैरेट का जेम क्वालिटी हीरा मिला था। उस समय यह मार्च 2024 के बाद परियोजना में मिला सबसे बड़ा जेम श्रेणी का हीरा था।

महिला कर्मचारी से फोन पर अमर्यादित वार्ता पर चाकघाट सीएमओ सस्पेंड

रीवा। रीवा के चाकघाट नगर परिषद के प्रभारी सीएमओ शंखधर पांडेय को महिला कर्मचारी से फोन पर अमर्यादित और अशोभनीय बातचीत के मामले में निलंबित कर दिया गया है। रीवा संभाग के कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह ने बुधवार को निलंबन के आदेश जारी किए। इससे एक दिन पहले मंगलवार को महिला कर्मचारी कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के पास शिकायत लेकर पहुंची थी। कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम ने मामले की जांच की, जिसमें शिकायत प्रथम दृष्टया सही पाई गई। मामले से जुड़ा एक ऑडियो भी सामने आया है।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
गुरुवार 17 सितंबर 2026

लिखें, पढ़ें, व्यवहार में लाएं, हिंदी का हम मान बढ़ाएं : मृगेंद्र श्रीवास्तव

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

स्थानीय विचारपुर स्थित वेलवेदर इंटरनेशनल स्कूल में हिंदी दिवस पर विविध कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। उक्त आशय की जानकारी देते हुए संस्था की प्राचार्य जेनिस तिवारी ने बताया कि राष्ट्रीय हिंदी दिवस पर हिंदी के सम्मान में एवं छात्रों को हिंदी और उसकी साहित्यिक संपदा का ज्ञान कराने के उद्देश्य से हिंदी सप्ताह अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन बालक बालिकाओं के बीच किया गया। जिसमें कविता पाठ ,वाद विवाद ,कथा कथन ,भाषण, सुलेखन ,अंताक्षरी चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिताएं शामिल हैं। समस्त बालकों ने उक्त आयोजन में अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या, बुद्धि एवं विवेक की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती का पूजन करते हुए अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। प्रार्थना उपरांत अतिथि परिचय एवं प्राचार्य द्वारा प्रस्तावित उद्बोधन उपरांत कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित शिक्षाविद एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार मृगेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने हिंदी दिवस के विशेष आयोजन पर हिंदी के महत्व, अपार शब्द भंडार एवं साहित्यिक संपदा ,उसकी वर्तमान स्थिति एवं भावी संभावनाओं के साथ स्वभाषा स्वाभिमान से जोड़ते हुए अधिकाधिक प्रयोग का आग्रह किया। आपने विविध कविताओं, उदाहरणों एवं तथ्यों के माध्यम से बालक बालिकाओं को नवीन जानकारी से लाभान्वित करते हुए उनके मन में हिंदी के प्रति जिज्ञासा ,सम्मान एवं अपनेपन का भाव उत्पन्न किया। आपने अपने वक्तव्य के दौरान छात्र-छात्राओं से संवाद स्थापित कर हिंदी और भारतीयता से संबंधित प्रश्नोत्तरी करते हुए जहाँ उनकी बौद्धिक क्षमता का परीक्षण किया वहीं उनकी अंतर्निहित प्रतिभा को उजागर करने का भी प्रयास किया। आपने अपनी स्वरचित काव्य पंक्तियों के माध्यम से भी हिंदी के महत्व को प्रतिपादित करते हुए उसकी राष्ट्रीय एकता निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका ,शब्द सामर्थ्य एवं अपार साहित्यिक संपदा का भी परिचय कराया।

हिंदी के नामचीन रचनाकारों का जिक्र करते हुए भैया बहनों को काव्य सृजन के साथ हिंदी की विविध विधाओं में अपने विचारों की अभिव्यक्ति करने का भी आग्रह किया। आपने कहा हमें सभी भाषा का सम्मान करना चाहिए किंतु अपनी भाषा के प्रचार प्रसार के लिए ,उसके उत्थान के लिए ,उसके सम्मान के लिए अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है । भारत में 14 सितंबर को राष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाया जाता है वहीं 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाते हैं।

आज पूरे विश्व में जहाँ हिंदी और हिंदुस्थान के चाहने वालों की संख्या बढ़ रही है वहीं इसे राजभाषा से राष्ट्रभाषा बनाने के लिए भी सतत प्रयास हिंदीप्रेमियों द्वारा किए जा रहे हैं। विश्वास है इसमें शीघ्र सफलता मिलेगी। क्योंकि देव वाणी संस्कृत से उत्पन्न समस्त भाषाओं में हिंदी सबसे बड़ी है और यह राष्ट्रीय एकता की प्रबल कड़ी भी है। संस्था प्रधान द्वारा मृगेंद्र श्रीवास्तव को शाल ,श्रीफल, तुलसी का पौधा एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। उनके प्रति विनम्र कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए भविष्य में बालक बालिकाओं के सतत मार्गदर्शन की अपेक्षा व्यक्त की गई। संस्था की प्राचार्या जेनिस तिवारी एवं अतिथि विद्वान मृगेंद्र श्रीवास्तव द्वारा निर्णायक के रूप में प्रतियोगिताओं की प्रविष्टियों का मूल्यांकन करते हुए छात्रों के प्रयास की सराहना की गई एवं उन्हें पुरस्कृत किया गया। बालक बालिकाओं को हिंदी के अधिकाधिक उपयोग करने (पढ़ने ,लिखने ,बोलने के लिए) की शपथ भी दिलाई गई। संपूर्ण आयोजन में अधिक सांख्य में उनके शिक्षक भी उपस्थित थे ,जिन्होंने आयोजन का भरपूर आनंद लिया।

आयोजन पर संस्था के निर्देशक सफदर हुसैन बोहरा जी,प्रबन्ध निर्देशक फातिमा बोहरा जी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की है। मिनी ब्राजील के नाम से सुविख्यात विचारपुर में स्थित वेलवेदर इंटरनेशनल स्कूल द्वारा छात्रों की उन्नति के लिए किये जा रहे प्रयास सराहनीय हैं, जिसकी चर्चा अभिभावकों में काफी हो रही है। कार्यक्रम का शानदार एवं सफल संचालन रचना मिश्रा एवं कुमारी प्रियांशी असवानी ने किया। राष्ट्रगान के साथ आयोजन संपन्न हुआ।

हमें तो अपनों ने लूटा गैरों में कहां दम था, मामला सोहागपुर का

नौकरी दिलाने के नाम पर 2.17 लाख लेने का आरोप, 10-11 माह बाद भी न नौकरी मिली न रकम वापस; एसपी से एफआईआर की मांग

शहडोल (स्वतंत्रमत)। नौकरी दिलाने के नाम पर एक युवती से कथित तौर पर 2 लाख 17 हजार 708 रुपये ऑनलाइन लेने और करीब 10-11 माह बाद भी नौकरी नहीं लगवाने तथा रकम वापस नहीं करने का मामला सामने आया है। ग्राम बिजौरी निवासी लक्ष्मी यादव ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच एवं कार्यवाही की मांग की है। शिकायत के अनुसार, करीब 10 माह पूर्व लक्ष्मी यादव की परिचित कल्पना कुशवाहा, निवासी वार्ड क्रमांक 04, सोहागपुर ने उसकी मुलाकात अंकित कुशवाहा से कराई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसे भरोसा दिलाया गया कि संबंधित व्यक्ति कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से उसकी नौकरी लगवा देगा। इसके बाद नौकरी लगवाने के नाम पर अलग-अलग माध्यमों से रकम ऑनलाइन ट्रांसफर कराई गई।

कर्ज लेकर जमा की रकम- शिकायतकर्ता के मुताबिक उसने नौकरी की उम्मीद में कर्ज लेकर कुल 2,17,708 ऑनलाइन ट्रांसफर किए। आवेदन में अंकित कुशवाहा से संबंधित यूपीआई आईडी तथा कल्पना कुशवाहा के खाते से जुड़े लेनदेन का विवरण भी पुलिस को उपलब्ध कराने की बात कही गई है। शिकायतकर्ता ने अपने आवेदन के साथ बैंक ट्रांजैक्शन, व्हाट्सऐप चैट और कॉल रिकॉर्डिंग जैसे डिजिटल साक्ष्य उपलब्ध होने का दावा किया है।

वादा 6-7 माह का, बीत गए करीब 10-11 माह

लक्ष्मी यादव का कहना है कि उसे करीब 6-7 माह के भीतर नौकरी लगवाने का भरोसा दिया गया था, लेकिन निर्धारित अवधि गुजरने के बाद भी नौकरी नहीं लगी। इसके बाद उसने अपनी रकम वापस मांगनी शुरू की। शिकायत के अनुसार, रकम वापस मांगने पर कथित तौर पर फोन कॉल और संदेशों का जवाब नहीं दिया गया।

परिजनों पर भी लगाए आरोप

आवेदन में शिकायतकर्ता ने कल्पना कुशवाहा के पिता कपिल कुशवाहा, जो पेशे से अधिवक्ता बताए गए हैं, को लेकर भी आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि जब उसने रकम वापस मांगी तो उसे अपनी बेटी को मानसिक तनाव नहीं देने की बात कही गई। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि उसे कथित रूप से दबाव और धमकी जैसी स्थिति का सामना करना पड़ा। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

गरीब परिवार और कर्ज का हवाला

लक्ष्मी यादव ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि वह आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से है और नौकरी की उम्मीद में उसने कर्ज लेकर रकम जुटाई थी। रकम वापस नहीं मिलने और कर्ज पर ब्याज बढ़ने के कारण वह तथा उसकी माता मानसिक परेशानी से गुजर रहे हैं।

साइबर सेल से जांच और रकम सुरक्षित कराने की मांग

शिकायतकर्ता ने पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कर बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करने, डिजिटल एवं बैंकिंग साक्ष्यों की जांच कराने तथा साइबर सेल के माध्यम से संबंधित खातों में हुए लेनदेन की पड़ताल करने की मांग की है। साथ ही आवेदन में संबंधित बैंक खातों को नियमानुसार सुरक्षित/फ्रीज कराने की कार्यवाही की मांग भी की गई है, ताकि कथित रूप से ठगी गई राशि की बरामदगी की संभावना बनी रहे।

अतिथि शिक्षक नियुक्ति के नाम पर पांच हजार रुपये लेने का आरोप

ब्यौहारी बीईओ के खिलाफ कलेक्टर से हुई शिकायत

ब्यौहारी (स्वतंत्रमत)। विकासखंड शिक्षा कार्यालय ब्यौहारी में अतिथि शिक्षक नियुक्ति को लेकर एक शिकायत सामने आई है। ग्राम धारी नंबर-1 निवासी चन्द्रिका प्रसाद द्विवेदी ने कलेक्टर को आवेदन देकर विकासखंड शिक्षा अधिकारी ब्रह्मानंद श्रीवास्तव पर अतिथि शिक्षक के रूप में नियुक्ति कराने के नाम पर पांच हजार रुपये लेने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, वह पूर्व में कई वर्षों तक अतिथि शिक्षक के रूप में कार्य कर चुके हैं। उनका दावा है कि सत्र 2024-25 में पद उपलब्ध होने के बावजूद उनकी नियुक्ति नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने नियुक्ति के संबंध में बीईओ कार्यालय में संपर्क किया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इसी दौरान उनसे पांच हजार रुपये की मांग की गई। चन्द्रिका प्रसाद का कहना है कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद उन्होंने गेहूं बेचकर कथित रूप से पांच हजार रुपये दिए। आरोप है कि राशि लेने के बाद उन्हें नियुक्ति कराने का आश्वासन दिया गया, लेकिन नियुक्ति नहीं हुई। शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया है कि बीईओ द्वारा कुछ शिक्षकों को फोन कर उन्हें रखने की बात कही गई थी। शिकायत में आगे आरोप लगाया गया है कि जब उन्होंने अपनी रकम वापस मांगी तो राशि वापस नहीं की गई और उनके साथ कथित रूप से गाली-गलौज की गई।

शिकायतकर्ता ने बीईओ कार्यालय के कुछ कर्मचारियों को मामले का साक्षी बताते हुए पूरे प्रकरण की जांच कराने की मांग की है। चन्द्रिका प्रसाद ने कलेक्टर से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी पाए जाने पर कार्यवाही करने तथा पांच हजार रुपये वापस दिलाने की मांग की है।

अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग की बड़ी कार्यवाही

शहडोल (स्वतंत्रमत)। सागर जिले में जहरीली शराब से हुई घटना के बाद जिले में अवैध मदिरा के धारण, विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण के खिलाफ आबकारी विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 9 से 15 सितंबर तक जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार कार्यवाही करते हुए बड़ी मात्रा में अवैध शराब एवं महुआ लाहन जब्त किया गया। कलेक्टर पार्थ जायसवाल के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी सावित्री भगत के मार्गदर्शन में धनौरा, बैरिया, झिरिया, केशवाही, बिछिया, सेमरा, जयसिंहनगर, बुढार, जैतपुर एवं ब्यौहारी क्षेत्र में प्राप्त सूचनाओं के आधार पर आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने विधिवत तलाशी कार्यवाही की। कार्यवाही के दौरान पंचों के समक्ष 15 पाव देशी मदिरा प्लेन, 2 पाव विदेशी मदिरा, 12 केन बीयर, 231 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची मदिरा तथा 1625 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया गया।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर पुलिस की विशेष मुहिम

नियम विरुद्ध संचालित 10 ऑटो जब्त, क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने पर कार्यवाही

शहडोल (स्वतंत्रमत)। निर्धारित क्षमता से कई गुना अधिक स्कूली बच्चों को ऑटो में बैठाकर परिवहन किए जाने की खबर को पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने गंभीरता से लिया है। उनके निर्देश पर यातायात पुलिस ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नियम विरुद्ध संचालित ऑटो वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। थाना अमलाई क्षेत्र अंतर्गत एनएच-43 पर निर्धारित क्षमता से अधिक स्कूली बच्चों को बैठाकर संचालित किए जा रहे ऑटो के संबंध में कार्यवाही करते हुए अमलाई पुलिस ने चालक भोला सिंह पिता चंद्र कुमार सिंह गोंड, निवासी बिछिया, थाना अमलाई के ऑटो को जब्त किया है। मामले में नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष अभियान के दौरान ऑटो वाहनों की जांच की गई। इस दौरान निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी बैठाने, रजिस्ट्रेशन, परमिट, फिटनेस, पीयूसी, ड्राइविंग लाइसेंस सहित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान नियम विरुद्ध संचालित कुल 10 ऑटो वाहन जब्त किए गए।

पुलिस ने ऑटो चालकों और वाहन संचालकों को निर्धारित क्षमता के अनुरूप ही सवारी बैठाने, वाहनों के सभी आवश्यक दस्तावेज वैध रखने तथा स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। शहडोल पुलिस के अनुसार यातायात नियमों के उल्लंघन और स्कूली बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले ऑटो सहित अन्य वाहनों के खिलाफ भी आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

सीईआरसी प्रतिनिधिमंडल ने किया एनटीपीसी विंध्याचल का दौरा

सिंगरौली (स्वतंत्रमत)

केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (ष्टश्वक्रष्ट) के चेयरपर्सन श्री जिष्णु बरुआ एवं सचिव श्री हरप्रीत सिंह प्रूथी ने 12 एवं 13 सितंबर 2026 को एनटीपीसी विंध्याचल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विद्युत उत्पादन के साथ-साथ स्टेशन द्वारा किए जा रहे तकनीकी नवाचार, सतत विकास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के कार्यों का अवलोकन किया।

सीईआरसी प्रतिनिधिमंडल ने एनटीपीसी विंध्याचल के व्यू प्वाइंट, स्टेज- कंट्रोल रूम तथा कार्बन-टू-मेथनॉल सुविधा का भ्रमण किया। स्टेज-ढ्ढढ्ढ कंट्रोल रूम में उन्होंने युवा अभियंताओं से संवाद कर उनके कार्यों एवं अनुभवों की जानकारी ली। कार्बन-टू-मेथनॉल परियोजना में किए जा रहे नवाचार एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को भी प्रतिनिधिमंडल ने सराहा।

इस अवसर पर आयोजित एसएमसी बैठक में एनटीपीसी विंध्याचल की प्रमुख उपलब्धियों, उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों, सतत राख उपयोग, राख प्रबंधन से जुड़ी चुनौतियों, सीएसआर गतिविधियों तथा स्टेशन द्वारा प्राप्त विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कारों एवं सम्मानों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में श्री

किशोर कुमार होता, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) एवं श्रीमती रूमा दे शर्मा, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। दौरे के दौरान सीईआरसी नेतृत्व ने एनटीपीसी विंध्याचल की सीएसआर पहलों के अंतर्गत किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों में भी सहभागिता की। 13 सितंबर 2026 को श्री जिष्णु बरुआ एवं श्री हरप्रीत सिंह प्रूथी, श्री किशोर कुमार होता, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) एवं श्रीमती रूमा दे शर्मा, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) की उपस्थिति में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (ष्ठष्ठक्रष्ट) एवं ओपन शेल्टर होम पहुंचे। यहां जरूरतमंद लाभार्थियों को श्रवण यंत्र, मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर एवं स्टेशनरी किट वितरित किए गए।

इसी क्रम में सूर्य भवन गेस्ट हाउस में कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास, बलियरी की छात्राओं को साइकिल वितरित की गई। इस पहल से छात्राओं को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ उनकी शिक्षा तक पहुंच को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

एनटीपीसी विंध्याचल की ये पहलें यह दर्शाती हैं कि ऊर्जा उत्पादन के साथ समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना भी संस्थान की प्राथमिकताओं में शामिल है। सीईआरसी नेतृत्व का दौरा विंध्याचल की तकनीकी क्षमता, नवाचार, पर्यावरणीय प्रतिबद्धता एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता का परिचायक रहा।

एनसीएल में आज से 2 अक्तूबर, 2026 तक चलेगा स्वच्छता ही सेवा अभियान

सिंगरौली। स्थित भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान च्स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारतज्ञ के संकल्प के साथ आज (17 सितम्बर) से 2 अक्तूबर, 2026 तक मनाया जाएगा। इस अभियान के तहत एनसीएल मुख्यालय सहित सभी परियोजना एवं इकाइयों में वृहद स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। एनसीएल में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान की शुरुआत च्स्वच्छता शपथज्ञ के साथ की जाएगी। इस अभियान के तहत एनसीएल मुख्यालय सहित सभी परियोजना एवं इकाइयों द्वारा स्वच्छता संबंधी जन जागरूकता अभियान, सार्वजनिक स्थानों की साफ-सफाई, सफाई के लिए गंदी जगहों की पहचान व सफ़ाई, स्वच्छ पाठशाला का आयोजन, च्स्वच्छता ज्ञान यात्राज्ञ के ज़रिए स्कूली छात्रों और युवाओं को शामिल और जागरूक करना, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और सफ़ाई मित्र सुरक्षा और सम्मान शिविर के तहत सफ़ाई मित्रों/सफ़ाई कर्मचारियों के लिए सिंगल-विंडो कैंप का आयोजन, कल्याणकारी योजनाओं का लाभ, स्वास्थ्य जाँच, पीपीई किट वितरण और सुरक्षा/कल्याण के अन्य उपाय, स्वच्छता के लिए त्योहार), घर-घर जाकर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

सतना में बिजली विभाग की गुंडागर्दी

बिल जमा होने के बाद भी रिटायर्ड बुजुर्ग का कनेक्शन काटा

हेल्पलाइन शिकायत वापस लेने का बना रहे दबाव

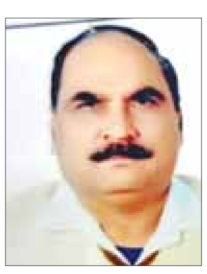

सतना (स्वतंत्रमत)। सिविल लाइन के सुमित बाजार के सामने चर्च के पीछे वार्ड नंबर 29 पते री में बिजली विभाग की मनमानी चरम पर है। एक रिटायर्ड बुजुर्ग ने आरोप लगाया है कि बिल जमा होने के बावजूद पुराना पावर हाउस में पदस्थ कर्मचारियों ने द्वेषभावना से उसका घर का कनेक्शन काट दिया और अब झूठे केस में फंसाने की धमकी दे रहे हैं।

पीड़ित का आरोप-पीड़ित रमेश कुमार तिवारी ने सिविल लाइन थाने में दी शिकायत में बताया कि उसके घर का कनेक्शन पत्नी उर्मिला देवी के नाम पर है। 8 सितंबर को बिल जमा करने के बाद भी 11 सितंबर को विभाग ने बिना नोटिस कनेक्शन काट दिया।

परिवार अंधेरे में रहने को मजबूर-इस घटना से बुजुर्ग का पूरा परिवार अंधेरे और भीषण गर्मी में रहने को मजबूर है। पीड़ित ने थाने से बिजली विभाग के दोषी अधिकारियों पर केश दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

बेटे पर झूठा केस-पीड़ित का आरोप है कि उसका बेटा सुनील तिवारी किराए की दुकान चलाता है जिसका मीटर अतुल शुक्ला के नाम पर है। इसी को आधार बनाकर विभाग ने उसके बेटे पर झूठा केस बना दिया है। जब उसने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की तो विभाग के कर्मचारी शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बना रहे हैं और रिश्वत की मांग कर रहे हैं।

अधिकारी से मिलते ही चालू हुई बिजली-बताया जाता है कि बिजली का कनेक्शन जब चालू किया गया जब फरियादी ने विद्युत मंडल के अधिकारी इमरार से मिले तो देर रात बिजली चालू कर दी गई।

सतना में ब्रांड के नाम पर जहर, विदेशी बोतलों में मौत का धंधा

मास्टरमाइंड सहित दो सलाखों के पीछे

सतना (स्वतंत्रमत)। विदेशी बोतल चमकता हुआ लेबल हजारों की कीमत और अंदर मौत। जी हां अगर आप भी फोन पर ऑर्डर देकर घर बैठे महंगी शराब मंगाने के शौकीन हैं तो यह खबर आपके होश उड़ा देगी। सतना में आबकारी विभाग ने एक ऐसे शैतानी सिंडिकेट को बेनकाब किया है जो ब्रांड के नाम पर लोगों को जहर पिला रहा था।

खाली बोतल में केमिकल का खेल-पर्दाफाश हुआ यह गिरोह विदेशी ब्रांड मंकी शोल्डर और रेड लेबल की खाली बोतलों को कबाड़ से इकट्ठा करता था। फिर उसमें सस्ता अपमिश्रित और जहरीला केमिकल भरकर सील पैक कर देता था। देखने पर असली और नकली में फर्क करना नामुमकिन था। यह शराब नहीं सीधे.सीधे मौत की खेप थी जो सतना के रईसजादों और शौकीनों को हजारों में बेची जा रही थी।

कलेक्टर सतीश कुमार एस संभागीय उड़नदस्ता रीवा के उपायुक्त माधव सिंह भदौरिया और सहायक आबकारी आयुक्त सुरेन्द्र कुमार उरांव ने इस मौत के सौदागरों को खत्म करने का सख्त आदेश दिया। इसके बाद आबकारी वृत्त.1 के उप निरीक्षक आशीष वाटिया ने अपनी टीम के साथ ताना.बाना बुनना शुरू किया।

व्हाइट कॉलर अपराधी की तरह काम करता था मास्टरमाइंड-इस पूरे नेटवर्क का सरगना है घूरडांग निवासी जितेन्द्र कुमार साहू उर्फ रवि । पुलिस सूत्रों के मुताबिक रवि खुद को बिजनेसमैन दिखाता था। वह कभी ग्राहक के सामने नहीं आता। सिर्फ वॉट्सऐप.कॉल पर डील लोकेशन भेजो और एक.दो बोतल की डिलीवरी। पुलिस से बचने का फुलप्लान . ताकि पकड़ा भी जाए तो कम मात्रा का केस बने और जमानत मिल जाए। लेकिन इस बार उसका यह शातिर दिमाग फेल हो गया।

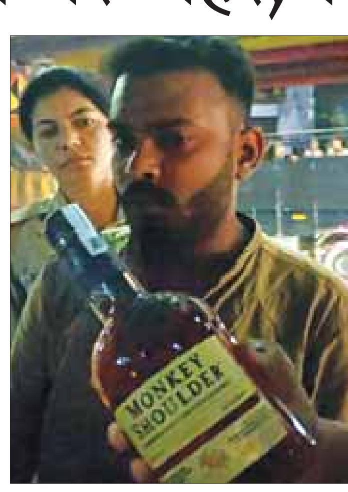

स्टिंग ऑपरेशन ग्राहक बनकर पहुंची आबकारी टीम-मुखबिर से पुख्ता सूचना मिलते ही आशीष वाटिया ने फिल्मी स्टाइल में जाल बिछाया। एक जवान को नकली ग्राहक बनाया गया। 14 सितंबर की रात सिमरिया चौक के पास हैदराबादी बिरयानी सेंटर पर डिलीवरी का वक्त तय हुआ। जैसे ही एजेंट सुनील कुशवाहा मंकी शोल्डर की बोतल लेकर पहुंचा और कैश लेने लगा सादे कपड़ों में घात लगाए उप निरीक्षक संजय साकेत और टीम ने उसे दबोच लिया। बोतल खोली तो उड़े होश तेल जैसा जहर तैर रहा था। जब्त बोतल को जब प्रयोग के तौर पर खोला गया तो अधिकारी भी सन्न रह गए। शराब में सफेद.पीले सूक्ष्म कण और तेल जैसी चिकनाई तैर रही थी। तेज केमिकल की गंध ने साफ कर दिया कि इसे पीने वाला सीधे अस्पताल या श्मशान पहुंचेगा। यह लापरवाही नहीं लोगों की जान से खुला खिलवाड़ था। एक बोतल भी अगर किसी पार्टी में परोसी जाती तो सतना में जहरीली शराब कांड हो जाता।

रात 2 बजे मास्टरमाइंड के घर रेड-सुनील की निशानदेही पर टीम ने उसी रात मास्टरमाइंड रवि के अड्डे पर छापा मारा। पुलिस के आने की भनक लगते ही उसने अपना फोन और स्टॉक किसी दूसरी जगह ठिकाने लगा दिया लेकिन आबकारी की घेराबंदी से बच नहीं पाया। उसे घूरडांग से ही गिरफ्तार कर लिया गया।

अब नहीं मिलेगी जमानत सीधे जेल- आबकारी विभाग ने दोनों के खिलाफ सिर्फ आबकारी एक्ट की सामान्य धारा नहीं बल्कि सबसे खतरनाक और गैर.जमानती धारा 49; अपमिश्रित मदिरा जो मानव जीवन के लिए घातक हो के तहत अपराध क्र.374.26 दर्ज किया है।

इसके साथ धारा 34;1 भी लगाई गई है। सोमवार को न्यायालय ने दोनों आरोपियों को जमानत देने से इंकार करते हुए सीधे जेल भेज दिया है। जब्त माल को एफएसएल भेजा गया है रिपोर्ट आने पर और धाराएं बढ़ सकती हैं।

इस पूरी कार्रवाई में उप निरीक्षक निलेश गुप्ता मुख्य आरक्षक राजकरण त्रिपाठी मंगलदीन कोल शंकर दयाल प्रजापति आरक्षक आशुतोष तिवारी और अमृता उरमलिया की बड़ी भूमिका रही। आबकारी विभाग ने चेतावनी दी है सतना में ब्रांड के नाम पर जहर बेचने वालों का यही हश्र होगा।

आवाज कैसे पैदा होती है और हमारे कानों तक कैसे पहुंचती है?

हम रोज बोलते हैं, घंटी सुनते हैं, संगीत का आनंद लेते हैं और पक्षियों की आवाज पहचानते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आवाज पैदा कैसे होती है और हमारे कानों तक पहुंचकर हमें सुनाई कैसे देती है? इसका पूरा सफर कंपन, ध्वनि तरंगों और कान की जटिल संरचना से जुड़ा है।

कंपन से पैदा होती है ध्वनि

ध्वनि का मूल कारण कंपन है। जब कोई वस्तु तेजी से आगे-पीछे कंपन करती है, तो उसके आसपास के माध्यम में हलचल पैदा होती है। जैसे ढोल को पीटने पर उसकी झिल्ली कंपन करती है और घंटी बजाने पर उसमें कंपन उत्पन्न होता है। यही कंपन आसपास के माध्यम में ध्वनि तरंगें पैदा करता है।

हवा के कणों से आगे बढ़ती हैं तरंगें

ध्वनि को एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए माध्यम की आवश्यकता होती है। यह माध्यम हवा, पानी या कोई ठोस पदार्थ हो सकता है। कंपन करने वाली वस्तु आसपास के हवा के कणों को आगे-पीछे धकेलती है। इससे कहीं कण पास आते हैं, जिसे संकुचन, और कहीं दूर जाते हैं, जिसे विरलीकरण कहते हैं। इस प्रकार ध्वनि तरंग आगे बढ़ती है। ध्वनि निर्वात में यात्रा नहीं कर सकती।

मानव आवाज कैसे बनती है?

मनुष्य के शरीर में आवाज बनाने की प्रक्रिया भी कंपन पर आधारित है। फेफड़ों से बाहर निकलने वाली हवा गले में स्थित स्वर-तंतुओं से होकर गुजरती है। हवा के प्रभाव से स्वर-तंतुओं में कंपन होता है और ध्वनि उत्पन्न होती है। जीभ, होंठ और मुंह की अन्य संरचनाएं इस ध्वनि को अलग-अलग शब्दों और आवाजों का रूप देती हैं।

कान से मस्तिष्क तक पहुंचता है संदेश

ध्वनि तरंगें बाहरी कान से होकर कान के पर्दे तक पहुंचती हैं। तरंगों के कारण कान का पर्दा कंपन करने लगता है। कान के भीतर मौजूद छोटी-छोटी हड्डियां इन कंपनों को आगे पहुंचाती हैं। इसके बाद कॉक्लीया इन कंपन को तंत्रिका संकेतों में बदलता है। श्रवण तंत्रिका इन संकेतों को मस्तिष्क तक पहुंचाती है और मस्तिष्क उनकी व्याख्या करके हमें ध्वनि सुनने का अनुभव कराता है।

परीक्षा के लिए याद रखें

ध्वनि का यह सफर विज्ञान की एक रोचक प्रक्रिया है। इसे समझने से विद्यार्थियों को ध्वनि के साथ-साथ कंपन, तरंग, माध्यम और मानव श्रवण तंत्र जैसे महत्वपूर्ण वैज्ञानिक कॉन्सेप्ट को समझने में भी मदद मिलती है।

कान के तीन भाग

1 **बाह्य कान** – ध्वनि तरंगों को एकत्र कर कान के पर्दे तक पहुंचाता है।

2 **मध्य कान** – कान का पर्दा कंपन करता है और तीन छोटी अस्थियां कंपनों को आगे पहुंचाती हैं।

3 **आंतरिक कान** – कॉक्लीया कंपन को विद्युत/तंत्रिका संकेतों में बदलता है, जिन्हें श्रवण तंत्रिका मस्तिष्क तक पहुंचाती है।

जेनेटिक इंजीनियरिंग: विज्ञान की नई संभावनाएं

क्या किसी जीव के गुणों में बदलाव किया जा सकता है? क्या फसलों को अधिक रोग प्रतिरोधी बनाया जा सकता है? क्या किसी आनुवंशिक बीमारी के इलाज का रास्ता जीन में छिपा हो सकता है? इन सवालों के जवाब खोजने में जेनेटिक इंजीनियरिंग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह आधुनिक विज्ञान की वह तकनीक है, जिसमें किसी जीव के डीएनए या जीन में वैज्ञानिक तरीके से बदलाव किया जाता है।

जीन क्या होते हैं?

जीन हमारे शरीर की आनुवंशिक जानकारी की मूल इकाइयां हैं। ये डीएनए का हिस्सा होते हैं और शरीर के विभिन्न गुणों तथा कार्यों से जुड़ी जानकारी रखते हैं। माता-पिता से संतानों में कई विशेषताएं जीन के माध्यम से पहुंचती हैं।

जेनेटिक इंजीनियरिंग कैसे काम करती है?

इस तकनीक में वैज्ञानिक किसी विशेष जीन की पहचान करके उसे अलग कर सकते हैं, उसमें बदलाव कर सकते हैं या आवश्यक जीन को किसी कोशिका में शामिल कर सकते हैं। इसके लिए आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी की विभिन्न तकनीकों का उपयोग किया जाता है। क्रिसपर एंड केस 9 जैसी जीन-संपादन तकनीक ने इस क्षेत्र की संभावनाओं को और बढ़ाया है।

चिकित्सा में उपयोग

जेनेटिक इंजीनियरिंग का उपयोग दवाओं और वैक्सीन के विकास, कुछ आनुवंशिक रोगों के अध्ययन तथा उपचार की नई संभावनाएं तलाशने में हो रहा है। इंसुलिन जैसे कुछ महत्वपूर्ण जैव-

चिकित्सकीय उत्पादों के निर्माण में भी आनुवंशिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है।

कृषि में बढ़ती भूमिका

कृषि के क्षेत्र में जेनेटिक इंजीनियरिंग के माध्यम से ऐसी फसलें विकसित करने का प्रयास किया जाता है, जिनमें कीट या रोग प्रतिरोधक क्षमता, बेहतर पोषण या अन्य उपयोगी गुण हों। इससे कृषि उत्पादन और खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने में मदद मिल सकती है।

भविष्य की संभावनाएं और चुनौतियां

जेनेटिक इंजीनियरिंग में चिकित्सा, कृषि और उद्योग के क्षेत्र में बड़ी संभावनाएं हैं। हालांकि, जीन में बदलाव से जुड़े नैतिक, पर्यावरणीय और सुरक्षा संबंधी प्रश्नों पर भी गंभीरता से विचार करना जरूरी है। इसलिए इसका उपयोग वैज्ञानिक नियमों और जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए।

जानिए जरूरी तथ्य

- डीएनए आनुवंशिक जानकारी प्रमुख वाहक है।
- जीन, डीएनए का एक कार्यात्मक भाग होता है।
- जेनेटिक इंजीनियरिंग में आनुवंशिक पदार्थ में लक्षित बदलाव किए जा सकते हैं।
- क्रिसपर एंड केस 9 जीन संपादन की एक आधुनिक तकनीक है।
- इंसुलिन के जैव-प्रौद्योगिकीय उत्पादन में आनुवंशिक तकनीकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

परीक्षा में पूछे जा सकते हैं

1 जीन क्या है?

उत्तर – आनुवंशिक जानकारी की मूल इकाई, जो डीएनए का एक कार्यात्मक भाग होती है।

2 जेनेटिक इंजीनियरिंग क्या है?

उत्तर – जीव के डीएनए या जीन में वैज्ञानिक तकनीकों द्वारा लक्षित बदलाव करने की प्रक्रिया जेनेटिक इंजीनियरिंग कहलाती है।

3. क्रिसपर एंड केस 9 क्या है?

उत्तर– क्रिसपर एंड केस 9 जीन संपादन के लिए उपयोग की जाने वाली आधुनिक तकनीक है।

करियर कनेक्शन

जेनेटिक इंजीनियरिंग से जुड़े क्षेत्रों में बायोटेक्नोलॉजी, जेनेटिक्स, माइक्रोबायोलॉजी, बायोइन्फॉर्मेटिक्स और मेडिकल रिसर्च में करियर की संभावनाएं हैं। 12वीं के बाद विज्ञान विषय लेकर विद्यार्थी आगे बीएससी बायोटेक्नालॉजी, बीटेक बायोटेक्नालॉजी या जेनेटिक्स या संबंधित पाठ्यक्रमों की ओर बढ़ सकते हैं।

टीके कैसे करते हैं बीमारियों से बचाव?

हमारे आसपास कई ऐसे वायरस और बैक्टीरिया मौजूद होते हैं, जो विभिन्न बीमारियों का कारण बन सकते हैं। शरीर इनसे बचने के लिए अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली की मदद लेता है। टीके इसी प्रतिरक्षा प्रणाली को किसी विशेष बीमारी से लड़ने के लिए पहले से तैयार करते हैं। यही कारण है कि टीकाकरण को रोगों से बचाव का महत्वपूर्ण तरीका माना जाता है।

टीका शरीर को कैसे तैयार करता है?

टीके में रोग पैदा करने वाले सूक्ष्मजीव का कमजोर, निष्क्रिय या उसका कोई सुरक्षित हिस्सा अथवा आनुवंशिक निर्देश शामिल हो सकते हैं। इन्हें शरीर में पहुंचाने पर आमतौर पर बीमारी पैदा किए बिना प्रतिरक्षा प्रणाली सक्रिय होती है। शरीर इसे पहचानकर एंटीबॉडी और अन्य प्रतिरक्षा कोशिकाएं तैयार करता है।

बनती है रोग की 'याददाश्त'

टीकाकरण के बाद शरीर में कुछ मेमोरी सेल्स बनी रह सकती हैं। यदि भविष्य में वही रोगजनक शरीर में प्रवेश करता है, तो प्रतिरक्षा प्रणाली उसे पहले की तुलना में तेजी से पहचानकर प्रतिक्रिया देती है। इससे बीमारी होने का जोखिम या उसकी गंभीरता कम हो सकती है।

टीके क्यों हैं जरूरी?

टीकाकरण केवल व्यक्ति की सुरक्षा तक सीमित नहीं है। जब किसी समुदाय में बड़ी संख्या में लोग किसी संक्रामक रोग के खिलाफ सुरक्षित होते हैं, तो रोग के फैलने की संभावना भी कम हो सकती है। इसे

सामुदायिक प्रतिरक्षा से जोड़ा जाता है। कई गंभीर संक्रामक रोगों के नियंत्रण में टीकाकरण की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

टीकों की सुरक्षा और अनुसंधान

टीके तैयार करने से पहले उनका वैज्ञानिक परीक्षण और सुरक्षा का मूल्यांकन किया जाता है। अलग-अलग टीकों की खुराक और समय-सारणी अलग हो सकती है। इसलिए टीकाकरण के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों और सरकारी टीकाकरण कार्यक्रम की सलाह का पालन करना चाहिए।

जानिए जरूरी तथ्य

- टीके प्रतिरक्षा प्रणाली को रोगजनक की पहचान करने के लिए तैयार करते हैं।
- एंटीबॉडी रोगजनकों के खिलाफ प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का हिस्सा हैं।
- मेमोरी सेल्स भविष्य में तेज प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में मदद कर सकती हैं।
- टीकाकरण संक्रामक रोगों के प्रसार को कम करने में सहायक है।

परीक्षा में पूछे जा सकते हैं

1 टीके शरीर को बीमारी से कैसे बचाते हैं?

उत्तर – प्रतिरक्षा प्रणाली को रोगजनक की पहचान और उसके विरुद्ध प्रतिक्रिया तैयार करके टीके शरीर को बीमारी से बचाते हैं।

2 एंटीबॉडी क्या हैं?

उत्तर – प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा बनाए जाने वाले प्रोटीन, जो विशिष्ट रोगजनकों की पहचान और उनसे रक्षा में मदद करते हैं।

3 मेमोरी सेल्स का क्या महत्व है?

उत्तर – मेमोरी सेल्स पहले से पहचाने गए रोगजनक के दोबारा सामना होने पर तेज प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में मदद करती हैं।

करियर कनेक्शन

टीकों के विकास और अनुसंधान में माइक्रोबायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, इम्यूनोलॉजी, फार्मेसी और मेडिकल रिसर्च जैसे क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

विज्ञान के रोचक तथ्य

1 प्रकाश की गति लगभग 3 लाख किमी प्रति सेकंड है।

2 ध्वनि निर्वात में यात्रा नहीं कर सकती।

3 मानव शरीर में सामान्यत: 206 हड्डियां होती हैं।

4 मानव शरीर का सबसे बड़ा अंग त्वचा है।

5 मस्तिष्क शरीर की ऊर्जा का लगभग 20 प्रतिषत उपयोग करता है।

6 हृदय एक दिन में लगभग 1 लाख बार धड़क सकता है।

7 रक्त का लाल रंग हीमोग्लोबिन के कारण होता है।

8 पौधे प्रकाश संश्लेषण में कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग करते हैं। प्रकाश संश्लेषण में पौधे ऑक्सीजन छोड़ते हैं।

9 पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा लगभग 365 दिन 6 घंटे में करती है। पृथ्वी अपनी धुरी पर लगभग 24 घंटे में घूमती है।

10 चंद्रमा का अपना प्रकाश नहीं होता; वह सूर्य का प्रकाश परावर्तित करता है।

11 मंगल को लाल ग्रह कहा जाता है।

12 बिजली चमकने के दौरान हवा का तापमान बहुत तेजी से बढ़ सकता है।

13 नाइट्रोजन पृथ्वी के वायुमंडल में सबसे अधिक मात्रा में पाई जाने वाली गैस है।

14 वायुमंडल में ऑक्सीजन लगभग 21 प्रतिषत है।

15 एंटीबॉडी प्रतिरक्षा तंत्र की महत्वपूर्ण रक्षा प्रोटीन हैं।

विज्ञान और आधुनिक जीवन

सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक हमारा जीवन विज्ञान और तकनीक से जुड़ा हुआ है। बिजली, मोबाइल फोन, इंटरनेट, कंप्यूटर, वाहन, चिकित्सा उपकरण और उपग्रह जैसी सुविधाएं विज्ञान की देन हैं। विज्ञान ने न केवल जीवन को तेज और सुविधाजनक बनाया है, बल्कि प्रकृति और आसपास की समस्याओं को समझने में भी हमारी मदद की है।

चिकित्सा में विज्ञान की बड़ी भूमिका

विज्ञान की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में चिकित्सा क्षेत्र की प्रगति शामिल है। टीके, आधुनिक दवाएं, रक्त जांच, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड और आधुनिक शल्य चिकित्सा ने रोगों की पहचान और उपचार को बेहतर बनाया है। वैज्ञानिक लगातार नई दवाओं और उपचार विधियों पर शोध कर रहे हैं।

संचार में आई क्रांति

मोबाइल फोन और इंटरनेट ने दुनिया को पहले से कहीं अधिक करीब ला दिया है। वीडियो कॉल, ई-मेल और ऑनलाइन माध्यमों से कुछ ही सेकंड में दूर बैठे व्यक्ति से संपर्क किया जा सकता है। विद्यार्थियों के लिए भी ऑनलाइन अध्ययन सामग्री और डिजिटल कक्षाओं ने सीखने के नए अवसर उपलब्ध कराए हैं।

कृषि और अंतरिक्ष में नई संभावनाएं

आधुनिक कृषि उपकरण, बेहतर बीज, वैज्ञानिक सिंचाई और मिट्टी की जांच से कृषि उत्पादन बढ़ाने में मदद मिल रही है। वहीं उपग्रह और अंतरिक्ष यान मौसम की जानकारी, संचार, नेविगेशन और प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत ने भी अंतरिक्ष अनुसंधान में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

पर्यावरण संरक्षण में विज्ञान

प्रदूषण, जल संकट और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने में विज्ञान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्त्रोतों के साथ जल शुद्धिकरण, कचरा प्रबंधन और पुनर्चक्रण की तकनीकें पर्यावरण संरक्षण में सहायक हैं।

वैज्ञानिक सोच है सबसे बड़ी देन

विज्ञान हमें केवल तकनीक नहीं देता, बल्कि तार्किक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी विकसित करता है। यह हमें किसी बात को बिना प्रमाण स्वीकार करने के बजाय प्रश्न पूछने, निरीक्षण करने और तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष निकालने की प्रेरणा देता है। हालांकि विज्ञान का गलत उपयोग नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए तकनीक का इस्तेमाल मानव कल्याण, शांति और प्रकृति की सुरक्षा को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

सना परवीन
शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोविंदगंज, जबलपुर

शब्द पहेली - 8977

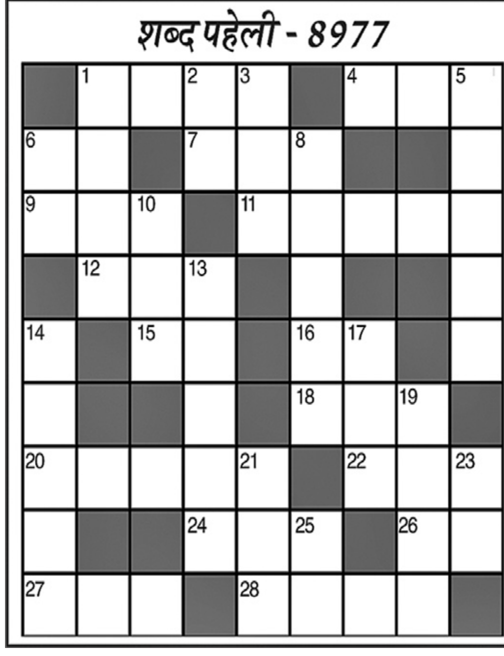

बाएँ से दाएँ

1. अचंभा, आश्चर्य-4
3. अच्छी रुचि, कलात्मक रुचि-3
6. पिता के छोटे भाई, काका-2
7. माह, मास-3
9. धावक (अंग्रेजी-3)
11. नया जीवन, उद्धार होना-5
12. लक्ष्मी, धन की देवी-3
15. बुरी आदत-2
16. पैर, पाँव-2
18. देवमुनि, देवर्षि-3
20. शिकायत करना-5
22. रनिवास-3
24. बेकार, आंवारा-3
26. छोटा टुकड़ा-2
27. अभिनय, कथा मंचन-3
28. सुगंध फैलाना-4

ऊपर से नीचे

1. सहसा, अकस्मात-4
2. एक प्रकार की शराब-2
3. प्रतिभाशाली-3
5. मननशील-5
6. चतुर्थ-2
8. नाव खेना-2,3
10. पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
13. पैर मारना-5
14. मन की इच्छा-5
17. प्रकार-3
19. टूटना, बिखरना-4
21. पराजित होना, हारना-3
23. चालीस किलो के वजन को यह भी कहते हैं-2
25. पथ, रास्ता, मार्ग-2

शब्द पहेली -8976 का हल

अ	च	क	न			आ	ब	रु
जू			व	र	दा	न		ख
बा	ल			वा	दा			सा
	ल	त		ना		म	ग	र
	का	र	ण		क	ल	फ	
ह	र	फ		आ		बा	ल	
वा			दा	वा			त	ह
ला		रा	ह	ज	नी			व
त	मी	ज			र	स	खा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

पीड़ित परिवार की मदद के लिए प्रशासन आया आगे

भीषण आगजनी, संयुक्त परिवार का आशियाना जलकर खाक, 4 घायल, 20 लाख का नुकसान

कटंगी (स्वतंत्रमत)

तिरोड़ी तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत महकेपार में 15 सितंबर की सुबह करीब 7 बजे भीषण आगजनी की घटना ने दो सगे भाइयों के परिवार को तबाह कर दिया। नारायण कोटेकार के संयुक्त परिवार के आवास में अज्ञात कारणों से लगी आग में सबकुछ जलकर राख हो गया, वहीं परिवार के 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार आगजनी की यह वारदात ईशु कोटेकार और शिवराम कोटेकार के घर में हुई। दोनों सगे भाई हैं। ईशु कोटेकार घर पर ही बर्तन की दुकान संचालित करते थे, जबकि शिवराम कोटेकार प्लास्टिक दुकान चलाते हैं। सुबह जब परिवार के अधिकांश सदस्य नींद में थे, तभी अचानक घर में आग भड़क गई। देखते ही देखते आग ने पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भयावह थी कि घर में रखी खाने-पीने की सामग्री, ओढ़ने-बिछाने के कपड़े, बिस्तर, बर्तन, नगदी रकम, सोने-चांदी के जेवर, टीवी, फ्रिज, कूलर सहित सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और दुकान का पूरा सामान जलकर नष्ट हो गया। प्रारंभिक तौर पर करीब 20 लाख रुपये की क्षति का अनुमान लगाया गया है। इस हादसे में ईशु कोटेकार की पुत्री और शिवराम की पुत्री तेजस्विनी व अंकिता गंभीर रूप से घायल हुई हैं, जिन्हें आंखों के सामने धुंधलापन की शिकायत है। वहीं शिवराम कोटेकार का पैर जल गया है और धुएं के कारण फेफड़ों में इंफेक्शन फैल गया है। सभी घायलों को भंडारा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। घटना के दूसरे दिन 16 सितंबर बुधवार को एसडीएम विजय यादव के निर्देश पर तिरोड़ी तहसीलदार गीता राहंगडाले दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं। उन्होंने मौके पर पहुंचकर नुकसान का जायजा लिया। निरीक्षण में पाया गया कि आवासीय मकान अज्ञात कारणों से लगी आग में पूर्णतः क्षतिग्रस्त हो गया है, जिसमें खाद्यान्न सामग्री, बिस्तर, कपड़े सहित समस्त गृह सामग्री जलकर नष्ट हो गई। इस दौरान सरपंच युवचंद सोनवाने, जनपद सदस्य विनोद पंचभाई, तिरोड़ी भाजपा मंडल अध्यक्ष योगेश सोनवाने सहित ग्रामीणजन मौजूद रहे। तहसीलदार राहंगडाले ने बताया कि राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधानों के तहत तत्काल राहत के रूप में पीड़ित परिवार को 50 किलो खाद्यान्न प्रदान किया गया है। साथ ही अस्थाई निवास के लिए ग्राम महकेपार के सामुदायिक भवन में व्यवस्था कराई गई है, जहां 8 पलंग, गद्दे, चादर और तकिए उपलब्ध कराए गए हैं। पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने के लिए राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत प्रकरण तैयार किया जा रहा है।

2 वर्षीय मानस को मिला नया जीवन

जन्म से सुनने-बोलने में असमर्थ मानस का भोपाल में हुआ कोक्लियर इंप्लांट

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

आंगनवाड़ी केंद्र में हुए एक सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण ने 22 माह के मानस ठाकरे और उसके परिवार की जिंदगी बदल दी। जन्म से सुन और बोल नहीं पाने वाले मानस की समस्या की पहचान स्वास्थ्य विभाग की आरबीएसके टीम ने की। जांच और उपचार की पूरी प्रक्रिया के बाद अब मानस को नई उम्मीद मिली है। भोपाल में 16 सितम्बर को उसका कोक्लियर इंप्लांट सफलतापूर्वक किया गया। सर्जरी के बाद बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है और शीघ्र ही उसे अस्पताल से डिस्चार्ज किया जाएगा। यह कहानी है ग्राम बड़गांव, विकासखंड लालबर्रा निवासी मानस ठाकरे पिता विनोद ठाकरे की।

मानस जन्म से ही सुनने और बोलने में असमर्थ था। परिवार को उसकी इस समस्या की चिंता थी, लेकिन उपचार का रास्ता और इतनी जटिल सर्जरी कैसे होगी, इसकी जानकारी उन्हें नहीं थी। इसी बीच कलेक्टर कुमार सत्यम के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न दाहिया के मार्गदर्शन में आरबीएसके टीम द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण किए जा रहे थे। इसी दौरान लालबर्रा की आरबीएसके टीम ने मानस की जांच की। जांच में सामने आया कि बच्चा जन्म से ही सुन नहीं पा रहा है और इसी कारण बोलने में भी सक्षम नहीं है। आंगनवाड़ी से शुरू हुई उपचार की राह- आरबीएसके टीम ने मानस को जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र (डीईआईसी) रेफर किया। यहां ऑडियोलॉजिस्ट कम स्पीच थेरपिस्ट आशीष रंगारे ने बच्चे की विस्तृत जांच की। इसके बाद नाक, कान एवं गला रोग विशेषज्ञ डॉ. विशेष नाग ने जांच रिपोर्ट का परीक्षण किया। उन्होंने बताया कि मानस को सुनने की क्षमता विकसित करने के लिए कोक्लियर इंप्लांट की आवश्यकता है और उसे उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया जाना चाहिए। जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र के प्रबंधक राजाराम चक्रवर्ती ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल बच्चे को भोपाल रेफर किया। वहां मानस की आवश्यक जांचें निःशुल्क कराई गईं। जांच की पूरी प्रक्रिया के बाद 16 सितम्बर को मानस की कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी की गई। यहां मुख्यमंत्री बाल श्रवण उपचार योजना के अंतर्गत मानस की सर्जरी का पूरा खर्च मध्यप्रदेश शासन द्वारा वहन किया गया है। इस उपचार की लागत करीब 6.50 लाख रुपये है, लेकिन मानस के परिवार को इसके लिए कोई राशि खर्च नहीं करनी पड़ी। सर्जरी के बाद मानस स्वस्थ है। अब आगे करीब एक वर्ष तक उसकी स्पीच थेरेपी कराई जाएगी। इस दौरान विशेषज्ञों द्वारा उसे सुनने और बोलने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। उपचार एवं स्पीच थेरेपी की प्रक्रिया के माध्यम से बच्चे को सामान्य बच्चों की तरह बोलने और सुनने में सक्षम बनाने का प्रयास किया जाएगा। मानस के माता-पिता के लिए यह पल भावुक कर देने वाला है। जिस बच्चे के जन्म के बाद से वे उसकी सुनने और बोलने की क्षमता को लेकर चिंतित थे, उसके उपचार की राह अब खुल गई है। बेटे की सफल सर्जरी की खबर से परिवार में खुशी का माहौल है। परिवारजनों ने मानस के उपचार में सहयोग के लिए मध्यप्रदेश शासन, जिला प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

स्वामित्व योजना से पटवारी संवर्ग को पृथक रखने की मांग, पटवारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

बालाघाट। मध्यप्रदेश पटवारी संघ जिला बालाघाट ने शासन की विभिन्न योजनाओं में बढ़ते अतिरिक्त कार्यभार और लंबित सेवा संबंधी समस्याओं को लेकर 16 सितंबर को दोपहर 1 बजे करीब नगर के मुख्य मार्ग से रैली निकाल कर बालाघाट कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। संघ ने स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 योजना के निष्पादन, ई-केवाईसी, पंजीयन एवं व्यक्तिगत दायित्व वाले कार्यों से पटवारी संवर्ग को पूर्णतः पृथक रखने की मांग की है। ज्ञापन में संघ ने कहा कि स्वामित्व योजना में पटवारियों की भूमिका अब तक सहयोगात्मक एवं अभिलेखीय सहायता तक रही है। ग्रामीण आबादी क्षेत्रों के सर्वेक्षण, मानचित्रण एवं तकनीकी कार्य विभिन्न स्तरों पर किए गए हैं। ऐसे में किसी त्रुटि अथवा विवाद की स्थिति में पटवारी को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया जाना उचित नहीं है। संघ ने मांग की कि योजना का निष्पादन पटवारी को व्यक्तिगत निष्पादक बनाने के बजाय शासन स्तर से किया जाए। संघ ने फार्मर आईडी निर्माण को सतत प्रक्रिया मानते हुए इस कार्य को लेकर पटवारियों पर मानसिक दबाव अथवा कार्रवाई नहीं करने की मांग की। साथ ही जियो टैग गिरदावरी को अव्यावहारिक बताते हुए इसे समाप्त किए जाने तक कार्य से विरत रहने की बात कही।

32 बैगा बच्चों की मौत और कथित प्रयासों के बाद भी नहीं थमा बीमारी का कहर

सफेद झूठ : प्रशासन कर रहा नियंत्रण का दावा

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

दक्षिण बैहर के बैगा अंचल में 32 बच्चों की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग लगातार अडोरी और मछुरदा पंचायत के कोरका, गठिया, मातला, उर्सेकल, बोंदारी, उसरी सहित आसपास के गांवों में सघन स्वास्थ्य अभियान चला रहा है। साथ ही प्रभावित कुंडेकसा गांव के स्कूल भवन को अस्थायी उप स्वास्थ्य केंद्र बनाकर बीमार बच्चों का उपचार किया जा रहा है। लेकिन इन तमाम कथित प्रयासों के बाद भी बिमारी नियंत्रण के बाहर है। क्षेत्र में जमीनी हकीकत यह है कि बच्चे एक के बाद एक बिमार पड़ रहे है। ग्रामीणो के नजरिये के राहत के पल महसूस नही हो रहे है, लेकिन प्रशासन बिमारी पर नियंत्रण का दावा कर रहा है।

बुधवार को मीडिया टीम ने प्रभावित गांवों का निरीक्षण किया। इस दौरान कई बच्चे अब भी बीमारी से पीड़ित नजर आए। मछुरदा पंचायत की सरपंच जिलसो तिलगाम का पांच वर्षीय नाती अंकित मरावी ग्राम कोरका में अभी भी बिस्तर पर अस्वस्थ हालत में मिला है। परिजनों के मुताबिक अंकित का जिला चिकित्सालय में करीब छह दिनों तक उपचार करवाया गया था। जिसे स्वस्थ होने पर अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया था। लेकिन उपचार के बाद पुनः उसकी तबीयत पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। इससे समझा जा सकता है कि बिमारी का संक्रमण दोबारा मरीज को प्रभावित कर रहा है। एक ओर स्वास्थ्य अमला प्रभावित गांवों में घर-घर पहुंचकर जांच और उपचार का दावा कर रहा है। गंभीर हालत के बच्चो को जिला अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। बावजूद इसके गांवों में बच्चे बीमार मिल रहे हैं। तमाम स्क्रिनिंग और सर्वे के बाद अंकित मरावी नामक बालक यदि बिस्तर पर बुखार से तड़प रहा है और उसे अस्पताल नही पहुंचाया जा रहा है, तो यह निश्चित ही सिस्टम की गंभीर लापरवाही है। क्या स्वास्थ्य विभाग का अभियान बीमारी की जड़ तक पहुंच पा रहा है या फिर जांच-सर्वे के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। 32 बैगा बच्चों की मौत के बाद प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि संक्रमण का कैसे पटखनी दी जाये? केवल तत्काल इलाज पहुंचाना दायित्व पूरा नही माना जा सकता। बीमारी को मात देने के लिये अब बडे स्तर पर रिसर्च की आवश्यक्ता है। ग्रामीणों का कहना है कि बीमारी का असर अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। बच्चे स्वस्थ होने के बाद दोबारा बीमार पड़ रहे है। जब तक हर घर में बच्चा पूरी तरह स्वस्थ नही मिलता, तब तक इस संक्रमण पर नियंत्रण का दावा करना उचित नही होगा। कही ऐसा ना हो, भविष्य में स्वास्थ व्यवस्था सुस्त पड़ जाए।

सुपोषित भारत, स्वस्थ भारत, सशक्त भारत के संकल्प के साथ कुपोषण मुक्त भारत पर कार्यशाला आयोजित

उमरिया (स्वतंत्रमत)

सेवा भारती उमरिया द्वारा सुपोषण सप्ताह के अंतर्गत सुपोषित भारत, स्वस्थ भारत, सशक्त भारत के संकल्प को लेकर माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर, उमरिया में कुपोषण मुक्त भारत विषय पर जागरूकता एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती का स्मरण एवं वंदना कर किया गया। कार्यक्रम के उद्देश्य एवं सेवा भारती द्वारा किए जा रहे विभिन्न सेवा कार्यों की जानकारी देते हुए अखिलेश त्रिपाठी ने कार्यशाला की विषय-वस्तु एवं सेवा भारती के सामाजिक एवं जनसेवा कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ. संदीप सिंह ने छात्राओं को कुपोषण मुक्त भारत के विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने एनीमिया, गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों में होने वाले कुपोषण, उसके कारण, बचाव एवं निदान के साथ-साथ संतुलित एवं पौष्टिक आहार, स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्व के बारे में सरल भाषा में जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं के प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। कार्यशाला में छात्राओं ने पूरे मनोयोग से सहभागिता की तथा कुपोषण, पोषण एवं स्वास्थ्य से संबंधित प्रश्न पूछे। छात्राओं ने इस प्रकार के उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक आयोजन के लिए विद्यालय परिवार एवं सेवा भारती उमरिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें स्वास्थ्य, पोषण एवं कुपोषण से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण एवं उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई।

कैट ने यूपीआई भुगतान पर कमीशन को लेकर दर्ज कराया विरोध

उमरिया (स्वतंत्रमत)

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के जिला अध्यक्ष कीर्ति कुमार सोनी ने यूपीआई से भुगतान में करोबारियों के कमीशन चार्ज काटने को ,जबरदस्ती छोटे व्यापारियों को खत्म करने का पुरजोर विरोध किया है। उल्लेखनीय है कि एक ओर कैट कई जिलों में प्रधान मंत्री जी के जन्मदिन पर दीप जलाकर प्रसन्नता व्यक्त कर रही है वहीं दूसरी ओर यूपीआई भुगतान में कमीशन को लेकर मध्यप्रदेश के व्यापारियों के चेहरे मुरझाये हुये हैं। इतने कम मार्जन पर काम करने वाले व्यापारी इस कमीशन को लेकर भयभीत हैं। थोक किराने में पांच रूपये टीन के मार्जन में व्यापार करने वाले हमारे व्यापारी इस यूपीआई कमीशन की मार को झेल नहीं सकेगे। दस रूपये क्विन्टल का मार्जन लेकर अनाज बेचने वाले छोटे दुकानदार इस कठिन परिस्थिति मे कैसे सरवाइव करेंगे क्योंकि छोटे छोटे व्यापारियों को अब यूपीआई से भुगतान करने की आदत लग गई है और इस में व्यापारी को काफी नुक्सान होने की संभवना है। जिलाध्यक्ष कीर्ति सोनी ने कहा कि एक ओर छोटे छोटे व्यापारी, दुकानदार, कारोबारी बडे घरानों से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं वही दूसरी ओर कमीशन की मार झेलेंगे जबकि बडे कार्पोरेट घरानों में बैकों की अलग अलग कण्डीशन होती है उन्हें तो कमीशन से मुक्ति मिल जायेगी लेकिन मध्यप्रदेश का छोटा व्यापारी इस कठिनाई का सामना कैसे कर सकेगा। कैट टीम उमरिया के उपाध्यक्ष नरेश लालवानी एवं पूरी टीम ने यह निर्णय लिया है कि यदि यह निर्णय वापिस नहीं हुआ तो प्रदेश में व्यापारी बडा आन्दोलन खडा करेगे। आज सारे प्रदेश में हलचल है इसलिये मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को भी इसमें दखल देना चाहिये क्योंकि गणेश चतुर्थी से व्यापार का सीजन शुरू हुआ है और ऐसी स्थिति में व्यापारी आन्दोलन करने के लिये मजदूर हो रहे हैं।

जंगल की कच्ची मड़िया में जिंदगी से जूझ रही रेशमी को आशा कार्यकर्ता ने दिलाया मातृत्व का सुख

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले के मानपुर विकासखंड के ग्राम रंछा जों ताला के जंगल के बीच एक कच्ची मड़िया में रह रही गर्भवती महिला रेशमी के लिए मातृत्व का सफर बेहद चुनौतीपूर्ण था। चारों ओर घना जंगल, आवागमन के साधनों का अभाव, बिजली की सुविधा नहीं और ऊपर से जहरीले सांप-बिच्छू तथा टाइगर जैसे वन्यजीवों का खतराकृऐसे कठिन परिस्थितियों के बीच आशा कार्यकर्ता एवं आशा पर्यवेक्षक की सतत निगरानी और संवेदनशील प्रयासों ने रेशमी को सुरक्षित प्रसव का सुख दिलाया। बताया जाता है कि रेशमी, बैगा जाति से है और उसके पिता की मौत हो चुकी है सौतेली माँ के साथ रहती थी और उसने दूसरे समुदाय के युवक से आपसी रजामंदी से विवाह कर लिया जिससे दोनों समुदाय ने इन दोनों को अपनाने से मना कर दिया कुल मिलाकर सामाजिक बहिष्कार कर घर और गाँव दोनों जगह से निकाल दिया जिससे ये एक मड़ैया बना कर गाँव से बाहर रहने को विवश हो गए। और मुसीबत में स्वास्थ्य विभाग इनका सहारा बना। जानकारी के अनुसार रेशमी बैगा और उसका पति दो गांवों के बीच जंगल क्षेत्र में मड़िया बनाकर निवास करता था। परिवार वालों ने उसे घर से निकाल दिया था, जिसके बाद वह अपने पति के साथ जंगल में रहने लगी। जिस स्थान पर उनका निवास था, वहां बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव था। न बिजली थी और न ही स्वास्थ्य सुविधा आसानी से उपलब्ध थी। जंगल में सांप, बिच्छू और अन्य जंगली जानवरों का खतरा बना रहता था। बताया गया कि एक दिन टाइगर ने उनकी झोपड़ी से करीब 100 मीटर की दूरी पर एक जानवर का शिकार भी किया था। ऐसे जोखिम भरे वातावरण में गर्भवती रेशमी का रहना स्वास्थ्य विभाग के लिए भी बड़ी चुनौती थी। रेशमी की इस स्थिति को देखते हुए आशा कार्यकर्ता श्रीमती सुलोचना यादव और आशा पर्यवेक्षक श्रीमती तुलसा तिवारी लगातार उसके संपर्क में रहीं। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा नियमित रूप से घर पर पहुंचकर रेशमी की जांच की जाती रही तथा आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श और दवाइयां उपलब्ध कराई जाती रहीं। रात के समय प्रकाश की समस्या को देखते हुए आशा कार्यकर्ता ने मोमबत्ती की व्यवस्था भी कराई, ताकि जरूरत पड़ने पर महिला को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

बारिश में भी नहीं छोड़ा साथ

दिनांक 07 सितंबर 2026 को आशा पर्यवेक्षक एवं आशा कार्यकर्ता द्वारा रेशमी के घर का भ्रमण किया गया। इस दौरान देखा गया कि लगातार बारिश के कारण उनकी मड़िया पूरी तरह भीग चुकी थी। मड़िया के अंदर पानी भरा हुआ था और रेशमी ठंड से कांप रही थी। उसकी प्रसव तिथि 24 सितंबर 2026 बताई गई थी, लेकिन परिस्थितियां देखकर आशा कार्यकर्ता एवं आशा पर्यवेक्षक ने मामले को गंभीरता से लिया।

यूजीसी कानून के विरोध में सवर्ण समाज ने निकाली रैली, सौंपा ज्ञापन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मंगलवार 15 सितंबर को करणी सेना परिवार के बैनर तले सवर्ण समाज ने यूजीसी के प्रस्तावित कानून के विरोध में प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में लोग रैली के रूप में सड़कों पर उतरे और यूजीसी गो बैक के नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने प्रस्तावित कानून के प्रावधानों पर आपत्ति जताई और सरकार से इस पर फिर से विचार करने की मांग की। रैली उमरिया शहर के मुख्य रास्तों से होकर कलेक्ट्रेट पहुंची। यहां प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को पांच सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में यूजीसी से जुड़े प्रस्तावित कानून पर पुनर्विचार, उच्च शिक्षा में पारदर्शिता लाने और सबको बराबर मौके देने की मांग की गई। इसके साथ ही एट्रोसिटी एक्ट में बदलाव करने और जिले के उद्योगों में स्थानीय युवाओं को नौकरी में प्राथमिकता देने की मांग भी रखी गई। रैली के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस तैनात रही और प्रशासन ने सुरक्षा बनाए रखी। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाई।

इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह युवाओं और आम जनता के हक की लड़ाई है। यदि सरकार इन गंभीर मांगों पर संवैधानिक व कानूनी प्रक्रिया के तहत त्वरित और उचित निर्णय नहीं लेती है, तो आने वाले समय में करणी सेना परिवार उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा ।

सप्तदिवसीय यज्ञ का शुभारंभ

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्रमत)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा रामायण महाभारत एवं श्रीमद् भगवत गीता पर आधारित सप्तदिवसीय गीता ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ मंगलवार को श्री शिव साईं सिद्धेश्वर धाम मंदिर वार्ड नंबर 15 बम्हनी बंजर में हुआ। कथा वाचक राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शिवकुमारी दीदी द्वारा सात दिनों तक रामायण महाभारत एवं श्रीमद् भगवत गीता के आध्यात्मिक रहस्यों और जीवन उपयोगी शिक्षाओं पर प्रकाश डाला जाएगा आयोजन के शुभारंभ अवसर पर गायत्री मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई।

आज रक्त दान दीया कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्र मत)। कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक में जिले में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं अभियानों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने 17 सितम्बर को आयोजित रक्तदान शिविर की तैयारियों की जानकारी लेते हुए बताया कि जिला अस्पताल में प्रातः 8 बजे से मोबाइल वैन तथा आरडी कॉलेज में प्रातः 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने अधिक से अधिक नागरिकों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। बैठक में 17 सितम्बर को शाम 7 बजे माहिष्मती घाट पर आयोजित आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर माहिष्मती घाट पर 25 हजार दीप प्रज्वलित किए जाएंगे।

निराकरण के दिए निर्देश

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिला योजना भवन में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने कलेक्टर को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान कुल 95 आवेदकों ने अपनी शिकायतों व मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किए।

ऑनलाइन मासिक गोष्ठी

मण्डला(स्वतंत्र मत)। विगत दिनों मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति अखिल भारतीय हिंदी सेवा समिति मध्यप्रदेश एवं तुलसी साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वाधान में हिंदी भाषा के परिपेक्ष में ऑनलाइन मासिक गोष्ठी का आयोजन बिंदु त्रिपाठी वरिष्ठ साहित्यकार भोपाल के मुख्य आतिथ्य डॉ स्वल्पा बड़गैया प्राचार्य ज्ञान दीप उच्च माध्य विद्यालय मंडला के विशिष्ट आतिथ्य तथा डॉ संध्या शुक्ल मृदुल संयोजक मप्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की अध्यक्षता में किया गया।

फरार वारंटी आया पकड़ में

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में जिले में फरार आरोपियों एवं स्थायी गिरफ्तारी वारंटियों की धरपकड़ हेतु लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में चौकी हिरदेनगर थाना महाराजपुर पुलिस को चार वर्ष से फरार स्थायी गिरफ्तारी वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है चौकी हिरदेनगर पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 295/22 धारा 25(बी) आर्म्स एक्ट के प्रकरण में पिछले करीब 4 वर्षों से फरार स्थायी गिरफ्तारी वारंटी छगन प्रसाद उर्फ सरोज मरकाम उम्र 36 वर्ष निवासी लुटिया को विधिवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के उपरांत आरोपी को आवश्यक वैधानिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया चौकी प्रभारी हिरदेनगर उप निरीक्षक हरछठ ठाकुर, प्रआर अशोक, आर. भारतीय आनंद गौतम की भूमिका रही।

वृद्धजनों का जाना कुशलक्षेम

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अनुविभागीय अधिकारी शैलेन्द्र चौधरी ने माहिष्मती घाट स्थित वृद्धाश्रम का भ्रमण किया। वृद्धाश्रम में निवासरत वृद्धजनों से संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा भवन का निरीक्षण किया एसडीएम ने वृद्धाश्रम भवन की मरम्मत कराने समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए ।

पोर्टल के फेर में अटकी छात्रावासों की राशि, तीन माह से उधारी पर चल रही व्यवस्था से परेशान हैं अधीक्षक

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

विगत अप्रैल माह के बाद से जिले के छात्रावासों में आवंटन जारी नहीं किया गया है। जिससे छात्रावासों की तमाम व्यवस्था लड़खड़ा गई हैं। जैसे तैसे उधार जुगाड़ कर छात्रावास अधीक्षक बच्चों को भोजन पानी सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। कई छात्रावास अधीक्षकों ने बताया कि पोर्टल में सुधार और नवीन खाते खोले जाने के कारण यह स्थिति बन गई है। छात्रावासों के साथ स्कूलों के भी खाते बदले जा रहे हैं। नवीन व्यवस्था किन कारणों से की जा रही है यह तो पता नहीं चल पाया है लेकिन अगर शीघ्र ही छात्रावासों को धन उपलब्ध नहीं हुआ तो हालात बिगड़ जायेंगे। पहले पीएफएमएस पोर्टल से भुगतान किए जा रहे थे जिसे अब स्पर्श पोर्टल मे बदल दिया गया है। अब हालात यह हैं कि पोर्टल के माध्यम से ही छात्रावासों को राशि मिलेगी। छात्रावासों में वित्तीय पारदर्शिता लाने के लिए शासन नया पोर्टल तैयार कर रहा है लेकिन सिस्टम सुधार की इस कवायद के बीच जमीनी व्यवस्था लड़खड़ाने लगी है। छात्रावासों को पिछले करीब तीन माह से राशि का इंतजार है। शासन से भुगतान अटकने के कारण छात्रावासों में बाजार की उधारी बढ़ती जा रही है। बच्चों के लिए दो वक्त का भोजन नाश्ता और जरूरी सामग्री जुटाने के लिए वार्डनों को दुकानदारों से उधार लेना पड़ रहा है। अब हालात यह हैं कि दुकानदार भी भुगतान को लेकर सवाल करने लगे हैं एक तरफ विभाग पारदर्शिता के लिए नया सिस्टम तैयार करने में जुटा है दूसरी तरफ छात्रावासों का रोजमर्रा का संचालन आर्थिक संकट से जूझ रहा है। सवाल यह है कि जब बच्चों का भोजन रोज चाहिए राशन रोज चाहिए और छात्रावास की जरूरतें रोज सामने आती हैं तो भुगतान के लिए महीनों इंतजार कैसे किया जाए। बड़ी संख्या में विद्यार्थी छात्रावासों तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, एकलव्य विद्यालय, पीएमश्री विद्यालय में रहकर शिक्षा प्राप्त करते हैं। इन संस्थानों में रहने वाले विद्यार्थियों की भोजन और आवास व्यवस्था पूरी तरह निर्धारित बजट पर निर्भर रहती है पिछले तीन माह से राशि नहीं आने के कारण छात्रावासों के संचालन पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। स्थानीय स्तर पर पहले से उपलब्ध व्यवस्था और बाजार से उधारी के सहारे काम चलाया जा रहा है। आटा चावल दाल तेल सब्जी और अन्य खाद्य सामग्री की खरीद नियमित रूप से करनी पड़ती है भुगतान लंबित होने के बावजूद बच्चों की भोजन व्यवस्था रोकना संभव नहीं है इसलिए उधारी लगातार बढ़ती जा रही है छात्रावासों की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जिन दुकानदारों से रोजमर्रा का सामान लिया जा रहा है उनका भुगतान लंबे समय से अटका हुआ है। शुरुआत में शासन से राशि आने की उम्मीद में दुकानदारों ने उधार पर सामान उपलब्ध कराया लेकिन अब तीन माह का इंतजार लंबा होता जा रहा है छात्रावास प्रबंधन के सामने दोहरी परेशानी है। एक ओर बच्चों की आवश्यकताएं पूरी करना जरूरी है वहीं दूसरी ओर बाजार की बढ़ती उधारी का दबाव है राशि जारी नहीं हुई तो आगे राशन और अन्य जरूरी सामग्री की आपूर्ति बनाए रखना भी चुनौती बन सकता है अब तक छात्रावासों को पीएमएस पोर्टल के माध्यम से राशि जारी होती रही है। भारत सरकार और मध्यप्रदेश सरकार के अंशदान का बजट पहले राज्य शिक्षा केंद्र को मिलता था। इसके बाद बजट जिलों को भेजा जाता था और वहां से छात्रावासों के संचालन के लिए राशि उपलब्ध कराई जाती थी इस व्यवस्था में समय-समय पर राशि वितरण को लेकर सवाल और अनियमितताओं के आरोप सामने आते रहे हैं इसी को देखते हुए अब शासन पूरी वित्तीय प्रक्रिया में बदलाव की तैयारी कर रहा है। इसके लिए एसएनए स्पर्श पोर्टल तैयार किया जा रहा है विभागीय अधिकारियों के अनुसार नई व्यवस्था लागू होने के बाद दोनों अंशदान की राशि सीधे छात्रावास के खाते में भेजने की व्यवस्था होगी।

यानी बीच की प्रक्रिया कम होगी और राशि के वितरण को ऑनलाइन सिस्टम से जोड़ा जाएगा नए सिस्टम की एक प्रमुख व्यवस्था यह होगी कि छात्रावास में ऑनलाइन दर्ज विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में राशि जारी की जाएगी। जितने बच्चे सिस्टम में दर्ज होंगे उसी आधार पर निर्धारित बजट उपलब्ध कराया जाएगा इससे विभाग को छात्रावार बजट की निगरानी करने में सुविधा मिलने का दावा किया जा रहा है। साथ ही वास्तविक विद्यार्थियों की संख्या और जारी राशि के बीच तालमेल बनाया जा सकेगा।

छात्रों की गूंज कार्यक्रम आयोजित

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्रमत)।

छात्रों की समस्याओं उनके अधिकारों और भविष्य से जुड़े विषयों पर संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से बम्हनी बंजर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के साथ कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे कार्यक्रम की अगुवाई प्रदेश महासचिव आदिवासी कांग्रेस मोहित उइके एवं नगर कांग्रेस अध्यक्ष श्रद्धालु सोनी ने की इस दौरान छात्रों से सीधे संवाद करते हुए शिक्षा रोजगार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी युवाओं के अवसर तथा छात्रों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई छात्र देश और समाज के भविष्य की मजबूत नींव हैं। उनकी आवाज को सुनना उनकी समस्याओं को समझना और उनके बेहतर भविष्य के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

सरकारी पैसे से भाजपा की पूजा : कांग्रेस

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में 2 लाख 70 हजार 550 दीप प्रज्वलित किए जाने के लक्ष्य को लेकर कांग्रेस ने सवाल खड़े किए हैं। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन के नाम पर सरकारी तंत्र और सरकारी धन का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का विरोध दीप जलाने की परंपरा से नहीं बल्कि सरकारी पैसे और मशीनरी के कथित दुरुपयोग से है 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले अभियान के तहत जिले में बड़ी संख्या में दीप जलाने की तैयारी की जा रही है अकेले माहिष्मती घाट पर 25 हजार दीप प्रज्वलित किए जाने की जानकारी सामने आई है ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस आयोजन पर खर्च होने वाला पैसा कहां से आएगा और इसका भुगतान किस सरकारी मद से किया जाएगा कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि आदिवासी बाहुल्य जिला है जहां आज भी बड़ी संख्या में लोग रोजगार शिक्षा स्वास्थ्य पेयजल और बुनियादी सुविधाओं की समस्याओं से जूझ रहे हैं युवाओं के सामने रोजगार का संकट है और रोजगार के लिए पलायन की स्थिति बनी हुई है। स्वास्थ्य सेवाओं में डॉक्टर और दवाओं की कमी, शिक्षा व्यवस्था की समस्याएं, अधूरे निर्माण कार्य, खराब सड़कें, पेयजल संकट और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे लगातार जनता के बीच उठ रहे हैं।

धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्र मत)। सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया भुआ बिछिया अंतर्गत बिछिया और सिझौरा में सतर्कता जागरूकता अभियान चलाया गया। शासकीय महाविद्यालय व एकलव्य आवासीय विद्यालय में आयोजन किया गया। इस आयोजन के तहत जबलपुर से आए सतर्कता अधिकारी शंकराचार्य ने महाविद्यालय व स्कूल के बच्चों के साथ सतर्कता अभियान चलाया। स्कूल व कॉलेज के बच्चों को साइबर क्राइम व म्यूल खातों के बारे में जानकारी दी गई। छात्र व छात्रों को यह भी बताया गया कि वह कैसे विभिन्न प्रकार के साइबर अपराध से बच सकते हैं। इसके अलावा एक क्विज का भी आयोजन किया गया जिसमें सफल छात्रों को पुरस्कार वितरित किए गए।

बच्चों के द्वारा प्रश्न पूछे गए और उनका उत्साह वर्धन किया गया। इस दौरान शासकीय महाविद्यालय प्राचार्य रोहिणी कोष्टा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया भुआ बिछिया शाखा प्रबंधक रितेश ठाकुर महाविद्यालय के अन्य शिक्षक गण उपस्थित रहे।

भाजपा पिछड़ा वर्ग की बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में पिछड़ा वर्ग मोर्चा की बैठक आयोजित की गई। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने जिले सभी मोर्चा पदाधिकारी को आगामी कार्यक्रम 17 सितंबर से 18 अक्टूबर तक विस्तृत जानकारी दी। बैठक में संगठनात्मक विषयों आगामी कार्यक्रमों तथा प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से 18 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जबलपुर संभाग प्रभारी श्रीराम पटेल, जिला प्रभारी कुणाल पटेल उपस्थित थे।

गैस से धमाका, मामा-भांजा झुलसे

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

शहर के रानी दुर्गावती वार्ड में बुधवार सुबह गैस लीक होने के बाद अचानक हुए तेज धमाके से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में कमरे में मौजूद मामा और उनका 14 वर्षीय भांजा झुलस गए। दोनों को तत्काल डायल-112 की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनका उपचार जारी है जानकारी के अनुसार हादसा रानी अवंती बाई स्कूल के सामने पीएम आवास योजना के तहत बने मकान में सुबह करीब 8 बजे हुआ। बताया गया कि रजत गुप्ता चाट-पकौड़ी का ठेला लगाते हैं सुबह वह घर के एक कमरे में गैस चूल्हे पर कुछ बना रहे थे इसी दौरान गैस का रिसाव होने से कमरे में गैस भर गई। जैसे ही किसी माध्यम से गैस के संपर्क में चिंगारी आई अचानक जोरदार धमाका हो गया धमाका इतना तेज था कि मकान का लोहे का दरवाजा टूटकर दूर जा गिरा। वहीं छप्पर की टीन और खपरे भी क्षतिग्रस्त हो गए धमाके की आवाज और कंपन से आसपास के मकानों पर भी इसका असर दिखाई दिया घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए हड़कंप की स्थिति बन गई।

पहिए में आया महिला का हाथ

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)। ग्राम बिसौरा में एक बार फिर सड़क हादसे ने ग्रामीणों में आक्रोश पैदा कर दिया बुधवार को बस में सवार होने के दौरान एक महिला गंभीर हादसे का शिकार हो गई बताया जा रहा है कि महिला बस में चढ़ रही थी तभी चालक ने अचानक बस आगे बढ़ा दी इसी दौरान महिला का हाथ बस के पिछले पहिए के नीचे आ गया और बुरी तरह कुचल गया हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई महिला के हाथ में गंभीर चोट आने के कारण उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत को देखते हुए जबलपुर रेफर किए जाने की जानकारी सामने आई है घटना के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा ग्रामीणों ने सड़क पर चक्काजाम कर दिया और वाहनों की तेज रफ्तार तथा लापरवाही से वाहन चलाने वाले चालकों पर कार्रवाई की मांग शुरू कर दी चक्काजाम के कारण मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

विधायक ने दी श्रद्धांजलि

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के निवास विधानसभा क्षेत्र के विधायक चैनसिंह वरकड़े विकासखंड मोहगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत कौआडोंगरी के पोषक ग्राम सकरी पहुंचे यहां उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेसी स्व. सीताराम उइके के दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

गौवंश सुरक्षा को लेकर दिया आवेदन

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

ग्राम पंचायत बड़ी खैरी में खुले में घूम रहे गौवंश की समस्या के समाधान को लेकर ग्राम के युवाओं ने पंचायत के समक्ष सामूहिक आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। ग्राम पंचायत से कांजी हाउस का शीघ्र पुनर्निर्माण कराने के साथ उसके सुचारु संचालन और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। साथ ही गौवंश की सेवा सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए बड़ी खैरी युवा गौ सेवक समिति के गठन का प्रस्ताव भी रखा गया है ग्राम में बड़ी संख्या में गौवंश सड़कों, सार्वजनिक स्थानों तथा अन्य जगहों पर खुले में घूम रहा है। इससे जहां सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है वहीं गौवंश द्वारा प्लास्टिक और कचरा खा लेने से उनके बीमार होने की आशंका भी बनी रहती है। इसके अलावा गौवंश के खेतों में प्रवेश करने से किसानों की फसलों को नुकसान होने की समस्या भी सामने आ रही है। ग्राम पंचायत बड़ी खैरी के कांजी हाउस का शीघ्र पुनर्निर्माण कराया जाए, ताकि खुले में घूम रहे गौवंश को सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराया जा सके।

गरीब बंदियों को लेकर चर्चा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में आज गरीब बंदी कल्याण को लेकर जिला स्तरीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर ने की। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है कि कारागार में कोई भी गरीब बंदी केवल जुर्माने की राशि जमा न कर पाने के कारण अपनी सजा पूरी होने के बाद भी जेल में न रहे। उन्होंने जेल अधीक्षक को निर्देशित किया कि ऐसे सभी बंदियों की पूरी जानकारी चिन्हित कर तत्काल समिति के समक्ष प्रस्तुत की जाए ताकि उन्हें नियमानुसार लाभ दिलाया जा सके। कलेक्टर ने कहा कि इस पुनीत कार्य में सहयोग करने वाले गैर सरकारी संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण है लेकिन यह भी जरूरी है कि केवल सत्यापित और विश्वसनीय संस्थाओं से ही सहयोग लिया जाए।

आर्थिक सहायता स्वीकृत

मण्डला(स्वतंत्रमत)। न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी द्वारा सर्पदंश से हुई एक महिला की असामयिक मृत्यु के प्रकरण में मध्यप्रदेश शासन के राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधानों के तहत मृतक के निकटतम वारसान को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है ग्राम कोटासांगवा निवासी चैनवती मरावी पति संजय मरावी की गत 25 अगस्त को सर्पदंश के कारण मृत्यु हो गई थी।

आत्मा की आराधना का महापर्व है पर्युषण

पिंडरई में आज से शुरू होगा दशलक्षण पर्व, आर्यिका मां विमलमति माताजी ससंघ का मिलेगा मंगल सान्निध्य

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। आत्मशुद्धि, संयम और धर्माराधना का पावन पर्व पर्युषण महापर्व 16 सितंबर आज से दिगंबर जैन समाज द्वारा श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। भाद्रपद शुक्ल पक्ष पंचमी से प्रारंभ होने वाले इस दस दिवसीय आध्यात्मिक अनुष्ठान के दौरान पिंडरई नगरीवासियों को संत शिरोमणि आचार्य भगवन श्रीविद्यासागरजी महाराज एवं पूज्य आचार्य महाराज श्रीसमयसागरजी की आज्ञानुवर्ती शिष्या परम वंदनीय आर्यिका मां विमलमति माताजी ससंघ का मंगल सान्निध्य प्राप्त होगा। पर्युषण महापर्व को आत्मा की आराधना और आत्मशुद्धि का महापर्व माना गया है। 'पर्युषण' शब्द का आशय चारों ओर से धर्म में स्थित होकर आत्मचिंतन और आराधना करना है। दिगंबर जैन परंपरा में इसे दशलक्षण पर्व के रूप में मनाया जाता है। इन दस दिनों में आत्मा के विशुद्ध गुणों की आराधना, संयम और तप के माध्यम से जीवन को आध्यात्मिक दिशा देने का प्रयास किया जाता है।

पर्युषण पर्व के दौरान आर्यिका मां विमलमति माताजी की देशना के माध्यम से श्रद्धालुओं को दशलक्षण धर्मों का विस्तारपूर्वक विवेचन सुनने का अवसर मिलेगा। इनमें उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन्य और उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म शामिल हैं। इन दस धर्मों के माध्यम से श्रद्धालुओं को क्रोध, अहंकार, छल-कपट, लोभ और विषय-विकारों से दूर रहकर आत्मचिंतन, संयम और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी जाएगी। सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष चौधरी कैलाश चंद्र ने साधु सेवा समिति के सदस्य अन्नाभुजी को जानकारी देते हुए बताया कि पर्युषण महापर्व के सभी धार्मिक आयोजन श्री विद्या स्वभाव भवन में आयोजित किए जाएंगे।

नैनपुर डाकघर भवन की टपकती है छत

नैनपुर(स्वतंत्र मत)। नगर का प्रधान डाकघर इन दिनों जर्जर भवन में संचालित हो रहा है। छत से टपकता पानी, दीवारों में उभर आई दरारें और जगह-जगह से उखड़ता प्लास्टर व कंक्रीट भवन की स्थिति बयां कर रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों के साथ यहां प्रतिदिन पहुंचने वाले ग्राहकों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। खास बात यह है कि भवन की जर्जर स्थिति को लेकर करीब एक वर्ष पूर्व भी मामला सामने आ चुका है, लेकिन अब तक न तो भवन की समुचित मरम्मत हो सकी और न ही इसे किसी सुरक्षित भवन में स्थानांतरित किया गया। बारिश के दौरान नैनपुर डाकघर की स्थिति और अधिक खराब हो जाती है। छत से पानी रिसकर कार्यालय के फर्श और काउंटर तक पहुंच जाता है। कई स्थानों पर छत का प्लास्टर और कंक्रीट पहले ही उखड़ चुका है, जबकि क्षतिग्रस्त हिस्सों में दरारें दिखाई दे रही हैं। ऐसे में इन हिस्सों के अचानक टूटकर नीचे गिरने की आशंका बनी रहती है।

संपादकीय

भड़कती महंगाई

अगस्त 2026 में खुदरा मुद्रास्फीति 4.82 फीसदी रही, जबकि थोक मूल्य सूचकांक 9.9 फीसदी दर्ज किया गया। खाद्य महंगाई की यह स्थिति आठ माह में सर्वोच्च स्तर पर रही। भारतीय रिजर्व बैंक की तय सीमा से भी अधिक मुद्रास्फीति है। त्योहारों के मौसम में महंगाई और भी बढ़ सकती है। आम आदमी दर और प्रतिशत के इस अर्थशास्त्र को नहीं समझता। उसके लिए आटा, गेहूं, चावल, चीनी, दालें, खाद्य तेल, हरी सब्जियां, प्याज, टमाटर, अदरक, लहसुन और दूध आदि की कीमतें बढ़ती हैं, तो वह महंगाई की स्थिति है। उसकी जेब सीमित है, लिहाजा घर का बजट भी तय है। जब ये हदें टूटने लगती हैं, तो आम आदमी महंगाई से कराहने लगता है। एक वह महंगाई भी है, जो युद्ध हमें देते हैं और हम मजबूर हैं। बीते छह माह से अधिक समय से ईरान का होर्मुज जलडमरूमध्य या तो बाधित है अथवा बंद है या मिसाइल, ड्रोन के हमले जारी हैं। भारत का 50 फीसदी से अधिक कच्चा तेल, एलपीजी, खाद आदि इसी समुद्री मार्ग से आते रहे हैं। दुनिया में करीब 20 फीसदी तेल-गैस की आपूर्ति इसी मार्ग के जरिए की जाती रही है। अब लाल सागर और बाब-अल-मंदेब पर हूती लड़ाकों ने कब्जा कर लिया है। हालांकि उन्होंने ऐलान किया है कि वे सऊदी अरब के जहाजों को निशाना बनाएंगे। यहां से गुजरने नहीं देंगे। भारत समेत शेष विश्व के जहाज, तेल-टैंकर आदि की आवाजाही निर्बाध रहेगी। दुनिया की करीब 12 फीसदी आपूर्ति इस जल-मार्ग के जरिए होती रही है। सऊदी अरब जिस 'ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन' के जरिए यूरोप और एशिया में कच्चे तेल का निर्यात कर रहा था, इस पर हूती लड़ाकों ने मिसाइल हमले कर उसका एक हिस्सा तबाह कर दिया है। सोमवार, 14 सितंबर, की रात तक पाइपलाइन धू-धू कर जल रही थी, लिहाजा उसे बंद करना पड़ा है। इस पेट्रोलाइन से 40-50 लाख बैरल कच्चा तेल रोजाना सप्लाई किया जाता था। जाहिर है कि भारत सहित कई एशियाई और यूरोपीय देशों की तेल आपूर्ति प्रभावित हुई है। कच्चे तेल का एक और निश्चित रास्ता ठप हो गया है। चूंकि महत्वपूर्ण जल-मार्गों से आपूर्ति बाधित या ठप है, नतीजतन कच्चे तेल की कीमत भी 108 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई है। बीती 11 सितंबर को भारत के लिए कच्चे तेल की औसत कीमत 119 डॉलर से अधिक थी। इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के आकलन हैं कि कच्चा तेल जल्द ही 121 डॉलर प्रति बैरल को छू लेगा। यदि सभी मोर्चों पर युद्ध जारी रहे, तो कच्चा तेल 150 डॉलर तक उछल सकता है। दुनिया की अर्थव्यवस्था का कबाड़ा निकल जाएगा! भारत 2.4 लाख मीट्रिक टन तेल का आयात करता है, लिहाजा उसका बिल 19 लाख करोड़ रुपए तक जा सकता है। यह बीते साल के आयात बिल से 8 लाख करोड़ रुपए अधिक होगा। अर्थव्यवस्था पर यह अनावश्यक बोझ समझना चाहिए, नतीजतन रोजमर्रा की हरेक वस्तुएं, सेवाएं, परिवहन आदि सभी महंगे हो जाएंगे। तेल कंपनियों के घाटे का रुदन तो शुरू हो चुका है। बताया जा रहा है कि भारत की तेल कंपनियों को पेट्रोल पर 5 रुपए, डीजल पर 23 रुपए प्रति लीटर और एलपीजी के एक सिलेंडर पर 200 रुपए का घाटा उठाना पड़ रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, ईरान में युद्धविराम (17 अगस्त, 2026) के खत्म होने के बाद 100 देशों में पेट्रोल-डीजल औसतन 5-7 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। कच्चा तेल 17-20 फीसदी तक और एलपीजी, एलएनजी 20-25 फीसदी तक महंगी हुई हैं। भारत क्या कर सकता है? उसे 88 फीसदी कच्चा तेल आयात करना पड़ता है। अमरीका तो तेल-गैस का निर्यातक देश है, फिर भी वहां पेट्रोल-डीजल के दाम ऐसे स्तर पर पहुंच गए हैं कि जनता सड़कों पर आंदोलित हो गई है। बहरहाल भारत के संदर्भ में यदि तेल-गैस, उर्वरक आदि के संकट घनीभूत होते रहे और महंगाई भड़कती रही, तो हमारी मुद्रा 'रुपए' का अवमूल्यन भी चिंता के स्तर पर पहुंच सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक मंच पर बढ़ायी भारत की प्रतिष्ठा और मान-सम्मान

डॉ. मोहन यादव

लेखक मप्र के मुख्यमंत्री हैं

यशस्वी श्री नरेन्द्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में ढाई दशक की गौरवपूर्ण यात्रा पर विशेष राजनीति के मैदान में ऐसे अनेक नेता और जननेता हुए हैं, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। इनमें कुछ अपनी प्रशासनिक क्षमता के लिए जाने गए, तो कुछ ने अपने राजनीतिक कौशल से अलग पहचान बनाई। लेकिन ऐसे नेता विरले ही होते हैं, जो संगठन से निकलकर मुख्यमंत्री के रूप में अपनी राजनीतिक और प्रशासनिक कार्यकुशलता की मिसाल कायम करें और आगे चलकर प्रधानमंत्री के रूप में न केवल देश की राजनीति और शासन-व्यवस्था को नई दिशा दें, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाये। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सार्वजनिक जीवन ऐसी ही असाधारण यात्रा का उदाहरण है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लगभग 13 वर्षों तक उन्होंने शासन की एक ऐसी शैली विकसित की, जिसमें विकास, सुशासन और जनभागीदारी को केंद्र में रखा गया। इसके बाद वर्ष 2014 में देश के प्रधानमंत्री का दायित्व संभालने के बाद उन्होंने भारत को आत्मनिर्भर, सुरक्षित, समृद्ध और विश्व में प्रभावशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए। उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे परिस्थितियों को केवल देखते नहीं, बल्कि उनमें परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं। दुनिया की राजनीति में कहाँ मौन रहना है, कहाँ अपनी बात स्पष्ट रूप से रखनी है और कहाँ दृढ़ता के साथ भारत के हितों की रक्षा करनी है। इसका संतुलन प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने अपनी विदेश नीति में लगातार प्रदर्शित किया है। भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्होंने विश्व के विभिन्न शक्ति-केंद्रों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत किया है। आज भारत विश्व राजनीति में एक प्रभावशाली शक्ति के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। अमेरिका और रूस जैसे देशों के साथ संबंधों में संतुलन बनाए रखना हो, पश्चिम एशिया में भारत के हितों की रक्षा करनी हो या रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे जटिल अंतरराष्ट्रीय विषयों पर शांति और संवाद का पक्ष रखना हो, प्रधानमंत्री जी ने भारतीय दृष्टिकोण को मजबूती से दुनिया के सामने रखा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी रही है कि संकट के समय भारत ने केवल अपने नागरिकों की ही चिंता नहीं की, बल्कि मानवता के प्रति अपने दायित्व को भी निभाया। कोरोना महामारी के कठिन दौर में भारत ने जिस प्रकार अपने नागरिकों की सुरक्षा और जरूरतों का ध्यान रखा, वह अभूतपूर्व था। इसके साथ ही भारत ने अनेक देशों को दवाइयाँ, वैक्सीन और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई। श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से लेकर तुर्किए तक, जब भी आवश्यकता पड़ी, भारत ने सहायता का हाथ बढ़ाया। युद्धग्रस्त क्षेत्रों से भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए भी प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में अनेक अभियान चलाए गए।

यूक्रेन में फंसे भारतीय विद्यार्थियों की सुरक्षित वापसी हो या संकटग्रस्त परिस्थितियों में अन्य भारतीय नागरिकों को स्वदेश लाना इन प्रयासों ने यह संदेश दिया कि भारत अपने प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। भारत की मानवीय संवेदनशीलता का परिचय उस समय भी मिला, जब कठिन अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बावजूद पड़ोसी देश पाकिस्तान के विद्यार्थियों को भी सुरक्षित उनके देश वापस पहुँचाने के प्रयास किए गए। उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा आतंकी हमले के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत आतंकवाद को सहन करने वाला देश नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर ने भी आतंकवाद के विरुद्ध भारत के संकल्प को दुनिया के सामने दृढ़ता से रखा। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मुद्दे को वैश्विक मंचों पर प्रभावी ढंग से उठाने और आतंकवाद के खिलाफ व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने में भारत को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। हाल ही में दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के माध्यम से भारत ने वैश्विक मंच पर स्वयं को एक संतुलित, व्यवहारिक और नीतिगत रूप से स्वायत्त राष्ट्र के रूप में मजबूती से स्थापित किया है। भारत की साख एक ऐसे देश के रूप में बनी है जो वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है और पश्चिमी देशों तथा पूर्वी शक्तियों के बीच संवाद का संतुलन बनाए रखने में सक्षम है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष गरीब और वंचित वर्गों के जीवन में बदलाव लाने का प्रयास है। जनकल्याण की योजनाओं में जाति, क्षेत्र या धर्म के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, उज्ज्वला योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का लाभ देश के करोड़ों परिवारों तक पहुँचा है। गरीबों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि उनके जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। पक्का घर, शौचालय, बिजली, गैस कनेक्शन, बैंक खाता, स्वास्थ्य सुरक्षा और खाद्यान्न की उपलब्धता जैसे विषयों को जनकल्याण की मुख्यधारा में लाया गया। आयुष्मान भारत योजना ने गरीब और असहाय परिवारों के लिए गंभीर बीमारियों के उपचार को आर्थिक रूप से अधिक सुलभ बनाया। इसी प्रकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से करोड़ों जरूरतमंद परिवारों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया।प्रधानमंत्री जी के लिए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' केवल नारा नहीं, बल्कि शासन का मूल मंत्र रहा है। प्रधानमंत्री के रूप में दायित्व संभालते ही श्री मोदी जी ने स्वच्छता को राष्ट्रीय अभियान का रूप दिया। उन्होंने स्वयं हाथ में झाड़ू लेकर स्वच्छता का संदेश दिया और देशवासियों से स्वच्छ भारत के निर्माण में भागीदारी का आह्वान किया।इस अभियान ने देश की सोच में परिवर्तन लाने का काम किया। गांवों से लेकर शहरों तक स्वच्छता जनआंदोलन बनी। मध्यप्रदेश ने भी इस अभियान में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। इंदौर का लगातार स्वच्छ शहरों में अग्रणी रहना इस जनभागीदारी का प्रेरक उदाहरण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लिया। आज भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत स्थिति बना चुका है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। चंद्रयान-3 की सफलता और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग ने पूरी दुनिया का ध्यान भारत की वैज्ञानिक क्षमता की ओर आकर्षित किया। प्रधानमंत्री जी का मानना है कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए भी प्रधानमंत्री जी ने अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए। उज्ज्वला योजना ने करोड़ों महिलाओं को रसोई के धुएँ से राहत दिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना ने महिलाओं को परिवार की संपत्ति में अधिक सम्मानजनक भागीदारी का अवसर दिया। महिला आरक्षण कानून ने राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम रखा है। 'लखपति दीदी' अभियान के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यह केवल महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की दिशा में एक बड़ा कदम है। 'विरासत के साथ विकास' की भावना के अनुरूप उन्होंने आधुनिक भारत को उसकी प्राचीन सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया है। योग, जो भारत की हजारों वर्ष पुरानी जीवन पद्धति है, उसे वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाने में प्रधानमंत्री जी की भूमिका उल्लेखनीय रही है। उनके प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दी। इसी प्रकार जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त करने का निर्णय राष्ट्रीय एकता और अखंडता की दृष्टि से ऐतिहासिक माना गया। 'मन की बात' के माध्यम से प्रधानमंत्री जी ने देश के सामान्य नागरिकों से सीधे संवाद की एक अनूठी परंपरा विकसित की। देश के दूरदराज के गांवों, छोटे शहरों और सामान्य परिवारों से जुड़े अनेक लोगों के कार्यों को राष्ट्रीय मंच मिला। यह संवाद प्रधानमंत्री जी के उस दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसमें भारत का विकास केवल सरकार के प्रयासों से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से संभव माना गया है। यशस्वी नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष केवल सत्ता में रहने की अवधि नहीं, बल्कि सेवा, संघर्ष, परिश्रम और राष्ट्र निर्माण की निरंतर यात्रा हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माध्यम से समाज और राष्ट्र सेवा का संकल्प लेकर शुरू हुई यह यात्रा गुजरात के मुख्यमंत्री से होते हुए देश के प्रधानमंत्री तक पहुँची। उनके लिए राष्ट्र प्रथम है और यही भावना उनके प्रत्येक निर्णय में दिखाई देती है। उन्होंने भारत को आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र बनाने का लक्ष्य सामने रखा है।उनके जन्मदिवस पर हम सभी का यह संकल्प होना चाहिए कि हम राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे और विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएँगे।

कहा गया है... परिश्रम में जो तपा है, उसने ही तो इतिहास रचा है।

जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है, उसने ही समय को मोड़ा है। समय को मोड़ देने का भी यही समय है, सही समय है। यह उद्घोष आज भारत के उस नेतृत्व के प्रति हमारे विश्वास को व्यक्त करता है, जिसने सेवा को साधना और राष्ट्र निर्माण को अपना ध्येय बनाया है। आइए, प्रधानमंत्री जी की 25 वर्षों की सेवा यात्रा के अवसर पर हम भी राष्ट्र निर्माण के इस महायज्ञ में अपनी आहुति देने का संकल्प लें। देश के लिए नई उम्मीदों का दीप जलाएँ, अपने सामर्थ्य के अनुसार योगदान दें और उस भारत के निर्माण में सहभागी बनें, जिसका सपना हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रनायकों ने देखा था। प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन 17 सितंबर को हम सभी अपने घरों और प्रतिष्ठानों में आशीर्वाद का एक दीप जलाएँ और उनकी दीर्घायु, स्वस्थ एवं यशस्वी जीवन की कामना करें। यह दीप उस विश्वास का प्रतीक बने कि भारत की विकास यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहे, देश आत्मनिर्भर एवं शक्तिशाली बने और वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प साकार हो। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना के साथ विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की यात्रा निरंतर आगे बढ़े, यही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस पर हमारी सबसे बड़ी शुभकामना है।

निर्माण और शिल्पकला के देवता भगवान विश्वकर्मा

रमेश सर्राफ धमोरा

भगवान विश्वकर्मा को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में इन्हें सृष्टि के दिव्य शिल्पकार, देवताओं के वास्तु विशेषज्ञ और पहले इंजीनियर के रूप में पूजा जाता है। विश्वकर्मा रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार के प्रतीक हैं। उनके सम्मान में भाद्रपद मास की सूर्यकन्या संक्रांति पर विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन मजदूर, कारीगर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और उद्योगपति अपने औजारों और मशीनों की पूजा करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चार युगों में विश्वकर्मा जी ने कई नगर और भवनों का निर्माण किया था। विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेठ ज्ञाता माने जाते हैं। जिन्होने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होनें ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है। जिसमें उन्हें ब्रह्मांड के निर्माता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिवलिंग की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं।

विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तुतंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तुविद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं। विश्वकर्मा जयंती का औद्योगिक जगत और भारतीय कलाकारों, मजदूरो, इंजीनियर्स आदि के लिए खास महत्व है।

विश्वकर्मा जयन्ती भारत के जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल, हरयाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा, त्रिपुरा, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में मनायी जाती है। नेपाल में भी विश्वकर्मा पूजा को बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। विश्वकर्मा के पूजन और उनके बताये वास्तुशास्त्र के नियमों का अनुपालन कर बनवाये गये मकान और दुकान शुभ फल देने वाले माने जाते हैं। इनमें कोई वास्तुदोष नहीं माना जाता। नएस्थान तलाशें

औद्योगिक श्रमिकों द्वारा इस दिन बेहतर भविष्य, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और अपने-अपने क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की जाती हैं। विश्वकर्मा जयन्ती के दिन देश के कई हिस्सों में काम बंद रखा जाता है और खूब पंतगबाजी की जाती है। विभिन्न प्रदेशों की सरकार विश्वकर्मा जयन्ती पर अपने कर्मचारियों को सावेतनिक अवकाश प्रदान करती है। यह त्योहार मुख्य रूप से दुकानों, कारखानों और उद्योगों द्वारा मनाया जाता है। इस अवसर पर, कारखानों और औद्योगिक क्षेत्रों के श्रमिक अपने औजारों की पूजा करते हैं।

विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। इनको गृहस्थ आश्रम के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माता और प्रवर्तक भी कहा गया है। अपने विशिष्ट ज्ञान-विज्ञान के कारण देवशिल्पी विश्वकर्मा मानव समुदाय ही नहीं वरन देवगणों द्वारा भी पूजित हैं। देवता, नर, असुर, यक्ष और गंधर्व सभी में उनके प्रति सम्मान का भाव है। भगवान विश्वकर्मा के पूजन- अर्चना किये बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यो में प्रयुक्त होनेवाले औजारों, कल-कारखानों और विभिन्न उद्योगों में लगी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है।

विश्वकर्मा को सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी का वंशज माना गया है। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तु देव थे। जिन्हें शिल्पशास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वास्तु देव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पद चिन्हों परचलते हुए विश्वकर्मा भी वास्तुकला के महान आचार्य बने। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वास्तुशिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ मानाजाता है।

पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्ग लोक की इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुर राजरावण की स्वर्णनगरी लंका, भगवान श्रीकृष्णकी समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। पौराणिक कथाओं में इन उत्कृष्ट नगरियों के निर्माण के रोचक विवरण मिलते हैं। उड़ीसा का विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर तो विश्वकर्मा के शिल्प कौशल का अप्रतिम उदाहरण माना जाता है। विष्णु पुराण में उल्लेख है कि जगन्नाथ मंदिर की अनुपम शिल्प रचना से खुश होकर भगवान विष्णु ने उन्हे शिल्पावतार के रूप में सम्मानित किया था।

महाभारत में पांडव जहां रहते थे उस स्थान को इंद्रप्रस्थ के नाम से जाना जाता था। इसका निर्माण भी विश्ववकर्मा ने किया था। कौरव वंश के हस्तिनापुर और भगवान कृष्ण के द्वारका का निर्माण भी विश्वणकर्मा ने ही किया था। सतयुग का स्वर्ग लोक, त्रेतायुग की लंका, द्वापर की द्वारिका और कलयुग के हस्तिनापुर आदि के रचयिता विश्वकर्मा जी की पूजा अत्यन्त शुभकारी है। सृष्टि के प्रथम सूत्रधार, शिल्पकार और विश्व के पहले तकनीकी ग्रन्थ के रचयिता भगवान विश्वकर्मा ने देवताओं की रक्षा के लिये अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण किया था।

विष्णु को चक्र, शिव के त्रिशूल, इंद्र को वज्र, हनुमान को गदा और कुबेर को पुष्पक विमान विश्वकर्मा ने ही प्रदान किये थे। सीता स्वयंवर में जिस धनुष को श्रीराम ने तोड़ा था वह भी विश्वकर्मा के हाथों बना था। जिस रथ पर निर्भर रहकर श्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन संसार को भस्म करने की शक्ति रखते थे उसके निर्माता विश्वकर्मा ही थे। पार्वती के विवाह के लिए जो मण्डप और वेदी बनाई गई थी वह भी विश्वकर्मा ने ही तैयार की थी।

हिंदी के महीने में

संतोष उत्सुक

व्यंग्य

हिंदी दिवस, साल में सिर्फ एक बार सितम्बर के महीने में आता है। इस दौरान मुझे अपनी बोलचाल में थोडा सा बदलाव महसूस होने लगता है। विशेषकर हिंदी दिवस से कुछ दिन पहले और बाद तक हिंदी प्रयोग में बढ़ोतरी हो जाती है। क्लिष्ट भाषा कभी नहीं बोलता, बोलचाल की भाषा बोलता हूं जिसे हिन्दुस्तानी कहते हैं, जिसमें उर्दू अंग्रेज़ी और न जाने कितनी भाषाओँ के शब्द घुल मिल गए हैं। सोचता हूं साल में सिर्फ एक बार हिंदी दिवस आने पर इतना बदलाव आता है। कितना अच्छा होता, हर माह सितम्बर होता उसके सारे दिन हिंदी दिवस होते। फिर तो मैं पूरे साल हिंदी खूब प्रयोग करता, शायद दूसरे भी प्रेरित होते । डिजिटलकैलेंडर चुनें

हिंदी का प्रयोग रोज़ाना, ज्यादा करना अव्यवहारिक है तभी इस महीने में हिंदी पखवाड़ा मनाने का भी खासा रुझान है। पूरे महीने नहीं पंद्रह दिन सही। इन दिनों कवि सम्मेलन जरुर आयोजित करवाए जाते हैं। किताबें, जो पहले आम या कम प्रसिद्ध लेखकों ने विमोचित की होती हैं उन्हें मंत्रिओं या अन्य प्रसिद्ध लोगों से दोबारा विमोचित करवाकर बड़ा अच्छा लगता है। जिनकी कोई किताब अभी तक नहीं आई वह सोचते हैं कि अगले साल तक छपवा ही देंगे ताकि बचे खुचे पाठकों का भला हो । हिंदी पखवाड़े के दौरान जब मेरा हिंदी बोलना बढ़ जाता है तो मेरे परिचित यह सोचकर कि आजकल इनका हिंदी मंथ चल रहा है, मेरे साथ शुद्ध हिंदी बोलने की कोशिश करते हैं हालांकि वे सोच अंग्रेज़ी में रहे होते हैं । जिस तरह अंग्रेज़ी स्कूलों में उन अध्यापकों के बच्चे भी पढ़ रहे होते हैं जो स्कूल में हिंदी पढ़ा रहे होते हैं। उन देशप्रेमी नेताओं के बच्चे भी, जो स्कूलों और संस्थाओं में जाकर हिंदी से सम्बंधित किसी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बन रहे होते हैं। वैसे तो कान्वेंट स्कूलों के छात्र भी हिंदी पंजाबी बोल ही लेते हैं। परिवार का जो सदस्य अंग्रेज़ी में बात कर सकता है उससे अंग्रेज़ी में करते हैं, जिसे अंग्रेज़ी नहीं आती उनसे दूसरी भाषा में बतियाते हैं।

इस महीने में भी, हिंदी में छपे सरकारी निमंत्रण पत्रों में गलतियां रह ही जाती हैं क्यूंकि हिंदी माह मनाने में व्यस्त होते हैं। वैवाहिक आमंत्रण भी अंग्रेज़ी में ही छपवाए जाते हैं। हिंदी का नुकसान इसकी कलिष्टता के हामियों ने भी किया। सरकारी भाषा अधिकारी इसमें खूब भूमिका निभा रहे हैं। 'आज़ाद' शब्द उर्दू भाषा का है यह जानकर, अपनी नाम पट्टिका में से अपने नाम के आगे से मिटवा देते हैं।

व्यावहारिक स्तर पर देखा जाए तो अंग्रेज़ी में लिखा काफी कुछ, अगर हिंदी में अनुवाद कर बोलना चाहें तो बेस्वाद हो सकता है। बेकरी में 'हॉट डॉग' की जगह 'गर्म कुत्ता' मांग कर देखिए। 'हाइड एंड सीक' बिस्कुट को 'छुपो और ढूंढो' कहना, खोया खोया सा लगेगा। एक बेकिंग कम्पनी के नारे 'ओवर बेक्ड गुडनेस' को 'ज्यादा सेंकी अच्छाई' कहें तो अच्छा नहीं लगेगा । 'जिंजर' नामक वस्त्र ब्रांड को 'अदरक' कहकर मसाले जैसा अनुभव होगा। एक वस्त्र ब्रांड के नारे, 'क्लोदिंग मैनकाइंड सिंस 1876' है का अनुवाद '1876 से मानवता को वस्त्र पहनाने वाले' कर कैसा लगेगा । 'डस्टर' नामक कार को 'झाड़न' बोलना उसकी शान में कमी करना होगा। क्या 'मनी प्लांट' को 'पैसे का पेड़' कह सकते हैं। हर भाषा का प्रभाव अलग अलग है इसलिए क्या सितंबर और क्या हिंदी दिवस, सब बहाने हैं।

सवाल पूछने की आजादी बनाम सोशल मीडिया की अराजकता

राज कुमार सिन्हा

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके को मध्य प्रदेश के बालाघाट में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स द्वारा घेरे जाने और उनके साथ तीखी बहस करने की घटना इंटरनेट पर एक बड़ी बहस का विषय बनी हुई है। इस व्यवहार के जायज होने या न होने को लेकर सोशल मीडिया और आम जनता के बीच दो बेहद अलग और स्पष्ट दृष्टि देखा जा रहा है।सोशल मीडिया पर एक वर्ग का मानना है कि इन्फ्लुएंसर्स का सवाल पूछना गलत नहीं था।बालाघाट के गांवों में संक्रामक बीमारियों से आदिवासी बचों की दुखद मौत हुई थी। दीपके जब पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे, तो महिला इन्फ्लुएंसर ने माइक लगाकर उनसे पूछा कि वे इतनी देरी से क्यों आए हैं, जिस पर खुद दीपके ने भी देरी के लिए माफी मांगी थी। वीडियो में इन्फ्लुएंसर्स को यह कहते भी सुना गया कि यहां अछी सड़कें बनी हैं, क्या आपको दिखाई नहीं दे रहा है? समर्थकों का मानना है कि केवल राजनीतिक नैरेटिव बनाने के बजाय क्षेत्र में हुए विकास और हकीकत पर सवाल पूछना जायज है। इन्फ्लुएंसर्स ने उन पर लाशों पर राजनीति करने का आरोप लगाया। कुछ लोगों का कहना है कि जब कोई सार्वजनिक हस्ती या राजनीतिक आंदोलन का नेता किसी संवेदनशील मुद्दे को समझने आता है, तो जनता या कंटेंट क्रिएटर्स को उनसे तीखे सवाल पूछने का पूरा अधिकार है। दूसरी ओर, एक बड़ा वर्ग इस व्यवहार को पूरी तरह से गलत और परेशान करने वाला मान रहा है। स्थानीय मीडिया कर्मियों और पत्रकारों ने इस बात पर आश्चर्य जताया कि इतनी दूरदराज के आदिवासी इलाकों में अचानक बाहर से आए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का यह समूह कैसे पहुंच गया। कुछ लोगों ने आशंका जताई कि यह दीपके के दौरे में बाधा डालने के लिए एक सुनियोजित प्रयास हो सकता है।वीडियो में जिस तरह कार को घेरकर आक्रामक अंदाज में तीखे सवाल पूछे गए और बाद में उनके जाने पर वह भाग गया, वह भाग गया कहकर हूटिंग की गई, उसे कई विश्लेषक पत्रकारिता या स्वतंत्र राय नहीं बल्कि व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाना और कंटेंट के लिए हंगामा खड़ा करना मान रहे हैं।आलोचकों का कहना है कि इन्फ्लुएंसर्स ने सरकार से सवाल पूछने के बजाय विपक्ष या आंदोलनकारी नेताओं को घेरकर मूल मुद्दे से ध्यान भटकाने का काम किया है।किसी संवेदनशील मुद्दे पर राजनेताओं या सामाजिक कार्यकर्ताओं से सवाल पूछना लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी का हिस्सा है, लेकिन सवाल पूछने का तरीका, मंशा और उसकी भाषा मर्यादित होनी चाहिए। इसमें अक्सर वास्तविक मुद्दों पर चर्चा होने के बजाय हंगामा, तीखी बहस और व्यक्तिगत हमले हावी हो जाते हैं। जब किसी को अचानक आक्रामक तरीके से घेरा जाता है, तो वह आत्मरक्षा में आ जाता है। ऐसे माहौल में किसी भी गंभीर या प्रशासनिक समस्या का तार्किक समाधान या सही जवाब निकलना नामुमकिन हो जाता है। कई बार यह तरीका केवल सोशल मीडिया पर व्यूज और ध्यान खींचने के लिए अपनाया जाता है। यही वजह है कि जहां एक पक्ष इसे नेताओं की जवाबदेही तय करने वाला रियलिटी चेक कह रहा है, वहीं दूसरा पक्ष इसे केवल पब्लिसिटी के लिए की गई हूटिंग और एक गंभीर मुद्दे को दबाने का प्रयास मान रहा है।एक पेशेवर पत्रकार और केवल कैमरा लेकर सड़क पर उतरे किसी व्यक्ति में कुछ बुनियादी फर्क होते हैं, जो मर्यादित पत्रकारिता को जरूरी बनाते हैं। मर्यादित पत्रकारिता में सवाल पूछने से पहले पूरी रिसर्च की जाती है। वहां केवल आरोप नहीं लगाए जाते, बल्कि सबूतों और आंकड़ों के साथ बात की जाती है।पेशेवर पत्रकारिता की एक आचार संहिता होती है। इसमें तीखे से तीखे सवाल भी पूरी शालीनता, संयम और बिना किसी शारीरिक या मानसिक दबाव के पूछे जाते हैं। लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए सवाल पूछने की आजादी जितनी जरूरी है, उतनी ही जरूरी सवाल पूछने की मर्यादा भी है। बिना मर्यादा के की गई पत्रकारिता केवल अराजकता को जन्म देती है, समाधान को नहीं। बालाघाट जैसी घटना में, जहां बचों की मौत एक बेहद गंभीर और संवेदनशील मुद्दा है, वहां मर्यादित पत्रकारिता का काम प्रशासन की कमियों को उजागर करना है। जब पत्रकारिता मर्यादित नहीं होती, तो पूरा मामला किसने किससे क्या कहा के व्यक्तिगत झगड़े में बदल जाता है और मुख्य पीड़ित गरीब परिवार जिन्होंने बचे खोए हैं वो हाशिए पर चले जाते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जिस सामग्री को अधिक लोग देखते, साझा करते और उस पर प्रतिक्रिया देते हैं, उसे एल्गोरिदम अधिक लोगों तक पहुंचाता है। इसका परिणाम यह है कि शांतिपूर्ण बातचीत, दस्तावेजों के आधार पर की गई खोजी रिपोर्ट और तथ्यात्मक विश्लेषण की तुलना में टकराव, उत्तेजना, गुस्सा और विवाद अधिक तेजी से वायरल हो जाते हैं।इससे एक नया 'कंटेंट कल्चर' पैदा हुआ है जिसमें कई बार वास्तविक पत्रकारिता से यादा महत्वपूर्ण यह हो जाता है कि वीडियो कितना वायरल हुआ है। किसी व्यक्ति को घेरना, उसकी प्रतिक्रिया को उकसाना, फिर उस प्रतिक्रिया को शीर्षक बनाकर प्रसारित करना,यह मॉडल दर्शकों का ध्यान तो खींच सकता है, लेकिन इससे जरूरी नहीं कि जनता को वास्तविक समस्या की बेहतर जानकारी मिले। फॉलोअर्स की संख्या विश्वसनीयता का प्रमाण नहीं है और वायरल वीडियो तथ्यात्मकता का प्रमाण नहीं है। बालाघाट की घटना को केवल अभिजीत दीपके और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के बीच विवाद के रूप में देखना इस पूरे मामले को छोटा कर देना होगा। असल में यह भारत में तेजी से बदलते मीडिया परिदृश्य की तस्वीर है। एक तरफ सोशल मीडिया ने आम नागरिक को अपनी बात कहने का अभूतपूर्व अधिकार दिया है। दूसरी तरफ इसी माध्यम ने सूचना, राय, प्रचार, मनोरंजन और पत्रकारिता के बीच की सीमाओं को धुंधला कर दिया है। आज हर व्यक्ति को सवाल पूछने का अधिकार है, लेकिन हर सवाल पत्रकारिता नहीं है। हर कैमरा समाचार माध्यम नहीं है। हर वायरल वीडियो सत्य नहीं है और हर तीखा सवाल जनहित का सवाल नहीं होता। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि कौन जीता और कौन हार गया। असली सवाल यह होना चाहिए कि क्या इस पूरे विवाद के बाद उन आदिवासी बच्चों की मौत के वास्तविक कारण, प्रशासनिक जवाबदेही और पीड़ित परिवारों की समस्याएं पहले से अधिक स्पष्ट हुआ या सोशल मीडिया का शोर उन सवालों को ही निगल गया? इन्ही कारणों से भारत में डिजिटल इन्फ्लुएंसर्स, सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स और पारंपरिक पत्रकारों के लिए जवाबदेही, पारदर्शिता और नैतिकता तय करने के मकसद से सरकार, सुप्रीम कोर्ट और नियामक संस्थाएं लगातार नियमों को सख्त कर रही हैं। केवल व्यूज या फॉलोअर्स के दम पर कुछ भी पोस्ट करने की छूट नहीं है। नए नियमों के अनुसार, यदि कोई व्यक्तिगत क्रिएटर जो पंजीकृत न्यूज चैनल नहीं है और यूट्यूब, इंस्टाग्राम या एक्स पर समाचार या राजनीतिक कंटेंट पोस्ट करता है, तो वह भी सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के दायरे में आ सकता है। सोशल मीडिया ने सूचना प्रसारित करने का अधिकार करोड़ों लोगों तक पहुंचाया है। लेकिन इसके साथ सूचना की विश्वसनीयता, तथ्य की जांच, स्रोतों की पुष्टि और जवाबदेही की समस्या भी बढ़ी है। पारंपरिक पत्रकारिता में किसी आरोप को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले तथ्य जुटाने, संबंधित पक्ष का जवाब लेने और संदर्भ देने की अपेक्षा होती है।

'...ये तो आंखों पर पट्टी बांधकर मुक्के खाने जैसी स्थिति'

ईरान के हमलों के बाद अमेरिकी सैन्य अड्डों पर तबाही की तस्वीरें आईं सामने

वॉशिंगटन

पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हुए ईरानी मिसाइल और ड्रोन हमलों को लेकर एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। अमेरिकी मीडिया हाउस को कुछ विशेष और नई तस्वीरें हाथ लगी हैं, जिनसे इन हमलों में अमेरिकी ठिकानों को हुए भारी नुकसान की असलियत का पता चलता है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि तस्वीरें मुहैया कराने वाले अमेरिकी सैनिकों ने अपनी पहचान गुप्त रखने की शर्त पर बताया कि इस विनाशकारी नुकसान की पूरी सच्चाई अब तक अमेरिकी जनता से छिपाई गई थी।

सबसे पहले सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयरबेस की बात करें तो यहां की एक तस्वीर में बोइंग ई-3 सेंट्री विमान के पिछले हिस्से पर सीधा हमला देखा जा सकता है। इस विमान की पूंछ पूरी तरह से जल चुके मुख्य ढांचे से अलग हो चुकी थी।

इस हिस्से में हवा में जासूसी और खुफिया जानकारी जुटाने वाला रडार सिस्टम लगा होता है। बेस की अन्य तस्वीरों में बैरक और इमारतें भी पूरी तरह तबाह नजर आईं।

दूसरी ओर कुवैत के कैंप ब्यूहरिंग से सामने आई तस्वीर भी भयावह है। अमेरिकी थल सेना और बख्तरबंद वाहनों के इस प्रमुख ठिकाने पर भी भारी तबाही की तस्वीरें सामने आई हैं। यहां जले हुए ट्रेलर, क्षतिग्रस्त इमारतें

और एक बुरी तरह क्षतिग्रस्त वाहन दिखाई दिया, जो ईरानी हमलों का शिकार हुआ था। इसके अलावा कुवैत के ही कैंप आरिफजान बेस पर भी एक इमारत को हमलों में काफी नुकसान पहुंचा है।

गौर करने वाली बात है कि जारी इस भीषण संघर्ष के बीच हाल ही में अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के इंस्पेक्टर जनरल की एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि इस संघर्ष के दौरान अमेरिकी सेना को लगभग 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक के उपकरणों के नुकसान का सामना करना पड़ा है, जिसमें लगभग 60 विमान भी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कुवैत, बहरीन, कतर, यूएई, सऊदी अरब, इराक, ओमान और जॉर्डन में स्थित अमेरिकी ठिकानों पर ईरानी हमलों को दर्ज किया है।

बता दें कि एक तैनात अमेरिकी सैनिक ने सीबीएस न्यूज से बात करते हुए सरकार और रक्षा अधिकारियों के दावों पर सवाल उठाया। उन्होंने रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के उस बयान का भी विरोध किया, जिसमें उन्होंने हालिया हमलों को केवल छिटपुट मिसाइलें बताकर खारिज करने की कोशिश की थी।

सैनिक ने कड़े शब्दों में कहा कि यह ऐसा है जैसे हम अपनी आंखें बंद करके खड़े हैं और मुक्के खा रहे हैं। हम इन अड्डों की रक्षा नहीं कर रहे हैं, बल्कि चुपचाप इन्हें तबाह होते देख रहे हैं।

मक्का तक पहुंचा हूती विद्रोहियों का खतरा, सऊदी की लड़ाई से बचने के लिए पाकिस्तान ने चली चाल

इस्लामाबाद

इतिहास में पहली बार, सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोही समूह के बीच लड़ाई तेज होने के कारण इस्लाम के पवित्र शहर मक्का को हवाई हमलों की चेतावनी के साथ आपातकालीन अलर्ट पर रखा गया। हालांकि, कुछ ही मिनटों में अलर्ट को हटा लिया गया, लेकिन इसने मुस्लिम दुनिया में आक्रोश पैदा कर दिया और इलाके में चल रहे संघर्ष को और गहरा कर दिया।

इसने सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की के बीच बहुतचर्चित मक्का समझौते में दरारों को भी उजागर कर दिया है, क्योंकि इस्लामाबाद के अपने हित के कारण लड़ाई से पीछे हटने के बाद रियाद ने मदद के लिए तेल अवीव का रुख किया। इजरायली मीडिया के मुताबिक, इजरायल और सऊदी अरब ने अमेरिकी सेंट्रल कमांड की

मध्यस्थता में बातचीत की है, जिसमें रियाद ने द येरूसलम पोस्ट के अनुसार, खुफिया सहायता के माध्यम से हूती हमलों से खुद को बचाने के लिए तेल अवीव से मदद मांगी। सऊदी अरब और इजरायल के बीच औपचारिक संबंध नहीं है, क्योंकि किंगडम अब्राहम समझौते में शामिल नहीं हुआ है और उसका मानना है कि तेल अवीव के साथ औपचारिक सामान्यीकरण के लिए फलस्तीनी राज्य के गठन की दिशा में एक स्पष्ट और अपरिवर्तनीय रास्ते की आवश्यकता है।

इसके बावजूद, रिपोर्ट में कहा गया है कि किंगडम को क्षेत्र में हूती सैन्य तैनाती की व्यापक तस्वीर विकसित करने और भविष्य के अभियानों के लिए संभावित योजनाओं की पहचान करने के लिए खुफिया समर्थन पर केंद्रित इजरायल की सहायता लेनी पड़ी।

यह तब हुआ जब इस्लामाबाद ने यमन में हूती ठिकानों के खिलाफ सऊदी अरब के साथ सैन्य हमलों में शामिल होने से परहेज किया, यह कहते हुए कि हाल ही में हस्ताक्षरित मक्का संयुक्त रक्षा समझौते को अभी अंतिम रूप दिया जा रहा है और इसे अभी इसके कार्यान्वयन के संदर्भ में नहीं देखा जाना चाहिए। पाकिस्तान के डॉन अखबार ने पिछले सप्ताह रिपोर्ट दी थी कि पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने जोर देकर कहा कि यमन के अंदर हूती ठिकानों पर पाकिस्तानी बलों के हमले की संभावना वर्तमान में केवल एक काल्पनिक स्थिति है। हालांकि, इस रुख पर आलोचना के बाद, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि सऊदी अरब पर किसी भी हमले से मक्का रक्षा गठबंधन सक्रिय हो सकता है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि रियाद ने इस्लामाबाद से संपर्क किया है या नहीं, लेकिन उन्होंने दोहराया कि हम समझौते के अनुसार मदद करने या प्रतिक्रिया देने के लिए बाध्य हैं।

हूती हमलों का खतराः अमेरिका की लेवल-3 एडवाइजरी जारी

वॉशिंगटन। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और लगातार हो रहे हमलों के बीच अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए एक चेतावनी जारी की है।अमेरिकी विदेश विभाग ने सऊदी अरब की यात्रा को लेकर लेवल-3 एडवाइजरी जारी करते हुए अपने नागरिकों से वहां की यात्रा पर फिर से विचार करने को कहा है। बता दें कि ट्रंप प्रशासन की ओर से जारी यह चेतावनी ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब पर लगातार दागे जा रहे ड्रोन्स और मिसाइलों के बाद आई है। क्षेत्र में बढ़ते तनाव और संभावित हमलों के चलते सऊदी अरब में अमेरिकी हितों को निशाना बनाया जा सकता है।

चिनफिंग के बीमार होने की अटकलें तेज, क्या इसलिए 24 घंटे बाद भारत से रवाना हो गए थे चीन के राष्ट्रपति?

बीजिंग

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की तबीयत को लेकर अक्सर कई तरह की खबरें सामने आती हैं। एक बार फिर शी चिनफिंग की सेहत को लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। शी चिनफिंग 12-13 सितंबर के बीच भारत में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आए थे। वे नई दिल्ली में एक दिन ही रुके, इस बात को लेकर भी चिनफिंग के आलोचक सवाल कर रहे हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मीटिंग के दौरान भी चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से पूछा था, क्या सब ठीक है? लोकल मीडिया के मुताबिक, पीएम मोदी ने देखा कि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग बेचैन लग रहे थे और वे उनका हाल जानने के लिए रुके, जबकि उनके सहयोगी भी शी की ओर तेजी से बढ़ते दिखे। यह एक छोटा सा पल था, जो ऑनलाइन तेजी से वायरल हो गया, क्योंकि कमेंटेटर्स

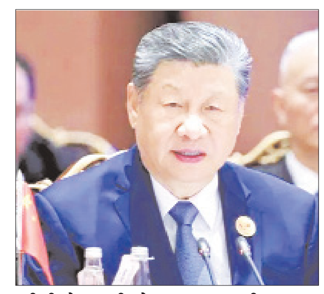

चीनी नेता की सेहत पर अपनी राय देने लगे। चीन के कड़े आलोचक और लेखक गॉर्डन जी. चांग ने लिखा, %शी जिनपिंग की तबीयत ठीक नहीं है। इस बार चीन उनकी हालत छिपा नहीं सका। चीन की एक और आलोचक, जेनिफर जेंग ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के एक पूर्व अधिकारी का हवाला देते हुए दावा किया कि शी चिनफिंग सेरिबेलर एट्रोफी से पीड़ित हैं।

जेनिफर जेंग का कहना है, इस स्थिति से निपटना मुश्किल है, क्योंकि शरीर के कुछ अन्य अंगों की समस्याओं के विपरीत, सेरिबैलम को आसानी से ट्रांसप्लांट के जरिए बदला नहीं जा सकता। अलग-अलग संकेतों को देखते हुए, यह काफी संभव है कि शी चिनफिंग वाकई सेहत से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। राष्ट्रपति शी चिनफिंग का भारत का दौरा, जो सिर्फ 24 घंटे का था, उनकी सरकार के आलोचकों को चर्चा का नया विषय दे गया। इसी के चलते उनकी सेहत का मुद्दा अब लोगों की नजरों में आ गया है। चिनफिंग समिट से जल्दी चले गए और पीएम मोदी के गाला डिनर में शामिल भी नहीं हुए, जबकि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा वहीं रुके रहे। अमेरिका भाग चुके चीनी राजनीतिक कार्यकर्ता जी वानजुन ने लिखा, ब्रिक्स समिट खत्म होने से पहले ही, शी जिनपिंग ने भारत का अपना दौरा खत्म किया और तय समय से पहले बीजिंग लौट गए।जी वानजुन ने आगे लिखा, प्लेन में चढ़ते समय शी चिनफिंग को चलने में मुश्किल हो रही थी, उनके कदम लड़खड़ा रहे थे और उनका शरीर बार-बार बाईं ओर झुक रहा था।

उत्तर प्रदेश के 57 हजार से अधिक पंचायत सहायकों का मानदेय बढ़ा, तीन हजार रुपये का इजाफा

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार ने पंचायत सहायकों को बड़ा उपहार दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मानदेय छह हजार से बढ़ाकर नौ हजार रुपये प्रतिमाह करने का फैसला किया है।

सरकार ने पंचायत सहायकों को इसके अलावा सेवा सुरक्षा, कैशलेस उपचार और महिला पंचायत सहायकों को मातृत्व अवकाश भी देने की घोषणा की है। इसके साथ ही आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमे वापस लेने और कार्रवाई में हटाए गए सहायकों को बहाल करने की भी घोषणा की गई है।

मुख्यमंत्री की इस घोषणा का 57 हजार से अधिक पंचायत सहायकों को लाभ मिलेगा और मानदेय ष्क्क्ष से सीधे खाते में आएगा। अब पंचायत सहायकों को प्रधान व सचिव नहीं हटा सकेंगे। इनके किसी भी प्रकरण में डीएम की अध्यक्षता वाली कमेटी ही फैसला करेगी। सरकार ने हटाए गए पंचायत सहायकों की बहाली करने के साथ ही आंदोलन के दौरान हुए केस वापस लेने का फैसला किया है।

जापान में पहली बार 100 वर्ष से ज्यादा उम्र वालों की संख्या एक लाख के पार पहुंची

टोक्यो,(वार्ता)। जापान में 100 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों की संख्या इस वर्ष बढ़कर 1,07,677 हो गई है। देश में पहली बार शतायु लोगों की संख्या एक लाख के पार हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, जापान में शतायु लोगों की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। मंत्रालय के अनुसार यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 7,914 अधिक है। इनमें से अधिकतर महिलाएं हैं, जिनकी संख्या 94,298 हैं। गौरतलब है कि जापान की कुल आबादी 12 करोड़ 23 लाख है। जापान टाइम्स के अनुसार, देश में सौ वर्ष से अधिक उम्र वाले लोगों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

अमेरिका-ईरान युद्ध पर 38 अरब डॉलर से अधिक खर्च, मिसाइल रक्षा प्रणाली को उबरने में लगेंगे कई वर्ष : रिपोर्ट

वाशिंगटन, (स्पुतनिक/वार्ता)

ईरान के खिलाफ जारी युद्ध के कारण अमेरिका को एक अगस्त तक करीब 38.1 अरब अमेरिकी डॉलर (2,69,545 करोड़ रुपये) का भारी वित्तीय नुकसान हो चुका है। सैन्य अभियानों की तीव्रता के आधार पर आने वाले एक महीने की लड़ाई में अमेरिका को दो से तीन अरब डॉलर का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ सकता है। इस का खुलासा अमेरिकी कांग्रेस के बजटीय कार्यालय (सीबीओ) की ताजा रिपोर्ट से हुआ है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि इस युद्ध में सबसे बड़ा खर्च गोला-बारूद की पुन÷आपूर्ति पर हुआ है। अमेरिका ने अब तक इस्तेमाल किये गये गोला-बारूद की जगह नये हथियार खरीदने पर लगभग 21.7 अरब डॉलर खर्च किये हैं। इसमें से केवल 13.1 अरब डॉलर उन मिसाइल-डिफेंस इंटरसेप्टर पर खर्च हुए हैं, जिनका उपयोग ईरानी बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोनों को हवा में ही नष्ट करने के लिए किया गया था। सीबीओ के अनुसार, जून 2025 से अब तक अमेरिका अपने मिसाइल-डिफेंस इंटरसेप्टर स्टॉक का करीब आधा से दो-तिहाई हिस्सा इस्तेमाल कर चुका है और ईरान युद्ध के कारण इस भंडार में भारी गिरावट आयी है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गयी है कि यदि हथियारों का उत्पादन बढ़ाया भी जाता है, तो भी इस भंडार को पहले जैसी स्थिति में लाने में कम से कम पांच वर्ष का समय लगेगा। ईरान ने अमेरिकी रक्षा उपकरणों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। संस्था के अनुसार, अमेरिका को युद्ध के मैदान में लगभग 1.9 अरब डॉलर के सैन्य उपकरणों का नुकसान हुआ है, जिसमें 50 करोड़ डॉलर का टर्मिनल हाई ऑल्टीट्यूड एरिया डिफेंस रडार सिस्टम, लड़ाकू विमान और ड्रोन शामिल हैं।

इस संघर्ष का आर्थिक असर अब अमेरिकी नागरिकों पर भी पड़ रहा है। युद्ध के कारण कच्चे तेल, पेट्रोल और डीजल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं, जिससे महंगाई में उछाल आया है। ईंधन की बढ़ी हुई लागत का असर अब धीरे-धीरे देश की पूरी अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है।

एनसीसी की 20 महिला कैडेटों ने 5,578 मीटर ऊंचे परांग ला दर्रे को पार किया

नयी दिल्ली (वार्ता)। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की 20 महिला कैडेटों ने अपराजिता-परांग ला 2026 के तहत अत्यधिक ऊंचाई वाले लंबे ट्रेक को सफलतापूर्वक पूरा किया है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि लद्दाख के करज़ोक में एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स और रक्षा मंत्रालय की अपर सचिव दीप्ति मोहिल चावला ने अभियान दल का स्वागत किया। देशभर से चयनित कैडेटों के दल ने हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी को लद्दाख के चांगथांग क्षेत्र से जोड़ने वाले 5,578 मीटर ऊंचे परांग ला दर्रे को पार किया। दल ने 30 दिन में करीब 250 किलोमीटर की दूरी तय की। इस दौरान टीम ग्लेशियरों, बर्फ के मैदानों, नदी घाटियों और अन्य कठिन ऊंचाई वाले इलाकों से होकर गुजरी। अधिकारियों, प्रशिक्षकों, चिकित्सा कर्मचारियों और सहायक कर्मियों के साथ दल ने हिमाचल प्रदेश के किब्बर से लद्दाख के करज़ोक तक की यात्रा पूरी की। इस अभियान दल को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 18 अगस्त को राजधानी दिल्ली से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। लेफ्टिनेंट जनरल वत्स ने अभियान के सफल समापन पर कैडेटों और स्टाफ को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां युवाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, टीम वर्क और सहनशक्ति विकसित करने में योगदान देती हैं। इस ट्रेक का आयोजन युवा महिलाओं को साहसिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने और उन्हें चुनौतीपूर्ण अधिक ऊंचाई वाली परिस्थितियों से परिचित कराने के उद्देश्य से किया गया था।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

दो बेटियां होना मेरे लिए डबल बोनस है : अनिल कपूर

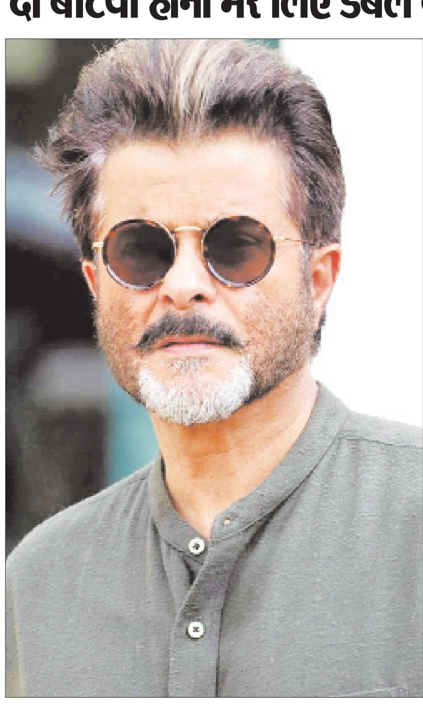

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर का कहना है कि उनकी बेटियां सोनम और रिया उनके लिए डबल बोनस है। अनिल कपूर जल्द ही 'इंडिया के टॉप 1% : द अनिल कपूर शो' में नजर आएंगे। शो के दौरान एक प्रतिभागी ने परिवार को समय देने के लिए काम से ब्रेक लेने के अपने फैसले के बारे में बताया। इस पर अनिल ने अपने जीवन का एक भावुक अनुभव साझा किया।

अनिल ने बताया कि जब रिया का जन्म हुआ था, तब वह लगातार शूटिंग कर रहे थे और अस्पताल देर से पहुंच पाए थे। उन्होंने कहा कि रिया के जन्म के समय वहां नहीं पहुंच पाने का उन्हें आज भी अफसोस है।

अनिल कपूर ने कहा, बेटी का होना अपने आप में एक बोनस है और मेरी तो दो बेटियां हैं, सोनम और रिया। इसलिए मेरे लिए यह डबल बोनस है।उन्होंने कहा कि वह अब समझ रहे हैं कि परिवार को समय देना कितना महत्वपूर्ण है। अनिल के अनुसार, उनके दोनों दामाद भी अपने काम और परिवार के बीच अच्छा संतुलन बनाते हैं। इंडिया के टॉप 1% में अनिल कपूर के साथ दर्शकों को उनके पारिवारिक और भावुक पक्ष की झलक भी देखने को मिलेगी। शो में 100 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे, जबकि दर्शक जियोहॉटस्टार पर प्ले अलॉन्ग के जरिए खेल में शामिल हो सकेंगे और पुरस्कार जीतने का मौका भी पा सकेंगे। इंडिया के टॉप 1% : द अनिल कपूर शो का प्रीमियर 19 सितंबर को रात आठ बजे स्टार प्लस और जियोहॉटस्टार पर होगा।

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की फिल्म द वन का ट्रेलर रिलीज

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया अभिनीत फिल्म द वन का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। एकता कपूर निर्मित और दीपक मिश्रा निर्देशित यह फिल्म भारतीय लोककथाओं और अलौकिक शक्तियों पर आधारित रहस्यमयी दुनिया की कहानी पेश करती है।फिल्म की कहानी अरुणाभ कुमार ने लिखी है। ट्रेलर में सिद्धार्थ और तमन्ना के किरदारों के साथ रहस्य, रोमांच और अलौकिक घटनाओं की झलक देखने को मिलती है। फिल्म का निर्माण शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अरुणाभ कुमार और नीरज कोठारी ने किया है। बालाजी मोशन पिक्चर्स और द वायरल फीवर के सहयोग से बनी इस फिल्म को 11÷11 प्रोडक्शंस से भी जोड़ा गया है। फिल्म की कहानी की दुनिया को विस्तार देने के लिए द लीजेंड ऑफ द वन नामक कॉमिक भी पेश की गई है। कॉमिक के जरिए फिल्म के रहस्यमयी संसार और उसके किरदारों से जुड़ी कहानी को आगे बढ़ाया गया है।

गांधारी ने बनाया नया नेटफ्लिक्स रिकॉर्ड, दूसरे सप्ताह में मिले 9.6 मिलियन व्यूज़

तापसी पन्नू अभिनीत नेटफ्लिक्स फिल्म %गांधारी% ने वैश्विक स्तर पर नया रिकॉर्ड बनाया है। फिल्म ने रिलीज के दूसरे सप्ताह में 9.6 मिलियन व्यूज़ और 18.7 मिलियन वॉच ऑवर्स दर्ज किए हैं।नेटफ्लिक्स के आधिकारिक वैश्विक आंकड़ों के अनुसार, किसी भारतीय नेटफ्लिक्स ओरिजिनल फिल्म के लिए एक सप्ताह में यह सर्वाधिक व्यूअरशिप है। फिल्म नॉन-इंग्लिश फिल्मों के वैश्विक चार्ट में पहले स्थान पर पहुंच गई है। यह 17 देशों में नंबर एक पर ट्रेंड कर रही है, जबकि 58 देशों में शीर्ष 10 में शामिल है।फिल्म ने पहले सप्ताह में 5.9 मिलियन व्यूज़ और 11.5 मिलियन वॉच ऑवर्स हासिल किए थे। दूसरे सप्ताह में इसकी व्यूअरशिप में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। गांधारी लेखिका और निर्माता कनिका ढिल्लों की नेटफ्लिक्स के साथ लगातार चौथी फिल्म है। वहीं, तापसी पन्नू और कनिका ढिल्लों की जोड़ी की यह तीसरी नेटफ्लिक्स फिल्म है। इससे पहले दोनों हसीन दिलरुबा और फिर आई हसीन दिलरुबा में साथ काम कर चुकी हैं।तापसी पन्नू ने कहा कि दुनियाभर में फिल्म को मिल रहा प्यार और लगातार बढ़ती व्यूअरशिप बेहद शानदार अनुभव है। उन्होंने कहा कि दर्शकों का फिल्म को शुरुआती प्रदर्शन से आगे लेकर जाना उनके साथ बने जुड़ाव को दर्शाता है।कनिका ढिल्लों ने दर्शकों का आभार जताते हुए कहा कि दूसरे सप्ताह में मिली जबरदस्त व्यूअरशिप इस बात का संकेत है कि दर्शकों ने फिल्म की कहानी को पसंद किया है। उन्होंने नेटफ्लिक्स और मोनिका शेरगिल का भारतीय कहानियों को समर्थन देने के लिए धन्यवाद किया।

कथा पिक्चर्स निर्मित और देवाशीष मखीजा निर्देशित %गांधारी% एक मां की कहानी है, जो अपने अपहृत बच्चे को बचाने के लिए तमाम मुश्किलों का सामना करती है। फिल्म दुनियाभर में नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

जिले का सीताफल बनेगा किसानों की समृद्धि का आधार

बाजार एवं निर्यात की संभावनाओं को लेकर शीघ्र आयोजित होगी जिला स्तरीय कार्यशाला

सिवनी। स्वतंत्र मत। एक जिला-एक उत्पाद के तहत चयनित एवं जीआई टैग प्राप्त सिवनी जम्मो सीताफल जिले के किसानों की समृद्धि का आधार बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सीताफल की विशिष्ट पहचान को व्यापक बाजार से जोड़ने तथा किसानों को उत्पादन का बेहतर मूल्य दिलाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशन में सीताफल से समृद्धि अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत जिले में सीताफल पौधों की गणना, सर्वेक्षण एवं उत्पादक किसानों के पंजीयन का कार्य कराया जा रहा है, जो अब अंतिम चरण में है। सिवनी जम्मो सीताफल को प्राप्त जीआई टैग इसकी विशिष्ट पहचान को प्रमाणित करता है। इसके माध्यम से जिले के सीताफल को स्थानीय बाजार से आगे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने की व्यापक संभावनाएं हैं। अभियान के तहत इसी संभावना को किसानों की आय से जोड़ने के लिए सीताफल की पूरी मूल्य श्रृंखला विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। उत्पादन के साथ संग्रहण, ग्रेडिंग, पैकेजिंग, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, ब्रांडिंग एवं विपणन को बढ़ावा देकर किसानों को बेहतर बाजार एवं बेहतर मूल्य उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

बाजार और निर्यात की संभावनाओं पर होगी कार्यशाला अभियान के आगामी चरण में किसानों एवं सीताफल

से जुड़े हितधारकों के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। कार्यशाला में सीताफल उत्पादक किसानों, विक्रेताओं, एफपीओ सदस्यों, खाद्य प्रसंस्करण उद्यमियों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों की सहभागिता रहेगी। नाबार्ड, कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण सहित संबंधित संस्थाओं एवं विशेषज्ञों को भी जोड़ा जाएगा।

कार्यशाला में सीताफल की मार्केटिंग, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं निर्यात की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। किसानों को प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना, वित्तीय सहायता, बाजार की मांग तथा बड़े खरीदारों एवं निर्यात बाजार से जुड़ने के अवसरों की जानकारी भी दी जाएगी। कार्यशाला का उद्देश्य किसानों, वित्तीय संस्थाओं, प्रसंस्करण उद्यमियों एवं बाजार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है, ताकि जीआई टैग प्राप्त सिवनी जम्मो सीताफल को एक मजबूत ब्रांड के रूप में विकसित किया जा सके।

शेष किसान शीघ्र कराएं पंजीयन

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने जिले के ऐसे सभी सीताफल उत्पादक किसानों से अपील की है, जिनका अभी तक सर्वेक्षण अथवा पंजीयन नहीं हुआ है, वे शीघ्र अपना पंजीयन कराएं। पौधगणना एवं किसान पंजीयन से जिले में सीताफल उत्पादन की वास्तविक स्थिति का सटीक आंकड़ा तैयार होगा, जो भविष्य में मार्केटिंग, प्रसंस्करण एवं निर्यात की व्यापक कार्ययोजना तैयार करने में महत्वपूर्ण आधार बनेगा। शेष रहे सीताफल उत्पादक किसान मोबाइल नंबर 9098431856 एवं 9713448994 पर संपर्क कर पंजीयन एवं अभियान से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। सीताफल से समृद्धि अभियान के माध्यम से सिवनी के जीआई टैग प्राप्त जम्मो सीताफल को बाजार की नई संभावनाओं से जोड़ते हुए किसानों की आय बढ़ाने और सीताफल आधारित स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है।

सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में पीछे से आ रहे दूसरे ट्रक ने मारी टक्कर, एक घायल

सिवनी। स्वतंत्र मत। जिले के लखनादौन थाना क्षेत्र में मंगलवार रात राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर सड़क हादसा हुआ। सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में पीछे से आ रहे दूसरे ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में ट्रक चालक संजय नामदेव (46) घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि पीछे से टकराने वाले ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। ह॥ड्ढ की एंबुलेंस से घायल चालक को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक हादसे का शिकार हुआ ट्रक बेंगलुरु से मिल्क पाउडर लेकर ग्वालियर जा रहा था। चालक के अनुसार, लखनादौन के पास पहुंचते ही ट्रक के ब्रेक अचानक फेल हो गए। उसने वाहन रोकने की कोशिश की, लेकिन तेज रफ्तार के कारण ट्रक सड़क किनारे खड़े दूसरे ट्रक से टकरा गया।

घटना की सूचना मिलते ही लखनादौन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों की जांच की और हादसे के कारणों का पता लगाना शुरू किया। शुरुआती तौर पर चालक ने ब्रेक फेल होने की बात कही है। पुलिस की तकनीकी

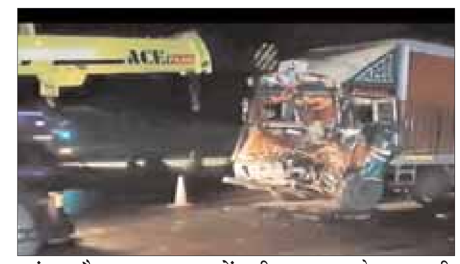

जांच और अन्य पहलुओं की पड़ताल के बाद ही हादसे की वास्तविक वजह स्पष्ट होगी। हादसे के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर कुछ देर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस की निगरानी में दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाया गया, जिसके बाद ट्रैफिक सामान्य हो गया। पुलिस वाहन की तकनीकी जांच और चालक के बयान समेत अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर लगातार भारी वाहनों की आवाजाही रहती है। सड़क किनारे बिना पर्याप्तसंकेतक या सुरक्षा के खड़े वाहनों से हादसे का खतरा बढ़ जाता है। पुलिस ने वाहन चालकों से रात में सावधानी बरतने और लंबी दूरी की यात्रा से पहले ब्रेक, टायर, लाइट समेत अन्य तकनीकी हिस्सों की जांच करने की अपील की है।

नवयुवक दुर्गा गणेश समिति गुदमा ने की गणेश भगवान की स्थापना

सिवनी। स्वतंत्र मत। समीपस्थ ग्राम गुदमा में नवयुवक दुर्गा गणेश पूजा उत्सव समिति के सदस्यों द्वारा गणेश उत्सव पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया गया है। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी ग्राम गुदमा में समिति सदस्यों के द्वारा विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश जी की स्थापना की गई। समिति के तुषार पंवार ने बताया कि 10 दिवसीय गणेश उत्सव पर्व के दौरान समिति के द्वारा भजन कीर्तन एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नागपुर में टेबल टेनिस कोच बने आदित्य शर्मा

सिवनी। स्वतंत्र मत। बरघाट- खेलों के क्षेत्र में गौरव का एक विषय और बरघाट के इतिहास में दर्ज हो गया है, ज्ञात हो कि बरघाट में अनेक वर्षों से खेल शिक्षक संदीप मिश्रा द्वारा टेबल टेनिस का प्रशिक्षण नगर पंचायत के सहयोग से प्रदान किया जाता है ,जिसके चलते नगर के खिलाड़ी प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाकर नगर एवं जिले के गौरव को बढ़ाने का कार्य करते हैं प्राप्त जानकारी के अनुसार आदित्य शर्मा जो कि राष्ट्रीय स्तर तक खेल का प्रदर्शन कर चुके हैं एवं उनके द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग की राज्य स्तरीय टीम का मैनेजर के तौर पर स्टेट ऑफिशियल की भी भूमिका को बखूबी निभाया गया था और साथ ही राष्ट्रीय खेल संस्थान पटियाला के द्वारा उन्होंने टेबल टेनिस कोच का सर्टिफिकेट कोर्स भी पूर्ण कर लिया था, जिसके चलते उन्हें ट्रिपल आईटी नागपुर द्वारा इंटरव्यू के उपरांत टेबल टेनिस कोच के तौर पर चयनित किया गया।

आपकी समस्या, हमारी प्राथमिकता - जनसुनवाई से सशक्त हो रहा पुलिस-जन संवाद

पुलिस अधीक्षक ने सुनी जन समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

अब थाना स्तर तक होगी जनसुनवाई, आमजन को मिलेगा स्थानीय स्तर पर ही न्याय

सिवनी। स्वतंत्र मत। सिवनी पुलिस द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं पुलिस-जनता के बीच सीधे संवाद को सशक्त बनाने हेतु संचालित साप्ताहिक जनसुनवाई अब जिले की कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा बन गई है।

पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी के कुशल नेतृत्व में संवेदनशील एवं जवाबदेह पुलिसिंग की यह पहल जमीनी स्तर पर उल्लेखनीय परिणाम दे रही है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय, सिवनी में आयोजित जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी द्वारा जिले के शहरी एवं ग्रामीण अंचलों से आए

फरियादियों से रूबरू होकर उनकी समस्याएं सुनी गईं। प्रत्येक आवेदक को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर दिया गया। इस दौरान नगर पुलिस अधीक्षक चंचलेश मरकाम एवं प्रशिक्षु डीएसपी सचिन मोहनिया उपस्थित रहे।

जनसुनवाई के प्रमुख बिंदु

तात्कालिक समाधान - कई प्रकरणों में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर विधिसम्मत निराकरण कराया गया, जिससे फरियादियों को तत्काल राहत मिली।

समयबद्ध एवं पारदर्शी कार्यवाही-शेष शिकायतों को संबंधित थाना/चौकी प्रभारियों को प्रेषित कर निष्पक्ष जांच करते हुए निर्धारित समय-सीमा में प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के सख्त निर्देश दिए गए। प्राथमिकता वाले प्रकरण- महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगजनों एवं कमजोर वर्ग से संबंधित शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखकर त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

विकेन्द्रीकृत जनसुनवाई- आमजन की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए अब जनसुनवाई प्रक्रिया का विस्तार समस्त थाना एवं चौकी स्तर तक किया गया है, ताकि स्थानीय स्तर पर ही समस्याओं का समाधान संभव हो सके।

पुलिस अधीक्षक महोदय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया जाए। पीड़ित को समय पर न्याय दिलाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। निष्पक्ष जांच और पारदर्शी कार्यवाही ही सिवनी पुलिस का संकल्प है।

सिवनी पुलिस आमजन से अपील करती है कि वे अपनी वैध समस्याओं के निराकरण हेतु बेझिझक जनसुनवाई में उपस्थित हों। प्रत्येक आवेदन पर नियमानुसार एवं निष्पक्ष कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

चाकू से प्राणघातक हमला करने वाले कुख्यात आरोपी को बरघाट पुलिस ने 24 घंटे में किया गिरफ्तार, भेजा जेल

अवैध संबंध के शक में महिला पर किया था जानलेवा हमला, घटना में प्रयुक्त चाकू एवं मोटरसाइकिल जप्त

सिवनी। स्वतंत्र मत। पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी के अपराधों की रोकथाम हेतु सख्त निर्देशों एवं अति. पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं एसडीओपी बरघाट श्री ललित गठरे के मार्गदर्शन में बरघाट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दिनांक 13/09/2026 को प्रार्थिया निवासी वार्ड क्र. 02 मुंडापार थाना बरघाट ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी सुमित बरमैया को संदेह था कि प्रार्थिया उसकी परिचित महिला मित्र को भड़का रही है जिसके चलते उसकी महिला मित्र आरोपी से बात नहीं कर रही है इसी संदेह के चलते आरोपी ने प्रार्थिया को सब्जी लेकर घर आने के दौरान रास्ता रोककर मां-बहन की गंदी-गंदी गालियां देते हुए जेब में रखे धारदार चाकू से जान से मारने की नियत से प्राणघातक हमला कर घायल कर दिया।

प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना बरघाट में अपराध क्र. 296(a), 109(1), 126(2), 351(2) बी.एन.एस. के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना स्तर पर तत्काल टीम गठित कर फरार आरोपी की लगातार तलाश पतासाजी की गई। अथक प्रयासों के बाद पुलिस टीम ने 4 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। आरोपी से घटना में प्रयुक्त एक स्टील का धारदार चाकू एवं एक पल्सर मोटरसाइकिल विधिवत जप्त की गई है। आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा गया है।

गिरफ्तार आरोपी- सुमित बरमैया पिता दिलीप बरमैया उम्र 22 वर्ष निवासी काली मंदिर के पास वार्ड क्र. 02 मुंडापार थाना बरघाट जिला सिवनी।

जप्त संपत्ति- घटना में प्रयुक्त एक स्टील का धारदार चाकू एवं एक पल्सर मोटरसाइकिल।

सराहनीय भूमिका-थाना प्रभारी बरघाट निरी. मोहनीश बैस, उनि राहुल काकोडिया, सउनि राम अवतार डहेरिया, सउनि लुपेश राहंगडाले, प्र.आर. नितिन तिवारी, प्र.आर. बिहारी लाल धुर्वे, आर. प्रदीप कुमरे, आर. उमेन्द्र खरे, आर. पराग राहंगडाले की सराहनीय भूमिका रही।

सेवा के दीपों से जगमगाएगा नरसिंहपुर,17 सितम्बर को शाम 7 बजे जिलेभर में एक साथ जलेंगे दीप

सिंगरी नदी पर होगा मुख्य कार्य म,सेवा संकल्प अभियान की होगी शुरुआत

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में जनभागीदारी और सेवा भावना को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 17 सितम्बर को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में 17 सितम्बर को शाम 7 बजे जिलेभर में एक साथ दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। इस अवसर पर जिले के 10 प्रमुख स्थलों पर विशेष रूप से दीप प्रज्ज्वलन की व्यवस्था की गई है। जिले के प्रमुख स्थलों में दादा धूनी दरबार साईंखेड़ा, बरमान घाट, नरसिंह मंदिर, शंकर नदी घाट गाडरवारा, झिकोली घाट, ककरा घाट, राज राजेश्वरी हीरापुर, नीलकंठ रिछावर, बगासपुर आसनजी तथा सिंगरी रिवर फ्रंट मगरधा शामिल हैं। इन स्थानों पर निर्धारित समय पर दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

हितग्राही परिवारों के घर भी जलेंगे दीप-सेवा संकल्प अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित प्रत्येक हितग्राही परिवार के घर पर भी दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। इस पहल के माध्यम से अभियान में अधिक से अधिक हितग्राहियों, परिवारों एवं आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए समस्त अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया है।

श्री कपीश्वर हनुमान मंदिर समिति के सदस्यों ने देखी हनुमान अंश

सिवनी। स्वतंत्र मत। श्री कपीश्वर हनुमान मंदिर समिति एवं उनके पारिवारिक सदस्यों सहित समिति के 50 सदस्यों ने एक साथ बाबा नीम करौली के जीवन पर आधारित हनुमान अंश फ़िल्म देखी ज्ञात हो कि पूर्व में भी इस समिति द्वारा धर्म जागरण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए जाते रहे हैं। चाहे अयोध्या के भव्य रामलला मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के समय नगर में प्रभात फेरी निकलकर धर्म जागरण करने की बात हो य बच्चों में धर्म के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु ग्रीष्म काल में नि:शुल्क गीता पाठ के अध्ययन का कार्य हो य विभिन्न धार्मिक आयोजन हो समिति द्वारा निरंतर ही बड़े उत्साह के साथ कार्य किया जाता रहा है ऐसे में जब सनातन धर्म पर बाबा नीम करौली के जीवन पर आधारित फ़िल्म आई तो समिति एवं उनके सभी पारिवारिक सदस्यों ने एक साथ सिनेमाघर में जाकर फ़िल्म देखी और सभी सनातन धर्म प्रेमियों से हनुमान अंश मूवी देखने का आग्रह भी किया।

डिप्लोमा इंजी. एसो ने मनाया अभियंता दिवस

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। मध्य प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर संगठन के द्वारा रानी अवंती बाई परियोजना बरगी कॉलोनी में भारत रत्न सर मोक्ष इंजी. विश्ववेरैया की जयंती पर कार्यालय परिसर में स्थित मूर्ति पर माल्यार्पण किया। लोक निर्माण विभाग के एसडीओ के सी कोरी एवं इंजीनियर राजेश ठाकुर ने शुभकामनाओं देते निरंतर राष्ट्र समाज के विकास में अभियंताओं के योगदान को स्मरण किया। तत्पश्चात इंजीनियर चौराहा आकर मध्य प्रदेश इंजीनियर संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने तथा सेवानिवृत्त इंजीनियरों द्वारा सर मोक्षगुंडम विश्ववेरैया की मूर्ति पर माल्यार्पण किया एवं विचार व्यक्त किए गए। समारोह अवसर पर इंजी सुनील कोठारी, इंजी. एल के डहेरिया इंजी. बी डी मुड़िया इंजी. के सी कोरी इंजी. राजेश सिंह ठाकुर इंजीनियर पी एल अहिरवार इंजी. रघुनाथ विश्वकर्मा इंजी. बृजमोहन ऋषिश्वर, इंजी. एल के सोनी एन के तिवारी इंजी. आरएस शुक्ला,इंजी विष्णु रावत सहित अन्य सेवारत तथा सेवानिवृत्त अभियंताओं की उपस्थिति रही। निर्णय लिया गया कि इंजी सुनील कोठारी के निवास पर 17 सितंबर को प्रात: 9.30 बजे नगर विकास में रचनात्मक योगदान पर चर्चा हेतु बैठक आयोजित की जाएगी।

एनटीपीसी गाडरवारा में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत हिंदी वाचन एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का किया आयोजन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। एनटीपीसी गाडरवारा में हिंदी पखवाड़ा के अवसर पर राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता, अभिरुचि एवं कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन 14-28 सितंबर 2026 किया जा रहा है।

एनटीपीसी गाडरवारा की कार्य-संस्कृति अपने आप में विविधता और समावेशिता का सुंदर उदाहरण है। परियोजना में कार्यरत कर्मचारी एवं अधिकारी देश के विभिन्न प्रांतों से आते हैं तथा विभिन्न भाषाई एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों से जुड़े हुए हैं। ऐसी बहुभाषी एवं बहुसांस्कृतिक कार्य-परिवेश में हिंदी एक ऐसी साझा भाषा के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो सभी को आपस में जोड़ने तथा कार्यस्थल पर सहज एवं प्रभावी संवाद स्थापित करने में सहायक है। हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में हिम्मत सिंह चौहान, परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक, एनटीपीसी गाडरवारा द्वारा हिंदी अपील का वाचन किया गया। इस अवसर पर परियोजना के वरिष्ठ अधिकारियों, विभागाध्यक्षों एवं कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में राधेश्याम मौर्य, महाप्रबंधक (ह्×रू), राजीव त्रिपाठी, महाप्रबंधक (परियोजना), विवेक गुरु, महाप्रबंधक (प्रचालन), पंकज जेठा, महाप्रबंधक (अनुरक्षण), संतोष गुप्ता, महाप्रबंधक (सर्तकता) एवं विनोद कांबली, महाप्रबंधक (तकनीकी सेवाएँ) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर प हिम्मत सिंह चौहान, परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक ने अपने संबोधन में कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी हमारे कार्यस्थल पर प्रभावी, सहज एवं समावेशी संचार का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी का प्रयोग केवल एक औपचारिक दायित्व न होकर हमारी कार्य-संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग से कार्यालयीन कार्यों को सरल, सहज, प्रभावी एवं जनसुलभ बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान हिंदी के प्रति रुचि एवं सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इस क्रम में हस्ताक्षर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके अतिरिक्त च्स्मृति परीक्षणज्ज प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागियों के हिंदी ज्ञान, स्मरण क्षमता एवं शब्दावली का रोचक एवं ज्ञानवर्धक तरीके से परीक्षण किया गया।

दोनों प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों, विभागाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए हिंदी के प्रति अपनी रुचि एवं प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। प्रतियोगिताओं के माध्यम से कार्यस्थल पर हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के साथ-साथ कर्मचारियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं रचनात्मक वातावरण का भी निर्माण हुआ।

एनटीपीसी गाडरवारा में हिंदी पखवाड़ा के दौरान विभिन्न राजभाषा गतिविधियों, प्रतियोगिताओं, हिंदी कार्यशालाओं एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करना तथा राजभाषा हिंदी के प्रगतिशील प्रयोग को और अधिक सुदृढ़ करना है। एनटीपीसी गाडरवारा द्वारा राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन तथा कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

आम सूचना

मै बेबी नोरिया पिता श्री बसंत नोरिया उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम भालपानी पोस्ट देवनगर नया जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) 487001 शपथपूर्वक निम्नानुसार कथन करती हूं कि मै उपरोक्त पते की स्थाई निवासी हूं। मेरा आधार कार्ड क्रमांक 6213.4094.8132 है। मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक अंकसूची एवं समस्त दस्तावेजो मे मेरा नाम बेबी नोरिया दर्ज है। मेरे समस्त दस्तावेजो मे मेरा नाम भूलवश लिख गया है जिसे मै अपनी पूर्ण स्वेच्छा से परिवर्तन करवाना चाहती हूं। मेरा नाम बेबी नोरिया को परिवर्तन करके विधि नोरिया लिखा जाए।

शपथकर्ता
विधि नोरिया
पूर्व नाम (बेबी नोरिया)

बाड़ी में लगे 21 किलो गांजा के हरे पेड़ पुलिस ने किए जब्त

बड़वारा पुलिस ने की गांजे की खेती करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था । जिसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं डीएसपी हेडक्वाटर रत्नेश मिश्रा के मार्गदर्शन में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वालो के विरूद्ध मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया था। वरिष्ठ अधिकारियो के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बड़वारा उप निरीक्षक सुयश पाण्डेय व बड़वारा पुलिस स्टाफ द्वारा मादक पदार्थ गांजा तस्करों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु क्षेत्र का लगातार भ्रमण कराया जा रहा था। दौरान भ्रमण दिनांक 15 सितंबर को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम देवरी हटाई में यादव

मोहल्ला में रामकुमार यादव अपने घर के पीछे की बाड़ी में गांजा के पेड़ लगाया है कि सूचना पर थाना बड़वारा से टीम रवाना कर मौके पर पहुंचकर दस्तदीक की गई जो ग्राम देवरी हटाई में रामकुमार यादव पिता स्व. मद्धा यादव उम्र 53 साल द्वारा अपने घर के पीछे बाड़ी में करीब 32 नग गांजा के हरे पौधे लगाया है । गांजा के हरे पौधों के संबंध में मौके पर समक्ष गवाहानो के आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत संपूर्ण विधिवत कार्यवाही की जाकर आरोपी रामकुमार यादव से 32 नग गांजा के हरे पौधे वजनी 21 किलो कीमती 2 लाख चार हजार रुपये कीमती के जप्त किये गये । आरोपी रामकुमार यादव पिता स्व. मद्धा यादव उम्र 53 साल निवासी ग्राम देवरी हटाई थाना बड़वारा के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की जाकर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया । सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी उप निरीक्षक सुयश पाण्डेय, उप निरी. विष्णुशंकर जायसवाल, सउनि सतेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक पवनराज, प्रधान आरक्षक नितेश डोगर, आरक्षक गौरीशंकर राजपूत, आरक्षक शिवप्रकाश तिवारी एवं ग्राम रक्षा समिति सदस्य कमलेश निशाद की विशेष भूमिका रही ।

गणेश पंडालों में गूंजा स्वच्छता का संदेश

कटनी (स्वतंत्रमत)। गणेश उत्सव के पावन पर्व पर भक्ति के साथ स्वच्छता का संगम स्थापित करने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर के विभिन्न गणेश पंडालों में विशेष जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। निगम की सहयोगी संस्था की आईईसी टीम द्वारा प्रतिदिन पंडालों में पहुँचकर आयोजकों एवं श्रद्धालुओं को स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जा रहा है। बुधवार की चलाए गए अभियान के दौरान टीम द्वारा पंडालों से निकलने वाले कचरे को गीले-

सूखे में पृथक कर अलग-अलग डस्टबिन में रखने की समझाइश दी गई। इसके साथ कचरे को खुले में न फेंकने एवं निर्धारित डस्टबिन का ही उपयोग करने की अपील की गई। टीम द्वारा उपस्थित जनों को अमानक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार कर पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान पंडाल एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष साफ-सफाई बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया। आईईसी टीम ने नागरिकों से अपील की है कि धार्मिक उल्लास के साथ-साथ स्वच्छता को भी अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझें और स्वच्छ कटनी, सुंदर कटनी के संकल्प को साकार करने में सक्रिय सहभागिता निभाएं।

पीएम के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर आज

कटनी (स्वतंत्रमत)। भारतीय जनता पार्टी जिला कटनी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर चला, जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज 17 सितंबर को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर स्थानीय जिला चिकित्सालय, कटनी में प्रात: 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन ने बताया कि वर्तमान समय में कटनी जिले में रक्त की आवश्यकता को देखते हुए रक्त की उपलब्धता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस को सेवा और जनकल्याण के संकल्प के रूप में मनाते हुए भाजपा द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

महापौर ने अधिकारियों को थमाई जवाबदेही

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर निगम की जनसुनवाई में शहर के अलग-अलग वार्डों से पहुंचे नागरिकों ने पेयजल, जलकर, जर्जर सड़क-नालियों और आवास योजना से जुड़ी समस्याएं सीधे महापौर प्रीति सूरी के सामने रखीं। सुबह 11 से दोपहर 1:30 बजे तक चली सुनवाई में कुल 17 आवेदन आए। महापौर ने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अधिकारियों को स्पष्ट किया गया कि नागरिकों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए निगम की अलग-अलग शाखाओं के चक्कर न लगाने पड़ें। प्राप्त शिकायतों की प्रगति की समीक्षा

भी की जाएगी और लापरवाही मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की बात कही गई। इसी दौरान इंदिरा आवास योजना के तहत डी ब्लॉक भवन क्रमांक 114, इंदिरा नगर में आवास मिलने पर हितग्राही पवन कुमार विश्वकर्मा ने महापौर और निगम प्रशासन के प्रति आभार जताया।

200 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को दिया गया फास्टेक प्रशिक्षण

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले में स्ट्रीट फूड विक्रेताओं की क्षमता निर्माण एवं खाद्य सुरक्षा संबंधी जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा प्रशासन, कटनी एवं नेस्वी (नेस्ले) के फास्टेक प्रशिक्षण साझेदार द्वारा कटनी के निजी होटल में 200 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में फूड स्ट्रीट वेंडरो, स्टॉल संचालकों, पथ विक्रेताओं तथा फल-सब्जी विक्रेताओं को खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण, परिवहन एवं विक्रय के दौरान स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा के आवश्यक मानकों की जानकारी दी गई। साथ ही ग्राहक संबंध, व्यवसाय प्रबंधन तथा स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के अधिकार एवं जिम्मेदारियों के संबंध में भी जागरूक किया गया। प्रशिक्षकों ने कहा कि स्ट्रीट फूड विक्रेता एवं अन्य पथ विक्रेता शहरी अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। स्वच्छ एवं स्वास्थ्यकर परिस्थितियों में खाद्य पदार्थों का निर्माण और विक्रय करने से न केवल उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध होंगे, बल्कि खाद्य सुरक्षा के प्रति आमजन में भी जागरूकता बढ़ेगी। प्रशिक्षण के दौरान सभी 200 प्रतिभागियों को तौलिया,

एप्रन, कैप, बालों को ढकने वाली कैप, हैंड ग्लव्स, रूमाल, साबुन एवं सैनिटाइजर सहित आवश्यक स्वच्छता सामग्री नि:शुल्क प्रदान की गई। प्रतिभागियों को इन सामग्रियों का नियमित उपयोग करते हुए अपने ठेले एवं दुकानों को स्वच्छ और स्वास्थ्यकर बनाए रखने के लिए प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत फास्टेक प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र तथा खाद्य पंजीयन प्रमाण-पत्र पथ विक्रेताओं, सब्जी एवं फल विक्रेताओं सहित अन्य पात्र प्रतिभागियों को मौके पर प्रदान किए गए।

हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी (म.प्र.) में प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितंबर से 28 सितंबर तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य छात्राओं में हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रति रुचि विकसित करना, भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा हिंदी के व्यापक महत्व को समझाना है। हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत 15 सितंबर को हिंदी दिवस

से संबंधित पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। पुस्तक प्रदर्शनी का मुख्य विषय भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित हिंदी साहित्य रहा। प्रदर्शनी में भारतीय संस्कृति, दर्शन, इतिहास, साहित्य, योग, आयुर्वेद, नैतिक मूल्यों तथा भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित विभिन्न हिंदी पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया। छात्राओं एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर पुस्तकों के माध्यम से भारतीय ज्ञान-विरासत की समृद्ध परंपरा को समझा। इस अवसर पर छात्राओं को अधिकाधिक हिंदी साहित्य पढ़ने तथा भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इसी क्रम में 16 सितंबर को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय भारतीय ज्ञान परंपरा में हिंदी भाषा एवं साहित्य की भूमिका रखा गया। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतियोगिता में सहभागिता करते हुए हिंदी भाषा के विकास, भारतीय संस्कृति के संरक्षण, लोकज्ञान के संवर्धन तथा भारतीय ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुँचाने में हिंदी साहित्य की भूमिका पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने अपने भाषणों के माध्यम से हिंदी को ज्ञान, संस्कृति और विचारों के प्रभावी माध्यम के रूप में रेखांकित किया। कार्यक्रमों के माध्यम से छात्राओं को हिंदी भाषा के महत्व, भारतीय साहित्य की विविधता तथा हमारी समृद्ध ज्ञान परंपरा से परिचित कराने का सार्थक प्रयास किया गया।

अशोक कॉलोनी में दवा व्यवसायी के सूने मकान में चोरी

कटनी (स्वतंत्रमत)

खिरहनी पुलिस चौकी से चंद कदमों की दूरी पर स्थित अशोक कॉलोनी में बीती रात चोरों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया। अज्ञात बदमाशों ने दवा व्यवसायी पंकज शर्मा के सूने मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये की नगदी, सोने चांदी के जेवरात और अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। कॉलोनी में हुई चोरी की वारदात से स्थानीय निवासियों में भारी दहशत व्याप्त है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दवा व्यवसायी पंकज शर्मा अपने पुत्र का कॉलेज में एडमिशन कराने पत्नी और बेटे के साथ पुणे गए थे। मकान पर ताला बंद होने की भनक बदमाशों को पहले से थी। जिसका फायदा उठाकर चोरों ने देर रात सूने मकान को निशाना बनाया। बदमाशों ने बड़े इत्मीनान से मुख्य द्वार का ताला तोड़ा और घर में दाखिल होकर अलमारियों व तिजोरियों के ताले चटका दिए। घटना का खुलासा तब हुआ, जब पंकज शर्मा ने पुणे से सुबह अपने घर में काम करने वाली युवती को फोन कर पेड़ पौधों में पानी डालने के लिए कहा। युवती जैसे ही मकान के मुख्य द्वार पर पहुंची तो ताला टूटा देखकर उसके होश उड़ गए। अंदर जाकर देखने पर पूरा सामान बिखरा पड़ा था और अलमारियां खुली थीं। युवती ने बिना देरी किए तुरंत फोन पर पूरी जानकारी पंकज शर्मा को दी, जिसके बाद स्थानीय स्तर पर पुलिस को सूचित किया

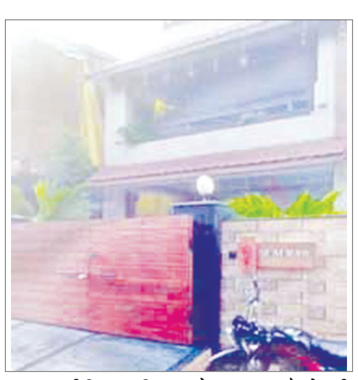

गया। पीड़ित परिवार के शहर लौटते ही मामले में औपचारिक प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने की बात कह रही है।

बड़गांव जैन मंदिर में चोरों का धावा

रीठी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बड़गांव स्थित तारणतरण जैन चैत्यालय मंदिर को अज्ञात चोरों ने अपना निशाना बनाया। चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर बेशकीमती अष्टधातु के छत्र, पीतल की सामग्रियां और साउंड सिस्टम पार कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना 14 सितंबर की रात 10 बजे से 15 सितंबर की सुबह 5 बजे के बीच की बताई जा रही है। अज्ञात चोरों ने सूनेपन का फायदा उठाकर बड़गांव स्थित जैन मंदिर का ताला तोड़ा और अंदर दाखिल होकर दानपूजा से जुड़े कीमती सामान चुरा लिए। मंदिर के सेवादार अभय कुमार जैन निवासी ग्राम बड़गांव की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत में बताया गया है कि अज्ञात चोर दो अष्टधातु के छत्र, 5 नग पीतल की आरती, एक साउंड सिस्टम व मिसर मशीन, एक स्टेबलाइजर मशीन ले गए। चोरी गए सामान की कीमत 90 हजार आंकी गई है। अभय कुमार जैन की रिपोर्ट पर रीठी पुलिस ने धारा 331(4) एवं 305(डी) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। सलैया चौकी प्रभारी विनोद पाण्डेय ने बताया कि पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों और पुराने संदिग्धों से पूछताछ कर चोरों का सुराग लगाने का प्रयास कर रही है।

अब 10 अक्टूबर तक मिलेगा जलकर राहत योजना का लाभ

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर निगम द्वारा बकाया जलकर राशि के एकमुश्त भुगतान पर दी जा रही 50 प्रतिशत राहत का लाभ अब नागरिक 10 अक्टूबर 2026 तक प्राप्त कर सकेंगे। योजना को नागरिकों से मिले सकारात्मक प्रतिसाद तथा शेष बकायादार जलकर उपभोक्ताओं की मांग को दृष्टिगत रखते हुए निगम

प्रशासन द्वारा लाभ लेने की अंतिम तिथि बढ़ाई गई है। योजना के तहत पात्र जलकर उपभोक्ताओं द्वारा निर्धारित बकाया जलकर राशि का एकमुश्त भुगतान किए जाने पर बकाया राशि के 50 प्रतिशत हिस्से की राहत प्रदान की जा रही है। इससे लंबे समय से लंबित जलकर बकाया को समाप्त करने के साथ उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है। निगम प्रशासन ने शेष बकायादार जलकर उपभोक्ताओं से अपील की है कि 10 अक्टूबर की अंतिम तिथि को ध्यान में रखते हुए समय रहते बकाया राशि जमा कर योजना का लाभ उठाएं।

गणेशोत्सव पर बनी रहे सुरक्षा और शांति

कोतवाली थाने में शांति समिति की बैठक

कटनी (स्वतंत्रमत)

गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने कोतवाली परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही जनप्रतिनिधि, पत्रकार, गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारी एवं नागरिक मौजूद रहे। बैठक में गणेश पंडालों की व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। बैठक में कार्यकर्ताओं की लगातार उपस्थिति सुनिश्चित करने, विधिवत विद्युत कनेक्शन लेने तथा पंडालों के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए निर्देश दिए गए, साथ ही पंडालों में शासन की हेल्पलाइन नंबरों का लेखन कराने तथा सुरक्षा एवं व्यवस्था का विशेष ध्यान रखने की समझाइश दी गई। नगर

निगम की ओर से शहर में साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कोतवाली टीआई राखी पांडे ने बताया कि गणेश विसर्जन चल समारोह एक ही दिन आयोजित करने तथा विसर्जन स्थल पर शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी कहा गया है। अधिकारियों ने उपस्थित गणेश उत्सव समितियों एवं नागरिकों से अपील की कि पर्व को आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं तथा ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो। बैठक के अंत में थाना प्रभारी राखी पाण्डे ने उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, समितियों एवं नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

चेतनोदय तीर्थ क्षेत्र एवं गौशाला की भूमि को बचाने जैन समाज की बैठक

कटनी (स्वतंत्रमत)

विगत रविवार, 13 सितंबर को जैन धर्मशाला में जैन समाज की एक महत्वपूर्ण महासभा आयोजित की गई। इसमें शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जैन समाज के प्रतिनिधि एवं समाजजन उपस्थित हुए, दयोदय पशु सेवा कमेटी के सदस्य, दिगम्बर जैन पंचायत के सभी सदस्य एवं सवाई सिंघई कन्हैया लाल गिरधारी लाल जैन धर्मार्थ औषधालय के ट्रस्टियो की उपस्थित रही महासभा में चेतनोदय तीर्थ क्षेत्र एवं गौशाला की भूमि की सुरक्षा को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। महासभा में सभी प्रमुख पक्षों एवं समाजजनों के विचार सार्वजनिक रूप से सुने गए। विचार-विमर्श के पश्चात पंचायत अध्यक्ष संजय जैन ने उपस्थित समाजजनों की भावनाओं को समझते हुए हाथ उठाकर सहमति प्राप्त की। इसके बाद सर्वसम्मति से भूमि के विक्रय के संबंध में निर्णय की घोषणा की गई। महासभा में यह निर्णय लिया गया

कि सवाई सिंघई कन्हैया लाल गिरधारी लाल जी जैन धर्मार्थ औषधालय ट्रस्ट द्वारा वर्ष 2012 में श्री सकल दिगम्बर जैन पंचायत को सदा-सदैव के लिए समर्पित की गई समस्त भूमि में से किसी भी भूमि का विक्रय नहीं किया जा सकेगा। इसी प्रकार, दिनांक 15/03/1999 को उपरोक्त भूमि में से दयोदय पशु सेवा के अध्यक्ष सवाई सिंघई अभय कुमार जैन एवं मंत्री सवाई सुधीर कुमार जैन द्वारा रजिस्टर्ड लीज डीड एवं रजिस्टर्ड दानपत्र के माध्यम से जो भूमि प्रदान की गई है, उक्त भूमि में से भी किसी भी भाग का विक्रय नहीं किया जा सकेगा। इस निर्णय के बाद संपूर्ण भारत की जैन समाज में प्रसन्नता का वातावरण है। समाजजनों द्वारा पंचायत एवं महासभा में लिए गए इस निर्णय की सराहना की जा रही है। समाजजनों ने तीर्थ क्षेत्र को और अधिक विकसित करने तथा समर्पित भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करने का संकल्प व्यक्त किया। सर्वविदित है कि उक्त समर्पित भूमि पर अब चेतनोदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र विकसित होकर संपूर्ण भारतवर्ष में एक प्रसिद्ध जैन तीर्थ स्थल के रूप में स्थापित हो चुका है। पूज्य सुधा सागर मुनि महाराज के आशीर्वाद से यह क्षेत्र निरंतर धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र बन रहा है। आगामी समय में यहां चौबीसी के निर्माण की भी योजना है। महासभा में उपस्थित समाजजनों ने भूमि के विक्रय के विरुद्ध अपनी सहमति व्यक्त की। सभी ने हाथ उठाकर तीर्थ क्षेत्र की भूमि को सुरक्षित रखने तथा उसका उपयोग जैन समाज के धार्मिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए करने का संकल्प लिया। भूमि बिक्री पर रोक लगाने संबंधी निर्णय का समाजजनों ने स्वागत किया। महासभा को संबोधित करते हुए चेतनोदय तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष अनुराग जैन ने बताया कि पिछले दिनों जैन समाज द्वारा एक महारैली निकालकर भूमि के संबंध में विरोध दर्ज कराया गया था। इस दौरान कलेक्टर के नाम ज्ञापन भी सौंपा गया, जिसके माध्यम से पूरे मामले की जानकारी प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत की गई। अनुराग जैन ने कहा कि किसी भी कीमत पर तीर्थ क्षेत्र की भूमि को जाने नहीं दिया जाएगा और भूमि को बिकने से रोकने के लिए समाज की एकजुटता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि श्चेतनोदय तीर्थ क्षेत्र की भूमि केवल संपत्ति नहींए बल्कि जैन समाज की धार्मिक आस्था, श्रद्धा और वर्षों की साधना से जुड़ी धरोहर है।

सीरीज़ पक्की होने के बाद, भारत बेंच स्ट्रेंथ और नए खिलाड़ियों को आज़माने की तैयारी में

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारत पहले ही 2-0 से सीरीज़ जीत चुका है। अब गुरुवार को अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले तीसरे और आखिरी टी 20 मैच में भारत अपनी बेंच स्ट्रेंथ को आज़माने और टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रहे खिलाड़ियों को परखने के मौके के तौर पर इसका इस्तेमाल कर सकता है। भारत ने सीरीज़ के दोनों मैच सात विकेट से जीते हैं और अब वे 3-0 से क्लीन स्वीप करने की कोशिश करेंगे। सीरीज़ का नतीजा तय हो चुका है, इसलिए आखिरी मैच टीम मैनेजमेंट को स्क्वाड में बदलाव करने और उन खिलाड़ियों को ज्यादा खेलने का मौका देने का अवसर दे सकता है जो अपनी बारी का इंतज़ार कर रहे हैं।

भारत के नियमित खिलाड़ियों ने सीरीज़ में पहले ही ज़बरदस्त छाप छोड़ी है। अभिषेक शर्मा ने पहले टी 20 में 32 गेंदों पर 82 रन बनाए, और दूसरे मैच में 19 गेंदों पर 39 रन बनाए, जबकि संजू सैमसन ने दूसरे मैच में 22 गेंदों पर तूफानी 57 रन बनाकर वापसी की। सैमसन और अभिषेक ने दूसरे मैच में ओपनिंग विकेट के लिए 88 रन जोड़े, जिसके बाद ईशान किशन ने नाबाद 38 रन बनाकर मैच जिताया। भारत ने अफ़गानिस्तान के 8 विकेट पर 159 रन के स्कोर को सिर्फ़ 14.5 ओवर में हासिल कर लिया।

गेंदबाज़ी विभाग ने भी लगातार अच्छा प्रदर्शन

गेंदबाज़ी विभाग ने भी लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। नीतीश कुमार रेड्डी ने दूसरे टी 20 में 24 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि अर्शदीप सिंह ने पहले मैच में तीन विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह ने भी भारत को शुरुआती सफलताएँ दिलाई हैं। टॉप-ऑर्डर और मुख्य गेंदबाज़ों के अच्छा प्रदर्शन करने के बाद, आखिरी मैच में भारत अलग-अलग कॉम्बिनेशन आज़मा सकता है और भविष्य के मैचों से पहले नए खिलाड़ियों को ज़रूरी अनुभव दे सकता है।

अफ़गानिस्तान के लिए मैच का नतीजा मायने रखता है

हालाँकि, अफ़गानिस्तान के लिए अभी भी मैच का नतीजा मायने रखता है। वे सीरीज़ में अपनी पहली जीत हासिल करने और भारत को क्लीन स्वीप करने से रोकने की कोशिश करेंगे। अफ़गानिस्तान की बल्लेबाज़ी भारत के हमले का सामना करने में संघर्ष करती दिखी है, हालाँकि मोहम्मद नबी और राशिद खान ने कुछ हद तक टक्कर दी है। अगर मेहमान टीम आखिरी मैच में मेज़बान टीम को चुनौती देना चाहती है, तो उन्हें बल्ले और गेंद दोनों से ज्यादा लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। तीसरा टी 20 मैच 17 सितंबर को अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। टॉस शाम 7 बजे होगा और मैच भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

भारत के लिए खिलाड़ियों को परखने का मौका

भारत के लिए, यह मुकाबला सिर्फ़ सीरीज़ में 3-0 की बढ़त बनाने का मौका ही नहीं है, बल्कि इससे टीम को अपनी मुख्य पसंद वाले खिलाड़ियों के अलावा अन्य खिलाड़ियों को परखने और उनकी क्षमता जानने का भी मौका मिल सकता है। वहीं, अफ़गानिस्तान की टीम भी जीत के साथ सीरीज़ का समापन करने के लिए पूरी तरह तैयार होगी।

टी-20 बल्लेबाजों में अभिषेक दूसरे, टेस्ट गेंदबाजी में रॉबिन्सन तीसरे नंबर पर पहुंचे

दुबई (वार्ता)। अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की सीरीज के पहले मैच में 82 रन बनाने वाले अभिषेक शर्मा पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को पछाड़ते हुए आईसीसी पुरुष टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। अभिषेक अब अपने साथी खिलाड़ी ईशान किशन से 51 रेटिंग पॉइंट पीछे हैं, जो टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। अभिषेक को एक पायदान का फायदा हुआ है। दूसरे टी-20 में भारत की सात विकेट से जीत के दौरान 57 रन बनाने के बाद संजू सैमसन को भी फायदा हुआ। सैमसन चार पायदान ऊपर चढ़कर 30वें नंबर पर पहुंच गए, जबकि भारत ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। भारत के गेंदबाज़ों को भी काफी फायदा हुआ। वरुण चक्रवर्ती दो स्थान ऊपर चढ़कर 5वें नंबर पर आ गए, जबकि जसप्रीत बुमराह सात स्थान की छलांग लगाकर 10वें नंबर पर पहुंच गए। भारतीय गेंदबाजों में अर्शदीप सिंह ने सबसे बड़ी बढ़त हासिल की, वे 11 स्थान ऊपर चढ़कर 14वें नंबर पर आ गए, जबकि अक्षर पटेल छह स्थान ऊपर चढ़कर 27वें नंबर पर पहुंच गए। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजई ने भी टी-20 ऑलराउंडर रैंकिंग में तरक्की की और दो स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें नंबर पर आ गए।

मोहम्मद नबी एक स्थान ऊपर चढ़कर आठवें नंबर पर पहुंच गए। टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में रॉबिन्सन तीसरे नंबर पर पहुंचे। टेस्ट रैंकिंग में, इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 21 विकेट लेने के बाद अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ तीसरे नंबर पर पहुंच गए। जोश टंग, जिन्होंने सीरीज में 19 विकेट लिए, दो स्थान ऊपर चढ़कर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 11वें नंबर पर आ गए। बर्मिंघम में तीसरे टेस्ट में अर्धशतक लगाने के बाद रॉबिन्सन टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में भी सात स्थान ऊपर चढ़कर 13वें नंबर पर पहुंच गए। टेस्ट बल्लेबाजों में, पाकिस्तान के कप्तान बाबर आज़म दो स्थान ऊपर चढ़कर 13वें नंबर पर, शान मसूद चार स्थान ऊपर चढ़कर 37वें नंबर पर और इंग्लैंड के विकेटकीपर जेमी स्मिथ तीन स्थान ऊपर चढ़कर 20वें नंबर पर पहुंच गए।

हैरी ब्रूक का नाबाद शतक, इंग्लैंड ने टी-20 में श्रीलंका को 119 रनों से रौंदा

साउथैम्प्टन (वार्ता)। हैरी ब्रूक (नाबाद 114) और जॉस बटलर (80) की शानदार पारियों के बाद सॉनी बेकर (तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने पहले टी-20 मुकाबले में श्रीलंका को 119 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। 255 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका के बल्लेबाजी इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण का सामना नहीं कर सके और उनकी पूरी टीम 19 ओवरों में 135 रन के स्कोर पर सिमट गई। दुनिथ वेल्लागे ने श्रीलंका के सर्वाधिक 33 रनों की पारी खेली। इसके अलावा दासुन शनाका (24), पथुम निशंका (12), कामिल मिशारा (10) और कप्तान चरित असलांका (10) रन बनाकर आउट हुये। ईशान मलिंगा पांच गेंदों में 13 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड की ओर से सॉनी बेकर ने (तीन विकेट) लिये। लियाम डॉसन, जेमी ओवरटन को दो-दो विकेट मिले। जॉश टंग, विल जैक्स और आदिल रशीद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड को तीसरे ही ओवर की पहली गेंद पर एन्यूरिन डोनाल्ड (12) रन के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान हैरी ब्रूक ने जॉश बटलर के साथ आतिशी बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए दूसरे विकेट के लिए 128 रन जोड़ कर बड़े स्कोर की नीव रखी। 13वें ओवर की पहली गेंद पर वानिंदु हसरंगा ने शतक की ओर बढ़ रहे जॉश बटलर को आउट कर पवेलियन भेज दिया।

यूथ फर्स्ट मैराथन 20 सितम्बर को

नयी दिल्ली (वार्ता)। यूथ फर्स्ट मैराथन युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक कल्याण के लिए एक राष्ट्रव्यापी पहल है, पिछले साल 20 सितंबर 2025 को ग्लोबल सेंटर फॉर सोशल डायनेमिक रिसर्च (जीसीएसडीआर) ने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर यूथ फर्स्ट मिशन की घोषणा की थी। यह घोषणा केंद्र द्वारा मनोविज्ञान में नवाचार और नई पीढ़ियों की भलाई विषय पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में की गई थी। डॉ. नीलम सी. डे, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता 2021 और अंतर्राष्ट्रीय पैनल स्पीकर, और ग्लोबल सेंटर फॉर सोशल डायनेमिक रिसर्च के कार्यकारी निदेशक और निदेशक अनुसंधान, इस मिशन के संस्थापक हैं। इस वर्ष एक बार फिर 20 सितंबर 2026 को माननीय प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर ग्लोबल सेंटर फॉर सोशल डायनेमिक रिसर्च जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में यूथ फर्स्ट मैराथन का आयोजन कर रहा है। यह मिशन युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक कल्याण के लिए समर्पित है।

इसका उद्देश्य युवाओं को मानसिक रूप से मजबूत करना और उन्हें शैक्षणिक दबाव, करियर संबंधी चिंताओं, पारिवारिक और सामाजिक अपेक्षाओं, रिश्ते के मुद्दों और सोशल मीडिया से उत्पन्न तनाव जैसी चुनौतियों का सकारात्मक और रचनात्मक तरीके से सामना करने के लिए सशक्त बनाना है। युवाओं के लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि जीवन अत्यंत मूल्यवान है।

कठिन परिस्थितियाँ स्थायी नहीं होतीं और हर समस्या का एक समाधान होता है। यूथ फर्स्ट मिशन युवाओं को अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करने, सही समय पर मदद लेने और कठिन परिस्थितियों में अकेले संघर्ष न करने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह उन्हें कोई भी चरम कदम उठाने से पहले किसी विश्वसनीय व्यक्ति से बात करने और समय पर सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। साथ ही, अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य स्कूलों, कॉलेजों और युवा समुदाय के बीच मानसिक स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित, सहायक और समझ वाले वातावरण को बढ़ावा देना है। मैराथन में सार्क देशों और पांच राज्यों के युवा भाग ले रहे हैं। राजस्थान से 5,000 युवा मैराथन में भाग लेने के लिए दिल्ली जा रहे हैं, जो इसे एक अनूठी और महत्वपूर्ण पहल बनाता है। इसके अलावा, महाराष्ट्र से 6,962 युवा प्रतिभागियों, गुजरात के 33 जिला केंद्रों से युवाओं और हिमाचल प्रदेश से 8,555 प्रतिभागियों ने वर्चुअल रन में भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया है। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में लगभग 10,000 से 12,000 युवाओं के भाग लेने की उम्मीद है। मैराथन को आधिकारिक सहायक भागीदार के रूप में एफआईटी इंडिया, एसएयू, 92.7 बिग एफएम, राजस्थान सरकार, महाराष्ट्र सरकार, हिमाचल प्रदेश सरकार, गुजरात सरकार, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स और प्रसार भारती (डीडी स्पोर्ट्स और वेव्स ओटीटी) द्वारा समर्थित किया जा रहा है।

मिशन का आधिकारिक लॉन्च गीत, हम देश के युवा, जून 2025 से 92.7 बिग एफएम पर प्रसारित किया गया है। यूथ फर्स्ट मैराथन केवल एक मैराथन नहीं है; यह युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक कल्याण और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक आंदोलन है।

आईपीएल 2027 की नीलामी भारत में होगी

मुम्बई (वार्ता)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल के समय में आईपीएल कार्यक्रम को विदेश में आयोजित करने के ट्रेंड में परिवर्तन करते हुए, आईपीएल 2027 की नीलामी भारत में कराने का फैसला किया है। यह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में मंगलवार को लिए गए अहम फ़ैसलों में से एक था। कोच्चि में हुए 2023 नीलामी के बाद, हाल के सालों में यह कार्यक्रम विदेश में आयोजित किया गया है, जिसमें दुबई, जेद्दा और अबू धाबी ने बाद के एडिशन की मेजबानी की है। हालाँकि, इस बार बीसीसीआई/आईपीएल ने नीलामी को वापस भारत लाने का फ़ैसला किया है, क्योंकि यह एक मिनी-ऑक्शन होगा। यह फैसला उन फ्रैंचाइज़ी को दिए गए भरोसे के अनुरूप भी है, जिन्होंने मिनी-ऑक्शन के लिए अपने प्रतिनिधियों को विदेश ले जाने में आने वाली लॉजिस्टिकल और ऑपरेशनल चुनौतियों पर चिंता जताई थी। माना जाता है कि बीसीसीआई के सदस्यों ने पिछले साल अबू धाबी में हुए ऑक्शन के दौरान उनकी बातों पर विचार किया था। इसी के अनुसार, काउंसिल ने इस साल के नीलामी के लिए किसी भारतीय शहर को चुनने का फैसला किया। हमेशा की तरह, स्थल का फैसला फ्रैंचाइजी और उनके डेलिगेशन के लिए रहने की जगह की उपलब्धता के आधार पर किया जाएगा।

तीन लाख रूपये तक के निर्यात की खेप को नगण्य मान कर पंजीकरण प्रमाण पत्र से छूट

नयी दिल्ली (वार्ता)। सरकार ने तीन लाख रुपये तक के कम मूल्य वाली निर्यात की खेपों के लिए पंजीकरण-एवं-सदस्यता प्रमाण-पत्र (आरसीएमसी) की आवश्यकता से छूट की व्यवस्था शुरू की है। कानून की दृष्टि से नगण्य मात्रा पर पंजीकरण से छूट के इस उपाय का उद्देश्य नए और छोटे निर्यातकों पर अनुपालन का बोझ कम करना तथा डाक, कूरियर और अन्य उभरते माध्यमों के जरिए निर्यात को आसान बनाना है।

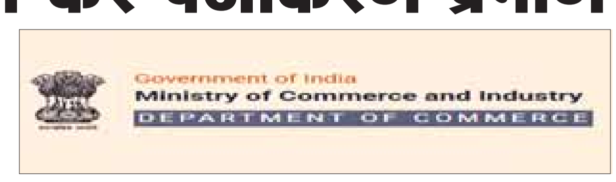

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने विदेश व्यापार नीति, 2023 के पैरा 2.57 में संशोधन किया है। इसके तहत विक्रेता द्वारा माल को विनिर्दिष्ट बंदरगाह से जहाज पर माल लादे जाने तक दायित्व के साथ तीन लाख रुपये तक की खेप पर आरसीएमसी की आवश्यकता नहीं होगी। वर्तमान में विदेश व्यापार नीति के तहत ये प्रमाण-पत्र निर्यात संवर्धन परिषदों या जिंस बोर्ड द्वारा जारी किये जाते हैं। विदेश व्यापार नीति के तहत सामान्यत: निर्यातक को ऐसे प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होती है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि तीन लाख से अधिक मूल्य वाले निर्यात खेपों के लिए, जहां लागू हो, वैध आरसीएमसी की आवश्यकता बनी रहेगी। मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है कि पिछले पांच वर्षों (2021-22 से 2025-26) के आंकड़ों से पता चलता है कि कम मूल्य वाले निर्यात, शिपिंग बिलों की संख्या में महत्वपूर्ण हिस्सा रखते हैं, लेकिन कुल निर्यात मूल्य में उनका योगदान बहुत कम है।

विधि सेवा फर्मों की भारतीय संस्था एशियायी फोरम शुरू करेगी

नई दिल्ली (वार्ता)। भारत की लॉ फर्मों की प्रमुख संस्था सोसाइटी ऑफ इंडियन लॉ फर्म्स (सिल्फ) 18 सितंबर से बैंकॉक में अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में एशियन लीगल एकॉर्ड नाम से विधि फर्मों का एक क्षेत्रीय मंच बनाने की घोषणा की है। सिल्फ की ओर से (एशियन यूनियन फॉर रेगुलेटरी एंड इमर्जिंग लीगल इनक्लूसिव सिस्टम्स) नाम से इस आयोजन में एशिया और मध्य पूर्व के विभिन्न न्याय - क्षेत्रों से करीब 150 कानूनी पेशेवर संस्थान हिस्सा लेंगे।

रवि किशन बने स्विगी डाइनआउट के ब्रांड एंबेसडर

नयी दिल्ली (वार्ता)। ऑनलाइन फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने बुधवार को अभिनेता एवं सांसद रवि किशन को स्विगी डाइनआउट का ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की। कंपनी ने अपने ग्रेट इंडियन रेस्टोरेंट फेस्टिवल (जीआईआरएफ) को इस बार द ग्रेट इंडियन रवि फेस्टिवल के रूप में पेश किया। रवि किशन अभियान का मुख्य चेहरा हैं। जीआईआरएफ का यह संस्करण 14 सितंबर 2026 से 24 अक्टूबर 2026 तक लाइव रहेगा। इसके तहत देश के 84 से

अधिक शहरों के 57 हजार से ज्यादा रेस्त्रां में 50 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। इन शहरों में दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता और चेन्नई के साथ-साथ गोवा, जयपुर, इंदौर, कोयंबटूर, चंडीगढ़, लखनऊ और उदयपुर भी शामिल हैं। इसके अलावा, डाइनआउट से बुकिंग करने पर ग्राहकों को एचडीएफसी बैंक के सभी कार्ड पर 10 प्रतिशत की तत्काल छूट और हर बुकिंग पर 10 प्रतिशत डाइनकैश कैशबैक भी मिलेगा।

इस संस्करण में गुड फ्लिपिन बर्गर, पंजाब ग्रिल, यूमी, वन 8 कम्यून, मेनलैंड चाइना, पैराडाइज बिरयानी और एब्सोल्यूट बारबेक्यू जैसे प्रमुख ब्रांडों सहित कई अन्य लोकप्रिय डाइनिंग डेस्टिनेशंस हिस्सा ले रहे हैं।

चीनी नरम, चावल, गेहूं के दाम बढ़े

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चीनी का औसत भाव गिर गया। चावल और गेहूं के दाम बढ़ गये जबकि दालों तथा खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 25 रुपये घटकर 5,412 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। वहीं, गुड़ की आवक कम रहने से यह 11 रुपये चढ़कर 5,976 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 32 पैसे घटकर 58.93 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 18 रुपये बढ़कर 4,172 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 20 रुपये की मजबूती के साथ 2,860 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बोला गया। आटे की कीमत में 14 रुपये की तेजी देखी गयी। दाल-दलहनों में मूंग दाल की औसत कीमत 10 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। उड़द दाल और चना दाल सात-सात रुपये महंगी हुई। तुअर दाल में नौ रुपये की मंदी रही जबकि मसूर दाल की कीमत पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही रही। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में आज मलेशिया दिवस के मौके पर अवकाश रहा। दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.43 प्रतिशत बढ़कर 70.65 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजार में आज सरसों तेल औसतन 41 रुपये और वनस्पति 19 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सूरजमुखी तेल और पाम ऑयल के दाम 15-15 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गए। वहीं, मूंगफली तेल 36 रुपये और सोया तेल पांच रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया।

कच्चे तेल में नरमी से शेयर बाजारों में लौटी तेजी

मुंबई, (वार्ता)

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल में रही नरमी से घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को प्रमुख सूचकांक बढ़त में बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स करीब 245 अंक चढ़कर 74,249 अंक पर खुला और लगभग पूरे दिन हरे निशान में रहा। अंत में यह 332.63 अंक (0.45 प्रतिशत) चढ़कर 74,336.45 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 99 अंक यानी 0.43 प्रतिशत ऊपर 23,217.60 अंक पर बंद हुआ। दोनों प्रमुख सूचकांक पिछले कारोबारी दिवस पर एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट में थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज कच्चे तेल के दाम टूट गए। लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा

करीब डेढ़ प्रतिशत फिसलकर 107 डॉलर प्रति बैरल के करीब रह गया। इससे लगभग सभी प्रमुख एशियाई शेयर बाजारों में तेजी देखी गई। यूरोपीय बाजार भी शुरुआती कारोबार में हरे निशान में रहे। घरेलू बाजारों में एफएमसीजी, बैंकिंग, वित्त, ऑटो, धातु, मीडिया, रियल्टी और तेल एवं गैस समूहों के सूचकांक ऊपर रहे। आईटी, स्वास्थ्य और फार्मा सेक्टरों में गिरावट रही। वृहत बाजार में मिलाजुला रुख रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.02 प्रतिशत ऊपर रहा जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.18 प्रतिशत टूट गया। एनएसई में जिन 3,662 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,851 के शेयर लाल निशान में और 1,688 के हरे निशान में रहे। अन्य 123 कंपनियों के शेयर अंतत: अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 18 के शेयरों में तेजी रही। आईटीसी का शेयर 2.46 फीसदी मजबूत हुआ।

भारतीय स्टेट बैंक का शेयर 2.24 प्रतिशत, एक्सिस बैंक का 1.93, ट्रेंट का 1.51, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 1.45, बीईएल का 1.42, टाइटन का 1.34, कोटक महिंद्रा बैंक का 1.29, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 1.21 और सन फार्मा का 1.01 प्रतिशत की बढ़त में रहा। अडानी पोर्ट्स, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, रिलायंस इंड्स्ट्रीज, इटरनल और भारती एयरटेल के शेयर भी हरे निशान में बंद हुए।

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी टीसीएस का शेयर 2.60 प्रतिशत लुढ़क गया। अन्य आईटी कंपनियों में इंफोसिस का शेयर 1.43 प्रतिशत, टेक महिंद्रा का 1.26, बजाज फिनसर्व का 0.99 और एनटीपीसी का 0.71 प्रतिशत टूट गया। एलएंडटी, इंडिगो, मारुति सुजुकी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टाटा स्टील के शेयर भी नुकसान में रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में चीन का शंघाई कंपोजिट 0.71 प्रतिशत, जापान का निक्केई 0.69 प्रतिशत और हांगकांग का हैंग सेंग 0.19 प्रतिशत की बढ़त में रहा। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में ब्रिटेन का एफटीएसई 0.67 फीसदी और जर्मनी का डैक्स 0.36 फीसदी ऊपर बंद हुआ।

मप्र जल निगम अब कहलायेगा एमपी वाटर एंड सेनिटेशन कार्पोरेशनः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

म.प्र. जल निगम के संचालक मंडल की 26वीं बैठक में नाम बदलने के प्रस्ताव को मंत्रि-परिषद को भेजने की दी मंजूरी

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यमंत्री निवास (समत्व भवन) में मध्यप्रदेश जल निगम के संचालक मंडल की 26वीं बैठक हुई। बैठक में वर्तमान मप्र जल निगम मर्यादित (एमपीजेएनएम) को पुर्नगठित कर अब मध्यप्रदेश वाटर एंड सेनिटेशन कार्पोरेशन (एमपी-वास्को) बनाने का अहम प्रस्ताव पारित किया गया। संचालक मंडल ने यह महत्वपूर्ण प्रस्ताव अंतिम अनुमोदन के लिए मंत्रि-परिषद् को भेजने की मंजूरी दे दी। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश जल निगम अब अपने नए नाम (एमपी-वास्को) और नई जिम्मेदारियों के साथ प्रदेश में जल विकास एवं स्वच्छता प्रबंधन में नए लक्ष्यों और अतिरिक्त संसाधनों के साथ काम करेगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने मप्र जल निगम द्वारा विचार एवं अनुमोदन के लिए रखे गये विभिन्न एजेंडा प्रस्तावों को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल निगम के वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए तैयार संचालक मण्डल के प्रतिवेदन तथा वित्तीय वर्ष 2024-25 के अनअंकेक्षित वार्षिक लेखाओं का अनुमोदन किया। मुख्यमंत्री ने कैप्टिव मोड के तहत 60 मेगावॉट ग्रिड-कनेक्टेड पवन ऊर्जा परियोजना विकसित करने के लिए गठित परियोजना कंपनी में मप्र जल निगम के प्रतिनिधित्व के लिए प्रबंध संचालक को अधिकृत कर दिया। साथ ही इसी परियोजना के विकास के लिए गठित प्रोजेक्ट कंपनी में डीमैटीरियलाइज्ड रूप में 26 प्रतिशत इक्विटी शेयर रखने का अनुमोदन किया।

तैयार किए गए बजट का अनुमोदन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने म.प्र. जल निगम के इक्विटी शेयरों के नए पदाधिकारियों को हस्तांतरण तथा जल निगम द्वारा वर्तमान वित्त वर्ष 2026-27 के लिए तैयार किए गए बजट अनुमान (57 करोड़ रुपए) का अनुमोदन किया। उन्होंने मप्र जल निगम के संचालक मण्डल में स्वतंत्र निदेशक के पद पर सुमित बोस की पुनः नियुक्ति का भी अनुमोदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन और एक्ज़ीक्यूशन मेथोडोलॉजी के अनुसार मप्र जल निगम के एमडी की टेंडर मंजूरी की तय सीमा 5 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 25 करोड़ रुपए करने के प्रस्ताव का भी अनुमोदन किया।

बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपत्तिया उइके, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव मनीष रस्तोगी, अपर मुख्य सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी, अपर मुख्य सचिव पीएचई सचिन सिन्हा, प्रमुख सचिव पीएचई मनीष सिंह, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य श्री संदीप यादव, मप्र जल निगम मर्यादित के एमडी वीएस चौधरी कोलसानी सहित संचालक मण्डल के अन्य सभी सदस्यगण भी उपस्थित थे।

उप निर्वाचन हेतु आयोग द्वारा प्रेक्षक शरद कुमार श्रोत्रि नियुक्त

दमोह (स्वतंत्र मत)। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदेशानुसार दमोह जिले की जनपद पंचायत बटियागढ़ के जनपद सदस्य निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 2 के उप निर्वाचन 2026 पूर्वार्द्ध हेतु मप्र पंचायत निर्वाचन नियम में निहित प्रावधानों के तहत राप्रसे सेवानिवृत्त शरद कुमार श्रोत्रि मोबाइल नंबर 9827229515 को आयोग द्वारा प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी राकेश मोहन त्रिपाठी ने बताया प्रथम चरण हेतु 14 सितम्बर से 18 सितम्बर तक द्वितीय चरण 28 सितम्बर से 3 अक्टूबर तक जिला प्रवास के दौरान लाइजनिंग अधिकारी के रूप में शरद कुमार खरे, उपयंत्री, मप्रग्रासंविप्रा इकाई दमोह मोबाईल 8269487773 को पदाविहित किया गया है। इसके साथ सहायक जिला आबकारी अधिकारी केशव प्रसाद गांधी को प्रेक्षक के व्यवस्था सहयोग हेतु पदाविहित किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील किया गया।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर इंदौर से होगा सेवा-संकल्प अभियान और स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन योजना का शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन उज्जैन के शिप्रा तट पर दीपोत्सव और आरती में होंगे शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर देशभर में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों में सबसे पहले गुजरात और अब भारत को नई दिशा, नई गति और नया आत्मविश्वास मिला है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2014 में जब देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, उसके बाद से देशवासियों ने बहुत कुछ बदलते हुए देखा है। दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर सबसे तेजी से बढ़ रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल करते हुए सभी देशवासी प्रधानमंत्री श्री मोदी का जन्मदिवस मना रहे हैं। इस अवसर पर देश के कोने-कोने में विशेष रूप से दीपोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का पहली बार मध्यप्रदेश आगमन हो रहा है। वे 17 सितम्बर को इंदौर में सेवा-संकल्प अभियान के शुभारंभ सहित अन्य कई कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस दौरान स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन योजना - 2026 के अंतर्गतप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित जमीन के 50 लाख से अधिक पट्टेधारियों के पट्टों की रजिस्ट्री कराकर उन्हें निःशुल्क प्रदान करने के प्रदेशव्यापी कार्य की शुरुआत की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की उपस्थिति में प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस पर प्रदेशवासियों के लिए यह एक बहुत बड़ी सौगात है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नबीन 17 सितम्बर को शाम 7 बजे उज्जैन में शिप्रा के तट पर आयोजित ऐतिहासिक दीपोत्सव और संध्या आरती में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2022 में उज्जैन में श्री महाकाल के महालोक का लोकार्पण किया, जो अब तीर्थाटन से अर्थव्यवस्था में आए बड़े बदलावों का एक उत्कृष्ट उदाहरण बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के सुदृढ़ और समृद्ध राज्यों में से एक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में यह जानकारी दी।

आंगनवाड़ी, प्राथमिक विद्यालयों में स्क्रीनिंग कैम्प लगाए : राज्यपाल

भोपाल (स्वतंत्र मत)

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि सिकल सेल की स्क्रीनिंग में बच्चों की जाँच को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालय और आंगनवाड़ी केन्द्रों में कैम्प लगाकर स्क्रीनिंग का कार्य किया जाना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल बुधवार को लोकभवन में राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन 2047 और राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, उच्च शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार भी मौजूद थे। राज्यपाल ने बैठक उपरांत जनजातीय कार्य विभाग के साथ की धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं पी.एम. जनमन योजना की समीक्षा की। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल और क्षय रोग उन्मूलन प्रयासों में जन प्रतिनिधियों का सहयोग प्राप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से अपेक्षा की है कि सांसद, विधायक से सम्पर्क कर उनके क्षेत्र में सिकल एवं क्षय रोग उन्मूलन अभियान के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था और स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन में आवश्यक वित्तीय सहयोग प्राप्त करने का प्रयास करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल और क्षय रोग उन्मूलन प्रयासों में जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण घटक है। जरूरी है कि जागरूकता प्रयासों में युवाओं को सहयोगी बनाया जाए। उन्होंने विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों में छात्रों के बीच जाने और उन्हें सिकल मित्र बनने के लिए प्रेरित करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि क्षय रोग 6 माह में पूरी तरह से ठीक हो सकता है। आवश्यकता रोगी द्वारा नियमित रूप से औषधि का सेवन किया जाए। उन्होंने रोगियों के औषधि सेवन की मॉनिटरिंग की जरूरत भी बताई। राज्यपाल श्री पटेल ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रकाशनों का लोकार्पण किया।

एक करोड़ 34 लाख लोगों की स्क्रीनिंग- उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बताया कि प्रदेश में कुल एक करोड़ 34 लाख की सिकल सेल रोग की स्क्रीनिंग हो चुकी है। इनमें से 92 प्रतिशत को जेनेटिक कार्ड का वितरण किया जा चुका है। सिकल मित्र पहल के अंतर्गत 4,825 मित्र बनाएं गए। उनकी संख्या को बढ़ाने के बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश की टी.बी. रोग मुक्त रोगियों की दर 89 प्रतिशत हो गई है। मृत्यु दर में भी कमी आयी है। आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने बताया कि विभाग द्वारा 30 हजार से अधिक सिकल सेल रोगियों को डोर-टू-डोर जाकर दवा का वितरण किया जा रहा है। सिकल सेल प्रभावित व्यक्तियों से भी सम्पर्क किया जाता है। उन्होंने कहा कि सिकल मित्र बनाने के लिए महाविद्यालयों के छात्रों, राष्ट्रीय सेवा योजना के सदस्यों को प्रेरित करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। इसका प्रारंभ सिकल सेल प्रभावित जिलों बड़वानी, धार और अनूपपुर से किया जाएगा।

जनजातीय विकास योजनाओं की समीक्षा - राज्यपाल श्री पटेल ने जनजातीय कार्य विभाग के साथ की धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं पीएम जनमन योजना की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं। बच्चों के विकास और कल्याण के कार्यों को प्राथमिकता दी जाए। उनकी गुणवत्ता उत्कृष्ट हो। अधिकारी क्षेत्र भ्रमण कर कार्यों की नियमित निगरानी करें। उन्होंने पी.एम. जनमन योजना के विभिन्न घटकों की जानकारी प्राप्त की। उनको हितग्राही मूलक योजनाओं की शत प्रतिशत उपलब्धि की जानकारी दी गई। राज्यपाल ने योजना अंतर्गत 9 विभागों की 11 अधोसंरचनात्मक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 17 विभागों की 25 योजनाओं की अद्यतन स्थिति के विषय में भी जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दीपक खांडेकर, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, जनजातीय कार्य विभाग के प्रमुख सचिव गुलशन बामरा, राज्यपाल के उप सचिव सुनील दुबे, सचिव जनजाति प्रकोष्ठ श्रीमती मीनाक्षी सिंह सहित प्रकोष्ठ के सदस्य एवं अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

चेक अनादरण मामले में 6 माह का सश्रम कारावास

दमोह (स्वतंत्र मत)। चेक अनादरण के एक महत्वपूर्ण प्रकरण में न्यायालय उत्कर्ष दिवाकर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी दमोह ने परिवादी समीर चिले पिता डॉ. रघुनन्दन चिले निवासी पलंदी चौराहा दमोह द्वारा प्रस्तुत परिवाद को स्वीकार करते हुए अभियुक्त गजराजसींग लोधी पिता स्व. लल्लूसींग लोधी निवासी ग्राम बड़गुवां पोस्ट लखनी तहसील जबेरा जिला दमोहको धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम के अपराध में दोषी ठहराया है। प्रकरण में परिवादी समीर चिले की ओर से अधिवक्ता प्रवीण कुमार चतुर्वेदी ने परिवाद प्रस्तुत कर न्यायालय के समक्ष साक्ष्य एवं प्रभावी विधिक तर्क रखे। दोनों पक्षों की सुनवाई उपरांत न्यायालय ने परिवादी की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों एवं अधिवक्ता प्रवीण कुमार चतुर्वेदी द्वारा प्रस्तुत तर्कों से सहमत होते हुए अभियुक्त को दोषसिद्ध किया। माननीय न्यायालय ने अपने निर्णय दिनांक 15.09.2026 द्वारा अभियुक्त गजराजसिंह लोधी को 6 माह के सश्रम कारावास से दंडित करते हुए परिवादी को 5,80,000 प्रतिकर अदा करने का आदेश दिया है। न्यायालय ने यह भी आदेशित किया है कि प्रतिकर राशि का भुगतान न किए जाने की स्थिति में अभियुक्त को एक माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा।

जनभागीदारी से सेवा संकल्प अभियान को दें जनआंदोलन का स्वरूप : प्रभारी मंत्री

▶▶ 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जिले में होंगी विविध गतिविधियां
▶▶ प्रभारी मंत्री ने ऑनलाइन जुड़कर तैयारियों की समीक्षा दिए दिशा निर्देश

दमोह (स्वतंत्र मत)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के मौके पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों एवं प्रस्तावित गतिविधियों की समीक्षा के लिए कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार एवं आनंद विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। इस दौरान दमोह विधायक जयंत मलैया, हटा विधायक उमादेवी खटीक, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहर, भाव सिंह मासाब सहित जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर प्रताप नारायण यादव तथा जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री श्री परमार ने कहा सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं बल्कि समाज की सामूहिक शक्ति को विकास एवं जनसेवा से जोड़ना है। गांव और शहर को बेहतर बनानेए शासकीय एवं सार्वजनिक परिसंपत्तियों को सुदृढ़ करने तथा स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों सहित स्थानीय व्यवस्थाओं में जनभागीदारी बढ़ाने के लिए नागरिकों को सक्रिय सहभागी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि नागरिक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए शासन के साथ मिलकर अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दें जिससे विकसित भारत के निर्माण में समाज की भूमिका और मजबूत हो। उन्होंने इस आशय की बात रखी।

जनभागीदारी से आयोजित होंगी गतिविधियां- 17 सितंबर को आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम के तहत नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनभागीदारी से गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसी दिन जिला स्तर से लेकर विकासखंड स्तर तक जनसहयोग से रक्तदान शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नोडल अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित की गई है। विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की सहभागिता एवं सम्मान के माध्यम से अभियान को जनसरोकार से जोड़ने की तैयारी की गई है। प्रभारी मंत्री ने 17 सितंबर की गतिविधियों में अधिकाधिक नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मेरे सपनों का भारत नमो सेवा संगीतमय नाट्य प्रस्तुति आंगन मिलन सेवा ज्योति कलश यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु, सेवा के रंग, राष्ट्र के संग 25 साल 25 कहानी एवं ष्सुशासन सेवा संवाद सहित विकसित भारत संकल्प यात्रा गतिविधियों के कियान्वयन एवं तैयारियों की समीक्षा की गई। मेरे सपनों का भारत के तहत शासकीय एवं निजी स्कूलों, कॉलेजों और छात्रावासों में विकसित भारत की थीम पर निबंध एवं चित्रकला जैसी गतिविधियां आयोजित होंगी। वहीं नमो सेवा संगीतमय नाट्य प्रस्तुति के लिए संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन के समन्वय से कार्यक्रम आयोजित कर स्थानीय कलाकारों एवं नागरिकों की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

हितग्राहियों की सफलता की कहानियां होंगी सामने- सेवा की कहानी के अंतर्गत विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को सामने लाया जाएगा।

छात्रों की गूंजः युवाओं से संवाद करेंगे राहुल गांधी

दमोह (स्वतंत्र मत)। छात्रों की गूंज युवाओं की आवाज उनके अधिकार और उनके बेहतर भविष्य की लड़ाई को मजबूत करने 19 सितंबर को इंदौर के भारत जोड़ो मैदान रीजनल पार्क के सामने राजीव सर्कल के पास शाम 5 बजें लोकसभा के प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी का आगमन हो रहा है वह वहां मप्र के छात्रों से युवाओ से रूबरू संवाद करेंगे। उसी को लेकर छात्रो की गूंज के कार्यक्रम प्रभारी शुभम तिवारी द्वारा पूर्व विधायक के कार्यालय में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष मानक पटेल ने कहा कि मप्र में पूर्व में हुए व्यापम परीक्षाएं भर्ती परीक्षाओं में भाजपा सरकार ने खुले आम भ्रष्टाचार किया होनहार युवाओं के हक से बंचित किया गया। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष रतन चंद जैन, मनु मिश्रा ने कहा कि आज पढ़े लिखे छात्रो नौजवानो की आवाज बन गये है राहुल गांधी हर कोई उन्हें सुनना चाहता है जुड़ना चाहता हैं जिला कांग्रेस संगठन महासचिव नितिन मिश्रा, राशु चौहान, रजनी ठाकुर, विजय बहादुर, परम यादव, प्रदीप पटैल, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, दृगपाल सिंह, मंजीत यादव, दिनेश रैकवार, बसंत कुशवाहा,अजय जाटव, नौशाद खान, वकील कुरैशी ने भी कहा यह कार्यक्रम कांग्रेस पार्टी का नही है यह केवल छात्रो और युवाओं को हो रही समस्याओं को लेकर उनके बेहतर भविष्य को लेकर आयोजित किया है >

नाम परिवर्तन सूचना

मैं काजल चेलानी (KAJAL CHELANI), पत्नि श्री अजीत चेलानी (AJIT CHELANI), निवासी फ्लैट नं. B1/401, कौशल्या एक्सोटिका, कचनार सिटी के पास, जिला जबलपुर मध्य प्रदेश शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करती हूँ कि विवाह के पूर्व मेरा नाम नीता मोटवानी, पिता-चंदूलाल मोटवानी था। परंतु विवाह पश्चात मेरे आधार कार्ड व बैंक आदि मे मेरा नाम काजल चेलानी (KAJAL CHELANI) से है। मेरा विवाह अजीत चेलानी से हुआ है ओर ये दोनो नाम मेरे ही है। अतः अब से मुझे मेरे नये नाम काजल चेलानी (KAJAL CHELANI) से जाना पहचाना जाये।

पुराना नाम- नीता मोटवानी (NEETA MOTWANI)
नया नाम- काजल चेलानी (KAJAL CHELANI)

शपथ पत्र

मैं अशोक सिंह राजपूत पिता- प्रहलाद सिंह उम्र 41वर्ष पता- ग्राम तिवारी खेड़ा, तह. पनागर, जिला-जबलपुर का शपथपूर्वक कथन करता हूँ किः-

1. यह कि मेरी पुत्री का सही नाम कनिष्का सिंह राजपूत (KANISHKA SINGH RAJPUT) है, जो आपके विद्यालय में कक्षा 10 वीं में अध्यनरत हैं। 2. यह कि आपके स्कूल रिकॉर्ड में मेरी पुत्री का नाम कनिष्का राजपूत (KANISHKA RAJPOOT) भूलवश दर्ज हो गया हैं। जिसमें मध्य नाम नहीं हैं एवं जाति की स्पेलिंग में त्रुटि हैं। 3. यह कि मेरी पुत्री का सही नाम कनिष्का सिंह राजपूत (KANISHKA SINGH RAJPUT) हैं, जो कि उसके जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड में दर्ज हैं। 4. यह कि उक्त दोनों नाम KANISHKA SINGH RAJPUT व KANISHKA RAJPOOT मेरी एक ही पुत्री के दर्ज हैं, दो अलग अलग बच्चों के नहीं हैं, अतः उक्त दोनों नामो को मेरी पुत्री के ही नाम पढ़े, माने व समझे जाये जो कि सही व सत्य हैं। यदि उक्त कथन में कोई त्रुटि पायी जाती हैं तो इसका जिम्मेदार मैं स्वयं रहूँगा। 5. अतः आपके स्कूल रिकॉर्ड में मेरी पुत्री का नाम कनिष्का राजपूत (KANISHKA RAJPOOT) से सुधारकर सही नाम कनिष्का सिंह राजपूत (KANISHKA SINGH RAJPUT) दर्ज कर दिया जाये, एवं हमारी जाति की सही स्पेलिंग RAJPUT दर्ज कर दी जाये. जिसकी समस्त जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी। 6. अतः मेरी पुत्री के नाम के नाम सत्यापन /सुधार हेतु यह शपथ पत्र प्रस्तुत हैं।

दिनांक- 15 SEP 2026
पनागर/जबलपुर

शपथकर्ता
अशोक सिंह

नाम सुधार हेतु सार्वजनिक सूचना

यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी नाबालिग पुत्री के आधार कार्ड में उसका नाम अंग्रेजी में EAGNICS अंकित है, जबकि उसके जन्म प्रमाणपत्र, विद्यालयीन अभिलेखों एवं अन्य समस्त शासकीय अभिलेखों में उसका सही नाम AGNES DCRUZ अंकित है। अतः आधार कार्ड में अंकित नाम केवल स्पेलिंग/ टंकण त्रुटि है।

भविष्य में मेरी नाबालिग पुत्री का सही नाम AGNES DCRUZ ही माना, पढ़ा एवं उपयोग किया जाए।

स्थान- जबलपुर
दिनांक- 16.09.2026

सही नाम
AGNES DCRUZ
गलत नाम
EAGNICS

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामिनी नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित हाथीताल कालोनी जबलपुर स्थित भवन क्रमांक टी-70 श्री एम.पी.साहू पिता स्व.श्री मूलचंद साहू को आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 12.05.2000 को निष्पादित हो चुका है। आवंटी श्री एम.पी. साहू पिता स्व.श्री मूलचंद साहू का निधन दिनांक 08.10.2023 को हो गया है। उनकी पत्नि श्रीमती अभिलाषा साहू पति स्व. श्री महेश साहू के द्वारा नामांतरण करने हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र स्वयं का शपथ पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ उक्त भवन के नामांतरण हेतु आवेदन/दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं, उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है। यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को उक्त भवन नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन/भूखण्ड हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुभाष नगर महाराजपुर जबलपुर स्थित भूखण्ड सीनियर एम.आई.जी. 19 श्री आशुतोष तिवारी पिता श्री उमाशंकर तिवारी को आंवटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 30.03.2006 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड श्री आशुतोष तिवारी पिता श्री उमाशंकर तिवारी ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 03.12.2025 के माध्यम से श्री रूपम तिवारी पिता श्री अशोक कुमार तिवारी को विक्रय किया है। श्री रूपम तिवारी पिता श्री अशोक कुमार तिवारी द्वारा उक्त भूखण्ड अपने नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन/भूखण्ड हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुभाष नगर महाराजपुर जबलपुर स्थित भूखण्ड सीनियर एम.आई.जी. 18 श्री दिलीप कुमार तिवारी पिता श्री उमाशंकर तिवारी को आंवटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 28.10.2005 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड श्री दिलीप कुमार तिवारी पिता श्री उमाशंकर तिवारी ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 03.12.2025 के माध्यम से श्री रूपम तिवारी पिता श्री अशोक कुमार तिवारी को विक्रय किया है। श्री रूपम तिवारी पिता श्री अशोक कुमार तिवारी द्वारा उक्त भूखण्ड अपने नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

दुकान लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ट्रांसपोर्ट नगर महाराजपुर जबलपुर में दुकान क्रमांक 28 श्रीं नितिन कुमार मिश्रा पिता स्व. श्री अशोक कुमार मिश्रा के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 13.02.2014 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उवत्त दुकान श्री नितिन कुमार मिश्रा पिता स्व. श्री अशोक कुमार मिश्रा ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 09.12.2015 के माध्यम से श्री मेहमूद खान पिता श्री मेहबूब खान को विक्रय किया है। अतः श्री मेहमूद खान पिता श्री मेहबूब खान द्वारा उक्त दुकान उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण दुकान बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

दुकान लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ट्रांसपोर्ट नगर महाराजपुर जबलपुर में दुकान क्रमांक 27 श्री मोहम्मद कलीम पिता श्री मोहम्मद मुहीयुद्दीन के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 29.09.2012 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त दुकान श्री मोहम्मद कलीम पिता श्री मोहम्मद मुहीयुद्दीन ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 23.01.2017 के माध्यम से श्री मेहमूद खान पिता श्री मेहबूब खान को विक्रय किया है। अतः श्री मेहमूद खान पिता श्री मेहबूब खान द्वारा उक्त दुकान उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण दुकान बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

मिठाई दुकान संचालक-कर्मचारियों से मारपीट

जबलपुर। सीओडी तिराहा स्थित एक प्रसिद्ध मिठाई दुकान में कथित अवैध वसूली को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि चार युवक दुकान पर पहुंचे और पैसे की मांग करने लगे। दुकान संचालक और कर्मचारियों ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने दुकान में तोड़फोड़ करते हुए लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। घटना में बीच-बचाव करने पहुंचे कर्मचारी के सिर में गंभीर चोट आई है। जानकारी के अनुसार, सीओडी तिराहा स्थित मिठाई दुकान के संचालक मुन्ना गुप्ता दुकान पर मौजूद थे। इसी दौरान गधेरी निवासी अर्जुन यादव और सागर यादव अपने दो अन्य साथियों के साथ वहां पहुंचे। दुकान संचालक के मुताबिक, आरोपियों ने उनसे अवैध वसूली के लिए पैसे की मांग की।

जबलपुर-हरिद्वार, निजामुद्दीन सहित अन्य स्थानों के लिए चलेंगी ट्रेनें

त्यौहार में स्पेशल ट्रेनों की 54 सेवाएं

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रेलवे द्वारा दुर्गा, दिवाली एवं छठ पूजा त्यौहारों के अवसर पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए पूजा स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु जबलपुर-हज़रत निजामुद्दीन-जबलपुर, जबलपुर-हरिद्वार-जबलपुर, रीवा-रानी कमलापति-रीवा एवं कटनी-सतना-कटनी (अनारक्षित) के मध्य पूजा स्पेशल ट्रेनों की 54 सेवाएं चलाने का निर्णय लिया है इन स्पेशल ट्रेनों में वातानुकूलित श्रेणी, शयनयान श्रेणी एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। गाड़ी संख्या 09015 कटनी से सतना आरक्षित स्पेशल ट्रेन प्रतिदिन 10 अक्टूबर से 22 नवम्बर 2026 तक कटनी स्टेशन से प्रस्थान करेगी।

डॉ. राजकुमार आचार्य म.प्र. प्रवेश एवं शुल्क विनियामक समिति के अध्यक्ष नियुक्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने म.प्र. प्रवेश एवं शुल्क विनियामक समिति का पुनर्गठन करते हुए जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के कुलपति डॉ. राजकुमार आचार्य को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस समिति का कार्यकाल 3 वर्ष का होगा। वरिष्ठ शिक्षाविद डॉ. आचार्य इससे पूर्व महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, करेली (नरसिंहपुर) के प्राचार्य तथा अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा के कुलपति के रूप में अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। फरवरी 2025 में उन्हें जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर का कुलगुरु बनाया गया था। उनके लंबे शैक्षणिक और प्रशासनिक अनुभव को देखते हुए राज्य सरकार ने उन्हें यह नई जिम्मेदारी सौंपी है।

443 करोड़ वसूली मामले में आनंद माइनिंग की याचिका खारिज

हाईकोर्ट ने कहा नोटिस स्तर पर हस्तक्षेप नहीं, कलेक्टर 4 माह में करेंगे अंतिम फैसला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हाईकोर्ट ने मेसर्स आनंद माइनिंग कॉर्पोरेशन की बुधवार को याचिका खारिज कर दी। मामला जबलपुर जिले की सिहोरा तहसील के टिकरिया और प्रतापपुर स्थित लौह अयस्क खदानों में वर्ष 2004 से 2017 के बीच कथित अतिरिक्त खनन से जुड़ा है। राज्य द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर कलेक्टर जबलपुर ने कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किए थे। टिकरिया खदान के लिए 1,13,81,94,280 और प्रतापपुर के लिए 1,20,69,41,910 की वसूली प्रस्तावित किए जाने का उल्लेख हाईकोर्ट के आदेश में है। न्यायमूर्ति आनंद पाठक और न्यायमूर्ति बीपी शर्मा की खंडपीठ ने कहा कि मामला अभी कारण बताओ नोटिस के स्तर पर है और कलेक्टर ने कंपनी की अंतिम देयता तय नहीं की है। इसलिए इस स्तर पर हाईकोर्ट के असाधारण रिट अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप का आधार नहीं है। हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार, जांच रिपोर्ट के अंतिम हिस्से में संबंधित कंपनियों से 4,43,04,86,890 (443 करोड़ 4 लाख 86 हजार 890) तथा उसके अनुसार तस्ञ्ज की राशि जमा कराने को उचित बताया गया था। हालांकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जांच समिति की रिपोर्ट स्वयं अंतिम रिकवरी आदेश नहीं है। यह कलेक्टर पर बाध्यकारी भी नहीं है। कलेक्टर को कंपनी की आपत्तियों, जांच रिपोर्ट और संबंधित रिकॉर्ड पर विचार करते हुए कानून के अनुसार स्वतंत्र और कारणयुक्त आदेश पारित करना है।

कलेक्टर को 4 महीने में कार्यवाही पूरी करने के निर्देश

हाईकोर्ट ने कलेक्टर जबलपुर को कंपनी की आपत्तियों और उपलब्ध रिकॉर्ड पर विचार करते हुए कानून के अनुसार स्वतंत्र एवं कारणयुक्त आदेश पारित करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने कार्यवाही शीघ्र पूरी करने तथा प्रमाणित आदेश प्राप्त होने के बाद यथासंभव चार माह के भीतर अंतिम निर्णय करने की अपेक्षा व्यक्त की। याचिकाकर्ता ने कलेक्टर जबलपुर द्वारा खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21(5) के तहत जारी कारण बताओ नोटिस, जांच समिति के गठन और उसकी रिपोर्ट को चुनौती दी थी। उसका तर्क था कि जांच समिति का गठन बिना किसी वैधानिक अधिकार के किया गया, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन हुआ और मामले में कोई अंतिम क्षेत्राधिकार नहीं बनता।

माटी से गढ़े गणेश, पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

हितकारिणी कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर एंड टाउन प्लानिंग में विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मकता

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर एंड टाउन प्लानिंग, हितकारिणी हिल्स, डुमना रोड में गणेशोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों ने आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। आर्किटेक्चर के छात्रों ने अपने हाथों से भगवान गणेश की सुंदर प्रतिमा तैयार की। प्रतिमा निर्माण में विद्यार्थियों ने रचनात्मकता के साथ पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी ध्यान में रखा। विद्यार्थियों की इस पहल का उद्देश्य गणेशोत्सव को प्रकृति के अनुकूल बनाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। छात्रों ने स्वयं प्रतिमा तैयार कर यह संदेश दिया कि उत्सव की खुशी के साथ प्रकृति की सुरक्षा भी हमारी जिम्मेदारी है। आर्किटेक्चर विद्यार्थियों के लिए यह गतिविधि डिजाइन, कला और पर्यावरणीय सोच को एक साथ समझने का व्यावहारिक अवसर भी बनी। प्रतिमा स्थापना के बाद कॉलेज परिसर में विधिवत पूजा-अर्चना की जा रही है। विद्यार्थी और स्टाफ भगवान गणेश की आराधना कर सुख-समृद्धि एवं ज्ञान की कामना कर रहे हैं। परिसर में उत्सव के साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता का माहौल भी देखने को मिल रहा है। कॉलेज के डायरेक्टर आर्किटेक्ट नीरज अग्रवाल ने विद्यार्थियों के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी की रचनात्मकता को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की ऐसी पहल समाज को यह संदेश देती है कि आस्था और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चल सकते हैं।

छात्रसंघ चुनाव की अंतिम मार्गदर्शिका शीघ्र जारी करने सौंपा ज्ञापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव एवं छात्रसंघ चुनाव के याचिकाकर्ता अदनान अंसारी के नेतृत्व में एक छात्र प्रतिनिधिमंडल ने उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छात्रसंघ चुनाव हेतु रोडमैप तैयार करने के लिए गठित समिति के सदस्य एवं अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग, जबलपुर संभाग, प्रोफेसर अलकेश चतुर्वेदी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि उच्च न्यायालय के आदेश का समयबद्ध एवं प्रभावी पालन सुनिश्चित करते हुए छात्रसंघ चुनाव की प्रक्रिया को शीघ्र आगे बढ़ाया जाए। सितंबर माह प्रारंभ होने के बावजूद अभी तक छात्रसंघ निर्वाचन की अंतिम मार्गदर्शिका/नियमावली एवं निर्वाचन कार्यक्रम सार्वजनिक नहीं किया गया है। इसलिए उच्च शिक्षा विभाग तत्काल अंतिम मार्गदर्शिका जारी कर निर्वाचन कार्यक्रम घोषित करे, ताकि विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को चुनाव की आवश्यक तैयारियों के लिए पर्याप्त समय मिल सके। ज्ञापन में प्रमुख रूप से मांग की गई कि विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव एवं संयुक्त सचिव जैसे प्रमुख पदों के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों/अध्ययन केंद्रों तथा संबद्ध महाविद्यालयों के पात्र विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष मतदान का अधिकार दिया जाए। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि संबद्ध महाविद्यालय छात्रसंघ गतिविधियों एवं निधि में अपना योगदान देते हैं।

विश्व सेप्सिस दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विश्व सेप्सिस दिवस के अवसर पर सेप्सिस रोकें, जीवन बचाएँ थीम के अंतर्गत यूसीएचसी मनमोहन नगर, में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हितकारिणी बी.एससी. नर्सिंग द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी, प्रिंसिपल-इन-चार्ज के मार्गदर्शन में बी.एससी. नर्सिंग द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक सुश्री ऋषिका कोठारी एवं सुश्री प्रियंका गायकवाड़ रहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को सेप्सिस, इसके गंभीर प्रभावों, प्रारंभिक पहचान तथा समय पर उपचार के महत्व के प्रति जागरूक करना था। विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य शिक्षा सत्र के माध्यम से बताया कि सेप्सिस संक्रमण के प्रति शरीर की अत्यधिक एवं असामान्य प्रतिक्रिया के कारण उत्पन्न होने वाली एक जीवन-घातक स्थिति है। समय पर पहचान एवं उपचार न मिलने पर यह अंगों के विफल होने, सेप्टिक शॉक तथा मृत्यु का कारण बन सकती है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सेप्सिस के प्रति जागरूकता बढ़ाने, मरीजों एवं उनके परिवारों को सहयोग देने तथा संक्रमण के संभावित चेतावनी संकेत दिखाई देने पर बिना विलंब चिकित्सकीय सहायता लेने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि सेप्सिस की शीघ्र पहचान और समय पर उपचार से गंभीर जटिलताओं को कम करने तथा जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है। कार्यक्रम में लोगों को जागरूकता फैलाएँ और आशा जगाएँ, मरीजों एवं उनके परिवारों का सहयोग करें, शीघ्र पहचान जीवन बचा सकती है तथा सेप्सिस के विरुद्ध एकजुट होकर मजबूती से खड़े हों, जैसे महत्वपूर्ण संदेश दिए गए। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने आमजन को सेप्सिस के प्रति सजग रहने, इसके चेतावनी संकेतों को पहचानने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम ने सेप्सिस के संबंध में जागरूकता बढ़ाने और शीघ्र पहचान, समय पर उपचार एवं जीवन रक्षा के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

रवि शर्मा भाजपा जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त

राहुल तिवारी बने सह कार्यालय प्रभारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से भाजपा जबलपुर महानगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने भाजपा जबलपुर महानगर के शेष 6 पदाधिकारीयों की नियुक्ति की है। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर द्वारा की गई नियुक्तियो में रवि शर्मा को जिला मीडिया प्रभारी, नरेश चौधरी को सह मीडिया प्रभारी, सुंदर अग्रवाल की जिला प्रवक्ता, अनिल सिंह चौहान को जिला प्रचार मंत्री, राजेश रोहरा को कार्यालय प्रभारी एवं राहुल तिवारी को सह कार्यालय प्रभारी बनाया गया है। जबलपुर महानगर के नवनियुक्त पदाधिकारियों को लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, राज्य सभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, विधायक अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्रीकान्त साहू, प्रदेश प्रवक्ता डॉ वाणी अहलुवालिया के साथ जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ताओ ने शुभकामनायें देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

ई-केवाईसी की धीमी प्रगति पर कलेक्टर सख्त

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने की स्वामित्व योजना की समीक्षा, कम प्रगति वाले क्षेत्रों में दिए विशेष निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय में स्वामित्व योजना के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर नीता राठौर, शैलेंद्र सिंह एवं अखिलेश सिंह सहित सभी एसडीएम एवं तहसीलदार उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने तहसीलवार स्वामित्व योजना कार्यों की प्रगति, भूमिस्वामियों की ई-केवाईसी तथा आगामी शिविरों की तैयारियों की जानकारी ली। अधिकारियों द्वारा तहसीलवार ई-केवाईसी की स्थिति प्रस्तुत की गई। उन्होंने कम प्रगति वाले क्षेत्रों में विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि स्वामित्व योजना के कार्यों को गति देने के लिए संबंधित अधिकारी अपने क्षेत्र के पात्र भूमिस्वामियों की सूची तैयार करें। जिन भूमिस्वामियों की ई-केवाईसी लंबित है, उन्हें चिन्हित कर प्रक्रिया पूरी कराई जाए। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों की ई-केवाईसी कराने तथा आगामी शिविरों के लिए आवश्यक सूची पहले से तैयार रखने के निर्देश दिए, ताकि शिविर में आने वाले लोगों के कार्य समय पर पूरे किए जा सकें। बैठक में बताया कि एलआर ई-केवाईसी की सुविधा सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध है। भूमिस्वामी स्वयं भी इसके माध्यम से ई-केवाईसी कर सकते हैं। जिन लोगों को ई-केवाईसी की प्रक्रिया में कठिनाई हो, उन्हें पटवारी एवं अन्य मैदानी अमले के माध्यम से सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में समग्र ई-केवाईसी और भूमि रिकॉर्ड संबंधी ई-केवाईसी की प्रक्रिया में अंतर की जानकारी भी दी गई। कलेक्टर श्री सिंह ने आगामी शिविरों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर कनेक्टिविटी अच्छी है, वहां आवश्यकतानुसार एडीओ, पीसीओ एवं अन्य संबंधित अमले को बैठाकर लोगों को ई-केवाईसी सहित स्वामित्व योजना से जुड़े कार्यों में सहायता उपलब्ध कराई जाए।

लाइफकेयर सेंटर में नहीं मिले फायर सेफ्टी और इमरजेंसी एग्जिट

सिहोरा के 4 स्वास्थ्य संस्थानों की जांच, थमाया नोटिस

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

नगर में संचालित निजी स्वास्थ्य संस्थानों की व्यवस्थाओं का जायजा लेने और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को प्रशासनिक टीम ने औचक निरीक्षण किया। तहसीलदार सुमित कुमार गुप्ता और मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अर्शिया खान की संयुक्त टीम ने शहर के चार प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों में दबिश देकर सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाओं का गहनता से निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान टीम लाइफकेयर सोनोग्राफी सेंटर, इंदिरा पॉलीक्लीनिक, अपूर्वा सोनोग्राफी सेंटर और सिहोरा हॉस्पिटल पहुंची। जांच के दौरान लाइफकेयर सोनोग्राफी सेंटर में गंभीर सुरक्षा खामियां पाई गईं। सेंटर में न तो नियमानुसार फायर ऑडिट कराया गया था और न ही इलेक्ट्रिकल ऑडिट की कोई रिपोर्ट मौजूद थी। इसके अलावा आपातकालीन स्थिति में बाहर निकलने के लिए कोई इमरजेंसी एग्जिट (आकस्मिक निकास) की व्यवस्था भी नहीं मिली। सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर अधिकारियों ने कड़ी नाराजगी जताते हुए सेंटर संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। तहसीलदार सुमित कुमार गुप्ता और बीएमएचओ डॉ. अर्शिया खान ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वास्थ्य संस्थानों में मरीजों और स्टाफ की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। संचालक को तत्काल फायर एवं इलेक्ट्रिकल ऑडिट कराने तथा इमरजेंसी एग्जिट की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि नगर के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में सुरक्षा मानक दुरुस्त होने चाहिए और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एमपी हाईकोर्ट लिखी बिना नंबर की कार से अवैध शराब तस्करी

माढ़ोताल पुलिस ने की कार्यवाही, 2.25 लाख की अंग्रेजी शराब के साथ 2 गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

माढ़ोताल थाना पुलिस ने ग्राम बसा में दबिश देकर बिना नंबर की कार से अवैध रूप से शराब की तस्करी कर रहे दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि तस्करी में प्रयुक्त कार पर अंग्रेजी में एमपी हाईकोर्ट लिखा हुआ था, जिसकी आड़ में यह अवैध कारोबार चलाया जा रहा था। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 2.25 लाख रुपये मूल्य की 251 बोतल अंग्रेजी शराब और कार जब्त की है। थाना प्रभारी माढ़ोताल विरेन्द्र सिंह पवार ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम बसा निवासी प्रियांश अग्निहोत्री के घर के बाहर एक बिना नंबर की फ्रोंक्स कार में भारी मात्रा में शराब लादी जा रही है। सूचना पर माढ़ोताल पुलिस टीम ने तत्काल दबिश दी। पुलिस को देखते ही दो युवकों ने भागने का प्रयास किया, जिन्हें घेराबंदी कर धर दबोचा गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम प्रियांश अग्निहोत्री (28) निवासी ग्राम बसा और आशुतोष उर्फ चुंगा यादव (22) निवासी मड़ई, रांझी बताया। प्रियांश के घर के सामने खड़ी कार की तलाशी लेने पर 19 कार्टन और पोर्च में रखे एक बड़े थैले से कुल 251 बोतल विभिन्न नामी ब्रांड्स (रॉयल स्टैग, ब्लेंडर्स प्राइड, मैजिक मोमेंट्स, मेकडॉवल, ऑफिसर चॉइस आदि) की अंग्रेजी शराब कीमती लगभग 2 लाख 25 हजार रूपये की बरामद की है।

दूसरी जगह शिफ्ट करने की फिराक में थे आरोपी

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि जब्त शराब करीब 10 दिन पहले ग्वारीघाट निवासी अर्जुन केवट से मंगवाई गई थी। पुलिस गश्त के डर से आरोपी इस शराब को दूसरी जगह शिफ्ट करने की फिराक में थे। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त बिना नंबर की सुजुकी फ्रोंक्स कार जिसकी नंबर प्लेट पर रजिस्ट्रेशन नंबर एमपी 20 जेडएच 1055 और एमपी हाईकोर्ट लिखा था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 एंड्रॉइड मोबाइल भी जब्त किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया है। इस पूरी कार्रवाई में उप निरीक्षक हृदयानंद, सहायक उप निरीक्षक विजय शुक्ला, प्रधान आरक्षक सचिन मेहरा, आरक्षक विनय सिंह, कुनाल यादव और राहुल सिंह की मुख्य भूमिका रही।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**